{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
सोमवार 15 जून 2026
ज्येष्ठ कृष्ण 13 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 261
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

संसेक्स -
निफ्टी -
सोना -
चांदी -
डॉलर -

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

कक्षा 6 से 9 तक संस्कृत अनिवार्य, तीसरी भाषा का विकल्प

नई दिल्ली। नई शिक्षा व्यवस्था के तहत कक्षा 6 से 9 तक संस्कृत को अनिवार्य विषय के रूप में शामिल किए जाने का निर्णय लिया गया है। इसके साथ ही विद्यार्थियों को संस्कृत को तीसरी भाषा के रूप में चुनने का विकल्प भी दिया जाएगा। शिक्षा विभाग का कहना है, इस निर्णय का उद्देश्य भारतीय ज्ञान परंपरा, संस्कृति और भाषाई विरासत से छात्रों को जोड़ना है। संस्कृत के अध्ययन से भाषा कौशल, व्याकरण की समझ और प्राचीन साहित्य के प्रति रुचि विकसित होगी। इस निर्णय का विभिन्न शिक्षाविदों ने स्वागत किया है, जबकि कुछ विशेषज्ञों ने विद्यालयों में पर्याप्त संस्कृत शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने पर जोर दिया है। देश के विद्यालयों में संस्कृत के शिक्षकों की भारी कमी है.ऐसी स्थिति में संस्कृत की पढ़ाई कैसे हो सकेगी।

सबरीमाला मंदिर से सोने की चोरी करने के आरोपी मुरारी बाबू का निधन

तिरुवनंतपुरम। सबरीमाला मंदिर से सोना चोरी के चर्चित मामले के आरोपी मुरारी बाबू के निधन की खबर सामने आई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मुरारी बाबू का निधन बीमारी के कारण हुआ है । वह सबरीमाला मंदिर से जुड़े स्वर्ण चोरी प्रकरण में आरोपित थे, जिसके चलते उनका नाम लंबे समय से चर्चाओं में रहा है। उनके निधन के बाद मामले से जुड़े लोगों और स्थानीय नागरिकों में विभिन्न प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। अधिकारियों की ओर से मृत्यु के कारणों तथा अन्य विवरणों की आधिकारिक पुष्टि की प्रतीक्षा की जा रही है। मामले से संबंधित कानूनी अभिलेख और जांच का रिकॉर्ड पूर्ववत बना रहेगा।

वीआईपी दर्शन व्यवस्था पर बवाल केदारनाथ में श्रद्धालुओं की संख्या 50 फ़ीसदी से ज्यादा घटी

देहरादून। उत्तराखंड के प्रसिद्ध केदारनाथ मंदिर में इस वर्ष श्रद्धालुओं की संख्या में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, पिछले वर्षों की तुलना में यात्रियों की संख्या 50 प्रतिशत से अधिक कम रही है। पर्यटन और तीर्थाटन से जुड़े कारोबारियों का कहना है, कम संख्या का असर स्थानीय अर्थ व्यवस्था पर पड़ रहा है। मंदिर में वीआईपी दर्शन व्यवस्था को लेकर भी विवाद समय-समय पर देखने को मिला है। कई श्रद्धालुओं और सामाजिक संगठनों ने आरोप लगाया है, सामान्य दर्शनार्थियों को लंबी प्रतीक्षा करनी पड़ती है. जबकि वीआईपी आगंतुकों को विशेष सुविधा दी जाती है। इस व्यवस्था को लेकर सोशल मीडिया पर भी बहस तेज हो गई है। मंदिर प्रशासन और राज्य सरकार का कहना है, श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखकर व्यवस्थाएं संचालित की जा रही हैं. तीर्थयात्रियों की घटती संख्या और वीआईपी दर्शन को लेकर उठ रहे सवालों ने केदारनाथ यात्रा प्रबंधन पर नई चर्चा शुरू कर दी है।

कुछ ना कहना

अमेरिकी हमलों में भारतीय नाविकों की मौत को लेकर मोदी सरकार को घेरा

एक आज्ञाकारी नौकर वाला है वर्ताव-राहुल गांधी

बोले- भारतीयों की मौत पर अमेरिका ने न अफसोस जताया, न माफी मांगी

नई दिल्ली। एजेंसी।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अमेरिकी हमलों में भारतीय नाविकों की मौत के मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार को निशाने पर लिया है। उन्होंने केंद्र सरकार को एक आज्ञाकारी नौकर बताते हुए कहा कि देश का सम्मान और रक्षा करने में विफल रही यह सरकार। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट करते हुए सरकार की विदेश नीति और अमेरिका के प्रति उसके रुख पर तीखे सवाल उठाए हैं।

राहुल गांधी ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर के बीच हुई बातचीत का हवाला देते हुए कहा, कि अमेरिकी हमलों में भारतीय नागरिकों की मौत के बावजूद अमेरिका ने न तो खेद व्यक्त किया और न ही माफी मांगी। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि अमेरिका लगातार निर्देशात्मक भाषा का इस्तेमाल कर रहा है और भारत सरकार उसका पर्याप्त विरोध तक नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि एक स्वतंत्र राष्ट्र ऐसी भाषा स्वीकार नहीं कर सकता। कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री पर कटाक्ष करते

हुए उन्हें आज्ञाकारी नौकर तक बताया और कहा, कि सरकार देश के सम्मान की रक्षा करने में विफल रही है। राहुल गांधी ने एक अन्य पोस्ट में कहा कि भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने विदेश में फंसे भारतीयों और प्रभावित नाविकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए सरकार से ठोस कार्रवाई की मांग की।

भारतीय नाविकों की मौत के बाद बढ़ा राजनीतिक विवाद

गौरतलब है कि ओमान तट के निकट हाल के दिनों में अमेरिकी नौसेना और अमेरिकी सेंट्रल कमांड द्वारा की गई सैन्य कार्रवाई में तीन भारतीय नाविकों की मौत हुई थी। इस घटना के बाद विपक्षी दलों ने केंद्र सरकार पर कड़ा रुख अपनाने का दबाव बढ़ाया है। भारतीय नाविकों की मौत के मुद्दे पर अब राजनीतिक बहस तेज हो गई है। विपक्ष सरकार की विदेश नीति और प्रतिक्रिया पर सवाल उठा रहा है, जबकि सरकार का कहना है कि उसने राजनयिक स्तर पर अमेरिका के समक्ष भारत की आपत्ति स्पष्ट रूप से दर्ज कराई है। वहीं दूसरी तरफ अमेरिका के रुख से लगातार सवाल उठ रहे हैं और सरकार घिरती नजर आ रही है।

ट्रेन में आग की अफवाह सुनकर कूदे यात्री

दूसरी ट्रेन की चपेट में आकर आठ लोगों की मौत

मुरैना। मुरैना जिले के हेतमपुर और घेर रेलवे स्टेशनों के बीच रविवार शाम एक दर्दनाक हादसा हो गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, उदयपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस में आग लगने की अफवाह फैलने के बाद घबराए यात्रियों ने चेन पुलिंग कर ट्रेन रोक दी। इसके बाद कुछ यात्री ट्रेन से उतरकर रेलवे ट्रैक पर आ गए और दूसरी लाइन पर आ रही पातालकोट एक्सप्रेस की चपेट में आ गए। हादसे में तीन महिलाओं और एक मासूम बच्चे समेत कुल आठ लोगों की मौत की सूचना है, जबकि कई अन्य यात्री घायल बताए जा रहे हैं। हालांकि मृतकों और घायलों की संख्या को लेकर प्रशासन की ओर से आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है। जानकारी के मुताबिक, उदयपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस ग्वालियर से मुरैना की ओर जा रही थी। इसी दौरान किसी यात्री ने डिब्बे में आग लगने की बात कही, जिससे बोगी में अफरातफरी मच गई। घबराए यात्रियों ने आपातकालीन चेन खींचकर ट्रेन रोक दी और कई लोग नीचे उतर गए। इसी दौरान पास की लाइन पर धौलपुर की ओर से आ रही पातालकोट एक्सप्रेस वहां पहुंच गई और कुछ यात्री उसकी चपेट में आ गए। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलते ही जीआरपी, आरपीएफ और मुरैना पुलिस की टीमें घटनास्थल पर पहुंचीं। राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया तथा मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। मृतकों की पहचान करने और उनके परिजनों से संपर्क करने की प्रक्रिया जारी है।

पारंपरिक उत्पादों को जीआई टैग मिलने से नीतीश कुमार खुश

पटना। बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक और हस्तशिल्प परंपरा को बड़ी पहचान मिली है। राज्य के तीन पारंपरिक उत्पादों—नालंदा की बावन बूटी, गया की पत्थरकट्टी स्टोन क्राफ्ट और भोजपुर की पीड़िया पेंटिंग—को भौगोलिक संकेतक (जीआई) टैग प्रदान किया गया है। इस उपलब्धि को राज्य के शिल्पकारों, बुनकरों और कलाकारों के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। इससे पूर्व सीएम नीतीश कुमार खासे खुश हैं।

इस अवसर पर राज्यसभा सदस्य नीतीश कुमार ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि जीआई टैग मिलने से इन उत्पादों की प्रामाणिकता और विशिष्ट पहचान को मजबूती मिलेगी। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि यह बिहार की सांस्कृतिक विरासत के लिए गौरव का विषय है और इससे राज्य की पारंपरिक कलाओं को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलेगी। पूर्व मुख्यमंत्री ने इस उपलब्धि पर राज्य के शिल्पकारों, बुनकरों, कलाकारों और संबंधित संस्थाओं को बधाई देते हुए कहा कि इससे बिहार की सांस्कृतिक धरोहर को वैश्विक मंच पर और अधिक सम्मान प्राप्त होगा।

वहीं, संजय कुमार झा ने भी इस निर्णय का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि जीआई टैग पीढ़ियों से कारीगरों द्वारा संरक्षित कौशल, परंपरा और रचनात्मकता की उचित मान्यता है। उनके अनुसार इससे बिहार के हस्तशिल्प और हथकरघा उत्पादों की पहचान मजबूत होगी तथा रोजगार, उद्यमिता और निर्यात के नए अवसर खुलेंगे।

नालंदा की प्रसिद्ध बावन बूटी बिहार की प्राचीन बुनकरी परंपरा का अनूठा उदाहरण मानी जाती है। इस कला में कपड़ों पर 52 प्रकार के बौद्ध और सांस्कृतिक प्रतीकों को हाथकरघे पर बुना जाता है।

बीजेपी नेता ने अभिषेक बनर्जी के खिलाफ 17 पन्नों की शिकायत थाने को सौंपी

अम्फान चक्रवात राहत कोष में 200 करोड़ से ज्यादा की अनियमितताओं का लगाया आरोप

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में सियासी घमासान के बीच बीजेपी नेता ने शनिवार को तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद अभिषेक बनर्जी पर अम्फान चक्रवात राहत कोष में 200 करोड़ रुपए से ज्यादा की अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। बीजेपी नेता अभिजीत दास बॉबी ने 17 पन्नों की शिकायत सौंपी। इस बीच पश्चिम बंगाल सीआईडी ने जाली हस्ताक्षर करने के मामले में अभिषेक बनर्जी को पूछताछ के लिए एक और नोटिस जारी किया है।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि 2020 में आए सुपर साइक्लोन अम्फान के पीड़ितों के लिए जारी राहत राशि के वितरण में बड़े पैमाने पर गड़बड़ियां हुईं। इसमें डुप्लीकेट और संदिग्ध एंट्री, एक ही मोबाइल नंबर और बैंक खाते के जरिए कई लाभार्थियों को भुगतान और एक ही आवासीय भवन से कई लोगों को लाभ दिलाने जैसे आरोप शामिल हैं। अभिजीत दास बॉबी ने कहा कि आज की शिकायत में मैंने विशेष रूप से डायमंड हार्बर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत बिष्णुपुर के दो ब्लॉकों का उल्लेख किया है, जहां करीब 57 हजार लाभार्थियों के बीच 57.86 करोड़ वितरित किए गए थे।

दो बार अभिषेक बनर्जी के खिलाफ चुनाव लड़ चुके बॉबी ने आरोप लगाया कि राहत राशि का बड़ा हिस्सा कथित तौर पर तृणमूल कांग्रेस नेतृत्व द्वारा हड़प लिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि अभिषेक के नेतृत्व में यह खेल हुआ

और इसमें ब्लॉक विकास अधिकारियों और तत्कालीन अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट सहित कई सरकारी अधिकारी भी शामिल थे। बता दें 20 मई 2020 को आए अम्फान चक्रवात ने पश्चिम बंगाल के कई जिलों में भारी तबाही मचाई थी। पूर्वी मेदिनीपुर और उत्तर एवं दक्षिण 24 परगना जिलों में व्यापक नुकसान हुआ था और 96 लोगों की मौत हुई थी।

भाजपा नेता ने दावा किया कि पूरे डायमंड हार्बर लोकसभा क्षेत्र के आंकड़ों के आधार पर करीब 238 करोड़ रुपए के राहत घोटाले की आशंका है। उन्होंने मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित करने की मांग की है। बॉबी ने कहा कि जल्द ही डायमंड हार्बर क्षेत्र के अन्य थानों में भी इसी तरह की शिकायतें दर्ज कराई जाएंगी साथ ही उन्होंने पूरे खर्च का फॉरेंसिक ऑडिट कराने और ईडी से जांच कराने की मांग की। ममता बनर्जी सरकार ने अम्फान प्रभावित लोगों के लिए 6,250 करोड़ रुपए के राहत पैकेज की घोषणा की गई थी और पीड़ितों के खातों में सीधे धनराशि भेजने का वादा किया था। इसके लिए अम्फान साइक्लोन राहत कोष भी बनाया गया था। वहीं केंद्र सरकार ने नेशनल डिजास्टर ? रिलीफ फंड से अम्फान राहत और पुनर्वास के लिए 3,077 करोड़ रुपए मंजूर किए थे। राज्य सरकार ने पूरी तरह क्षतिग्रस्त मकानों के लिए 20,000 रुपए और आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त मकानों के लिए 5,000 रुपए की सहायता देने की व्यवस्था की थी। बॉबी ने कहा कि ये सभी विसंगतियां सरकारी धन के दुरुपयोग की ओर इशारा करती हैं। वहीं तृणमूल कांग्रेस के सूत्रों ने इन आरोपों को पूरी तरह निराधार बताया है। पार्टी के एक सूत्र ने कहा कि यह हमारे नेता के खिलाफ बीजेपी की प्रतिशोध कार्रवाई है। हम इसका कानूनी तरीके से मुकाबला करेंगे।

अल नीनो के इफेक्ट से मौसम ही नहीं महंगाई की भी लोगों पर पड़ेगी मार

नई दिल्ली। जून-अगस्त में अल नीनो की संभावना 80 फीसदी है और कम से कम नवंबर तक इसके बने रहने की संभावना 90 फीसदी या उससे ज्यादा है। हालांकि देश में जलाशयों का जलस्तर सामान्य भंडारण से ज्यादा है और सब्जियों की आवक के आंकड़े भी संतोषजनक हैं। एक रिसर्च रिपोर्ट में कहा गया है कि आने वाले दिनों में ही पता चलेगा कि क्या सप्लाई की स्थिति ऐसी है जो खाने-पीने की चीजों और ईंधन की कीमतों में अचानक होने वाले बदलावों से महंगाई पर पड़ने वाले असर को संभाल पाएगी या नहीं। अर्थशास्त्री के मुताबिक वित्त वर्ष 2027 में सीपीआई महंगाई दर 5.2 फीसदी से 5.5 फीसदी के बीच रहने का अनुमान है। यह अनुमान अल नीनो के कुछ असर और कच्चे तेल की औसत कीमत 90 से 100 डॉलर प्रति बैरल रहने की संभावना पर आधारित है। मई 2026 में हेडलाइन सीपीआई महंगाई दर 3.9 फीसदी रही, जो बीओबी रिसर्च के 4.1 फीसदी के अनुमान से कम थी। अप्रैल के 3.5 फीसदी से ज्यादा थी। इस बढ़ोतरी की मुख्य वजह खाने-पीने की चीजों और ईंधन की कीमतों में तेजी थी। हाल ही में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण ट्रांसपोर्ट से जुड़ी महंगाई दर बढ़ी, जबकि रेस्टोरेंट और रहने-ठहरने की सेवाओं की महंगाई दर में भी बढ़ोतरी हुई। कोर महंगाई दर बढ़कर 3.9 फीसदी हो गई, जो कीमतों में अंदरूनी दबाव के संकेत हैं। बीओबी रिसर्च को ईंधन की ज्यादा कीमतों और मौसम से जुड़ी अनिश्चितताओं, खासकर अल नीनो की वजह से खाने-पीने की चीजों की कीमतों पर असर पड़ने की संभावना से महंगाई का जोखिम दिख रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि खाने-पीने की चीजों की महंगाई के मामले में, ईंधन की ज्यादा कीमतों का असर और माल ढुलाई की लागत में संभावित बढ़ोतरी से निकट भविष्य में महंगाई और बढ़ सकती है।

सर्बिया के राष्ट्रपति को पीएम मोदी ने दिया धन्यवाद, दोस्ती मजबूत करने पर जोर

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी फ्रांस पहुंच गए हैं। उन्होंने रविवार को सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए सर्बिया के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुसिक को धन्यवाद दिया। राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुसिक ने पीएम मोदी को भारत का सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने पर बधाई दी थी। अलेक्जेंडर वुसिक ने एक्स पर लिखा था- भारत के इतिहास में सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने वाले नरेंद्र मोदी को हार्दिक बधाई। उन्होंने कहा कि देश के सर्वोच्च पद पर इतने लंबे समय तक बने रहना इस बात का प्रमाण है कि जनता को अपने नेता पर भरोसा है। उन्होंने अपना जीवन लोगों की सेवा और देश की प्रगति के लिए समर्पित किया है। किसी नेता की ताकत सिर्फ उसके पद पर बिताए गए वर्षों या जीते गए चुनावों से नहीं मापी जाती, बल्कि उस विरासत, उपलब्धियों और दूरदर्शी सोच से मापी जाती है जो वह पीछे छोड़ जाता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वुसिक ने कहा कि अनुभव, दूरदृष्टि और भारत के प्रति समर्पण का यही अनोखा मेल पीएम मोदी को ऐसा नेता बनाता है जिसकी आवाज दुनियाभर में सुनी जाती है। उन्होंने कहा कि मैं पीएम मोदी के अच्छे स्वास्थ्य, लगातार सफलता और आने वाले सालों में भारत को प्रगति और समृद्धि के रास्ते पर आगे बढ़ाने की शक्ति की कामना करता हूं। इसके जवाब में पीएम मोदी ने कहा कि राष्ट्रपति वुसिक, आपके स्नेहपूर्ण और दिल से दिए गए शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा- मुझे आपकी हाल की भारत यात्रा और हमारी सार्थक बातचीत की याद है। भारत, सर्बिया के साथ अपनी मित्रता को बहुत महत्व देता है और आने वाले समय में हमारे संबंधों को और मजबूत करने के लिए साथ मिलकर काम करने का इंतजार कर रहा हूं।

एआईएडीएमके को झटका, अभिनेत्री गौतमी तडिमल्ला ने पार्टी से दिया इस्तीफा

चेन्नई। तमिलनाडु की प्रमुख विपक्षी पार्टी ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कज़गम को एक और राजनीतिक झटका लगा है। पार्टी की डिप्टी प्रोपेगेंडा सेक्रेटरी और अभिनेत्री गौतमी तडिमल्ला ने रविवार को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता और अपने पद से इस्तीफा दे दिया। गौतमी ने एआईएडीएमके महासचिव एडप्पडी के पलानिस्वामी को भेजे अपने इस्तीफा पत्र में कहा कि वह 14 जून से पार्टी के सभी दायित्वों से मुक्त हो रही हैं। उन्होंने मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों का हवाला देते हुए कहा कि वह समाज सेवा के क्षेत्र में अधिक प्रभावी ढंग से योगदान देना चाहती हैं और इसी उद्देश्य से यह निर्णय लिया है। गौरतलब है कि गौतमी तडिमल्ला ने अक्टूबर 2023 में भाजपा से इस्तीफा देने के बाद 14 फरवरी 2024 को एआईएडीएमके का दामन थामा था।

अब टीएमसी को बचाने मायावती का फॉर्मूला अपनाएंगी ममता ?

नई दिल्ली। अब टीएमसी को बचाने मायावती का फॉर्मूला अपनाएंगी ममता? यह सवाल पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के भीतर मचे घमासान को देखकर तेजी से उठने लगा है। राज्य में पार्टी की करारी हार के बाद लंबे समय से सुलग रहा आंतरिक असंतोष अब एक बड़े राजनीतिक विस्फोट के रूप में सामने आ चुका है। इन चुनावी नतीजों ने न केवल राज्य की सत्ता के समीकरणों को बदला है, बल्कि पार्टी के आंतरिक ढांचे को भी पूरी तरह से चरमरा कर रख दिया है। कोलकाता में 60 विधायकों की खुली बगावत के बाद अब देश की राजधानी दिल्ली में टीएमसी के 20 से अधिक लोकसभा सांसदों ने भी बगावती रुख अख्तियार कर लिया है। इस अभूतपूर्व संकट के बीच ममता बनर्जी के सबसे पुराने, वफादार और मुखर सहयोगी कल्याण बनर्जी ने भी अब सीधे तौर पर शीर्ष नेतृत्व को चेतावनी दे दी है। इस कदम ने पार्टी के भीतर लंबे समय से चल रही 'बुआ बनाम भतीजा' की जंग को आधिकारिक और बेहद निर्णायक मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया है। इस पूरे घटनाक्रम की तुलना वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान बसपा प्रमुख मायावती द्वारा लिए गए उस कड़े फैसले से की जा रही है, जब उन्होंने अपने भतीजे आकाश आनंद को परिपक्वता आने तक पार्टी के सभी महत्वपूर्ण पदों से हटा दिया था। अब ठीक वैसी ही स्थिति ममता बनर्जी के सामने है, क्योंकि पुराना कैडर और कद्दावर नेता केवल 'दीदी' के चेहरे और संघर्ष से जुड़े हैं, वे किसी कॉर्पोरेट नेतृत्व को स्वीकार करने के मूड में बिल्कुल नहीं हैं।

टीएमसी के 20 बागी सांसद आज मिलेंगे स्पीकर से

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के 20 बागी सांसद सोमवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से मिलेंगे। बागी गुट खुद को 'असली टीएमसी' के तौर पर मान्यता देने की मांग करेंगे। इस गुट में शामिल सांसद सायोनी घोष और माला रॉय रविवार सुबह कोलकाता से दिल्ली के लिए रवाना हो गईं। दोनों को ममता बनर्जी ने पार्टी पद से निकाल दिया है। सायोनी पार्टी की यूथ विंग की अध्यक्ष थीं। उनकी जगह अणब बनर्जी को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं माला रॉय को महिला मोर्चा के अध्यक्ष पद से हटा दिया गया। ममता ने यह फैसला 12 जून को लिया था। जानकारी अब सामने आई है। टीएमसी के पास कुल 28 लोकसभा सांसद हैं, जिसमें से 20 अलग हो गए हैं। अब लोकसभा में ममता के पास सिर्फ 8 सांसद ही बचे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बागी सांसद जगदीश बसुनिया ने बताया कि हमारा गुट सोमवार को लोकसभा स्पीकर से मिलेगा। काकोली घोष दस्तीदार के बेटे बैद्यनाथ ने ममता, महुआ मोइत्रा, कल्याण बनर्जी को लीगल नोटिस भेजा है। उन्होंने कहा कि उन्होंने बारासात विधानसभा सीट से अपने लिए या मां के लिए कभी टिकट नहीं मांगा था।

दिल्ली में ऐतिहासिक जयपुर पोलो ग्राउंड पर केंद्र सरकार ने किया कब्जा

नई दिल्ली। दिल्ली के रेस कोर्स रोड में स्थित ऐतिहासिक जयपुर पोलो ग्राउंड को केंद्र सरकार ने अपने नियंत्रण में ले लिया है। पीएम आवास के ठीक सामने स्थित इस बहुचर्चित कैंपस में सुबह भूमि और विकास कार्यालय की टीम पहुंची और मेन एंट्री गेट पर बेदखली नोटिस चस्पा करते हुए परिसर को अपने कब्जे में ले लिया। यह कार्रवाई उस समय हुई जब दिल्ली की कोर्ट ने इंडियन पोलो एसोसिएशन को बेदखली आदेश पर अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया था। कोर्ट के फैसले के तुरंत बाद केंद्र सरकार ने परिसर पर नियंत्रण कर लिया। बता दें इस साल 20 मई को जयपुर पोलो ग्राउंड को खाली कराने का आदेश जारी किया गया था। इसके खिलाफ इंडियन पोलो एसोसिएशन ने अपील दायर कर बेदखली की कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग की थी। हालांकि कोर्ट की अवकाशकालीन पीठ ने कहा कि इस तरह की राहत पहले डिस्ट्रिक्ट सेशन जज और दिल्ली हाईकोर्ट से भी मांगी जा चुकी है, लेकिन कहीं भी राहत नहीं मिली। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कोर्ट ने यह भी माना कि केंद्र सरकार को जवाब दाखिल करने का अवसर दिए बिना स्थगन आवेदन पर फैसला करना उचित नहीं होगा। न्यायिक अनुशासन और पूर्व आदेशों का हवाला देते हुए कोर्ट ने बेदखली आदेश पर रोक लगाने से साफ इनकार कर दिया। मामले की अगली सुनवाई 17 जून को होनी है। कोर्ट से राहत न मिलने के बाद शनिवार सबह अधिकारी जयपुर पोलो ग्राउंड पहुंचे थे। अधिकारियों ने परिसर के गेट पर नोटिस चिपकाया और सरकारी नियंत्रण की प्रक्रिया शुरू कर दी। अधिकारियों का कहना है कि जमीन पर केंद्र सरकार का स्वामित्व है और लीज अवधि समाप्त होने के बाद भी परिसर पर कब्जा था। सरकारी रिकॉर्ड के मुताबिक यह जमीन मूल रूप से जयपुर राजघराने से जुड़ी थी और बाद में इसका उपयोग पोलो खेलने के लिए किया जाता रहा। इंडियन पोलो एसोसिएशन इस परिसर का संचालन कर रही थी। केंद्र सरकार का दावा है कि 1951 में दी गई लीज की अवधि 20 साल की थी, जो बाद में बढ़ाई गई, लेकिन 1993 में समाप्त हो गई थी।

शासन की अपेक्षाओ का दंश झेल रहे कलाकार

छग. व महाराष्ट्र की तर्ज पर शायर कलाकारों को दिया जाए पेंशन व अन्य योजनाओं का लाभ, महाकौशल कलाकार शायर मंडल स्थापना दिवस व बैठक संपन्न, आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने समाज सुधार पर रखे विचार, दी प्रस्तुति

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

नाट्य कला और संस्कृति से जुड़े कलाकारों का जीवन संकट में है जिनकी कला को निहारने व वर्षों से चली आ रही इस परंपरा को कायम रखने के लिए जिले के कलाकारों को मजदूरी कर अपना जीवन यापन करना पड़ रहा है वहीं अन्य राज्यों की तरह इन कलाकारों को शासन द्वारा शासकीय योजना व पेंशन आदि का लाभ नहीं दिया जा रहा है जिसके चलते कला क्षेत्र से जुड़े कलाकार प्रदेश शासन ने नाराज है।जिनकी यह नाराजगी रविवार को नगर के नूतन कला निकेतन में आयोजित महाकौशल कलाकार शायर मंडल स्थापना दिवस कार्यक्रम में देखने को मिली। जिसमें नाट्य कला और संस्कृति से जुड़े शायर ,गीतकार, डंडार कलाकारो ने संगठन के माध्यम से उनकी विभिन्न मंडलियों और इस क्षेत्र से जुड़े कलाकारों को छग महाराष्ट्र राज्य की तर्ज पर शासकीय योजनाओं का लाभ देने, कलाकारों और उनके सहयोगियों को व्यक्तिगत पेंशन दिए जाने सहित सांस्कृतिक कला विभाग के माध्यम से बड़े शहरों में उनकी कला का प्रदर्शन कराए जाने की मांग की।आयोजित इस स्थापना दिवस के अवसर पर मप्र महाकौशल और गोंदिया महाराष्ट्र से आए कलाकारों ने स्थापना दिवस पर बेठक के उपरांत गीत संगीत गायन वादन आदि कलाओं की प्रस्तुति देकर हर किसी को मनमुग्ध कर दिया।महाकौशल कलाकार शायर मंडल अध्यक्ष गौरीशंकर मोहारे के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में गोंदिया महाराष्ट्र, बालाघाट, सिवनी, जबलपुर, गोंदिया, डिंडोरी, व महाकौशल के विभिन्न जिलों से आए शायर ,डंडार कलाकार ,गायक सहित अन्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

संगठन स्थापना के 6 वर्ष पूरे अब तक पूरी नही हुई एक भी मांग

स्थापना दिवस पर आयोजित इस सांस्कृतिक कार्यक्रम के पूर्व संगठन की एक बैठक का आयोजन किया गया आयोजित इस बैठक व सम्मेलन में सर्व सहमति से मानदेय की प्रमुख मांग को शासन प्रशासन तक पहुंचाने की सहमति बनी।कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने समाज में बढ़ती चुनौतियों, युवाओं की भूमिका और सामाजिक एकता पर अपने विचार साझा किए।वक्ताओं ने कहा कि समाज की मजबूती के लिए शिक्षा, संस्कार और आपसी सहयोग बेहद जरूरी है।अगर समाज को सही दिशा में आगे बढ़ाना है तो हमें मिलकर काम करना होगा और युवाओं को आगे लाना होगा।कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने वक्ताओं की बातों से सहमति जताई और समाजहित में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। वही आयोजित इस कार्यक्रम में अध्यक्ष मोहारे के नेतृत्व में इन कलाकारों ने अपनी आवाज को बुलंद करने का संकल्प लिया। तो वहीं उन्होंने उनके नेतृत्व में कलाकारों की मानदेय वाली प्रमुख मांग को शासन प्रशासन तक पहुंचाने की बात कही।जहां देर शाम तक चले सांस्कृतिक कार्यक्रम व सामुहिक भोज के बाद कार्यक्रम का शांतिपूर्ण माहौल में समापन किया गया।

ना मानदेय मिल रहा है, ना योजनाओं का लाभ-गौरीशंकर मोहारे

चर्चा के दौरान ग्राम खैरी डंढार मंडली अध्यक्ष व कलाकार शायर मंडल महाकौशल अध्यक्ष गौरी शंकर मोहरे ने बताया कि आज संगठन का स्थापना दिवस व बैठक का आयोजन किया गया है जिसमें सभी ने मिलकर छग.महाराष्ट्र राज्य की तर्ज पर विभिन्न मंडलियों को शासन की योजनाओं का लाभ देने, शायरों को व्यक्तिगत रुप से पेंशन दिए जाने और लोक नृत्य कला को सांस्कृतिक कला विभाग के माध्यम से भोपाल दिल्ली तक पहुंचाने की मांग की गई है।हमारी मांग है कि इस क्षेत्र से जुड़े सभी संगठनों और कलाकारों को शासन से अनुदान मिले, ताकि यह कला आगे भी बढ़ते रहें और इस कला से जुड़े लोगों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना ना पड़े। उन्होंने बताया कि हम कलाकारों द्वारा शासन प्रशासन की विभिन्न योजनाओं का गांव गांव प्रचार प्रसार किया जाता है स्वच्छता अभियान, बेटी प?ाओ- बेटी बचाओ, पढ़ाई के क्षेत्र, जल जीवन मिशन सहित शासन की अन्य जानकारी से लोगों को अवगत कराया जाता है।यहां तक की शासन प्रशासन के कोई भी प्रोग्राम बिना कलाकारों के संपन्न नहीं होते, बावजूद इसके भी हर वक्त हम लोगों की उपेक्षा की जा रही है।आज तक शासन द्वारा कलाकारों को किसी भी शासकीय योजना का लाभ नहीं दिया गया है जिसके चलते संगठन द्वारा यह मांग की जा रही है।

जिले में निकलेगी जगन्नाथ रथ यात्रा, इस्कान संस्था और सनातन धर्मावलंबियों ने की बैठक

29 जून को होगा अभिषेक पूजन के बाद 15 दिनों तक बुखार में आराम करेंगे भगवान जगन्नाथ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। उड़ीसा के जगन्नाथपुरी में निकाली जाने वाली जगन्नाथ यात्रा के तर्ज पर जिले में जगन्नाथ रथयात्रा के आयोजन की तैयारी प्रारंभ हो गई है। इस बार तीसरी यात्रा को और अधिक भव्य रूप से निकाले जाने को लेकर 14 जून को सर्किट हाउस में इस्कॉन संस्था और सनातन धर्मावलंबियों ने बैठक की। जिसमें यात्रा में लोगों को जोड़ने

और पूरे यात्रा आयोजन को लेकर चर्चा की गई।बैठक में मौजूद, सनातनी अभय सेठिया, महेन्द्र सुराना, लता एलकर, मीना चावड़ा, श्याम कौशल, राजेन्द्र शुक्ल सहित अन्य धर्मप्रेमियों ने जिले के लोगों से उपस्थिति की अपील की है।

आयोजन की शुरू हो चुकी है तैयारियां -रंगलानी

इस्कान संस्था संरक्षक रमेश रंगलानी ने बताया कि इस वर्ष, बालाघाट में जगन्नाथ यात्रा को भव्य बनाने को लेकर महिना भर पूर्व से तैयारी प्रारंभ कर दी गई है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष यात्रा का रथ भी बालाघाट में बनकर पहुंच रहा है। जिसमें 16 जुलाई को जगन्नाथपुरी में निकाली जाने वाली रथयात्रा की तरह नए श्रीराम मंदिर के सामने से भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की प्रतिमाओ के साथ सायंकाल 05 बजे से भगवान जगन्नाथ जी की रथयात्रा निकाली जाएगी। जो नए श्रीराम मंदिर से प्रारंभ होकर हनुमान चौक, महाराणा प्रताप चौक, सुभाष चौक, महावीर चौक, गुजरी चौक, काली पुतली चौक होते हुए सिंधु भवन पहुंचेगी। जहां भगवान जगन्नाथ जी का पूजन, महाआरती की जाएगी। भगवान को 56 भोग लगाया जाएगा और उनकी कथा का वाचन होगा। उपरांत भक्तों को महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा।

भव्य होगा आयोजन-रत्नभूषण दास

इस्कान संस्था बालाघाट के संचालक रत्नभूषण दास ने बताया कि 29 जून को भगवान जगन्नाथ का अभिषेक होगा। जिसके बाद मान्यता अनुसार, 15 दिनों के बुखार में रहकर 16 जुलाई को भगवान जगन्नाथ, अपने भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ, लोगो को करूणा बरसाने, आशीर्वाद देने के लिए निकलेगे। जगन्नाथ पुरी में बड़ी संख्या में देश सहित संपूर्ण विश्व के लोग, इस यात्रा में आशीर्वाद लेने पहुंचते है। इसी भाव के साथ जिले में इस्कान संस्था, लगातार तीन वर्षो से जगन्नाथपुरी की रथयात्रा की तर्ज पर बालाघाट में रथयात्रा का आयोजन करती आ रही है। जो इस वर्ष भव्य रूप से किया जाएगा।

यूनाइटेड शोतोकान कराटे एसोसिएशन,की बेल्ट ग्रेडिंग परीक्षा सम्पन्न

100 से अधिक छात्र-छात्राओं ने लिया भाग,सीखी बारीकियां

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। यूनाइटेड शोतोकान कराटे एसोसिएशन, बालाघाट द्वारा रविवार को मुलना स्टेडियम स्थित कराटे हॉल में कराटे बेल्ट ग्रेडिंग परीक्षा का सफल आयोजन किया गया। परीक्षा में जिले के विभिन्न प्रशिक्षण केंद्रों से 100 से अधिक छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपनी तकनीकी दक्षता, अनुशासन, आत्मविश्वास एवं आत्मरक्षा कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।कार्यक्रम में

यूनाइटेड शोतोकान कराटे एसोसिएशन, बालाघाट के अध्यक्ष किरण भाई त्रिवेदी, जिला सचिव सेंसेई लक्की मड़ावी, कोषाध्यक्ष सेंसेई राकेश वरकड़े, टेक्निकल डायरेक्टर सेंसेई आशीष बाघ, सह सचिव अंजली गोंडुडे एवं सुदीप झा सहित संस्था के पदाधिकारी उपस्थित रहे।बेल्ट ग्रेडिंग परीक्षा में मुख्य परीक्षक के रूप में यूनाइटेड शोतोकान कराटे एसोसिएशन मप्र सचिव सेंसेई आकाश झा विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने विभिन्न बेल्ट वर्गों के छात्र-छात्राओं की तकनीकी योग्यता, शारीरिक क्षमता, अनुशासन एवं कराटे कौशल का परीक्षण किया तथा उन्हें निरंतर अभ्यास, समर्पण और खेल भावना के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम के सफल संचालन में ब्लैक बेल्ट कोच साहिल गोंडुडे, लक्की डोमने, तमन्ना कुथे, रिचा चंदे, ऋषिका चांदेवार, विवेक मेश्राम, आराध्य मोहारे, शौर्या पाण्डेय, प्रियंजलि तिवारी, रिहनदीप जीत, शौर्यदीप जीत, आदर्श बिसेन एवं चांदना घोरमारे का विशेष सहयोग रहा। सभी कोचों ने परीक्षा की व्यवस्थाओं एवं छात्र-छात्राओं के मार्गदर्शन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जिला सचिव सेंसेई लक्की मड़ावी के नेतृत्व, कुशल समन्वय एवं संगठनात्मक क्षमता के परिणामस्वरूप यह परीक्षा सुव्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुई। परीक्षा के दौरान अनुशासन, समयबद्धता एवं उत्कृष्ट व्यवस्थाओं की उपस्थित अभिभावकों एवं पदाधिकारियों द्वारा सराहना की गई।इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि कराटे केवल आत्मरक्षा की कला नहीं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास, मानसिक दृढ़ता एवं व्यक्तित्व विकास का सशक्त माध्यम है। यूनाइटेड शोतोकान कराटे एसोसिएशन, बालाघाट निरंतर जिले के बच्चों एवं युवाओं को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें राज्य, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए तैयार कर रही है।कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गई तथा सफल छात्र-छात्राओं को आगामी बेल्ट स्तर एवं प्रतियोगिताओं के लिए निरंतर अभ्यास करने का संदेश दिया गया।उक्त जानकारी यूनाइटेड शोतोकान कराटे एसोसिएशन, बालाघाट जिला सचिव सेंसेई लक्की मड़ावी द्वारा प्रेसविज्ञप्ति जारी कर दी गई है।

बैहर पुलिस ने किया सनसनीखेज हत्या का खुलासा

मुख्य आरोपी पिता और भाई सहित गिरफ्तार

प्रेम संबंध और शादी के दबाव के चलते सुनीता की हुई थी हत्या

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। थाना बैहर क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 8 मोदी नगर में हुई महिला की हत्या के मामले का बैहर पुलिस ने त्वरित एवं प्रभावी जांच के बाद खुलासा कर दिया है। पुलिस ने हत्या के मुख्य आरोपी के साथ-साथ साजिश में शामिल उसके पिता और भाई को भी गिरफ्तार किया है।गिरफ्तार आरोपी कृष्णा शिवाहिलिया उर्फ गणेश पिता बुधराम शिवाहिलिया 28 वर्ष भाई बलराम शिवाहिलिया 35 वर्ष और पिता बुधराम शिवाहिलिया तीनो ग्राम कोहका थाना बैहर निवासी है

निर्माणाधीन मकान में मिला था महिला का शव

12 जून 2026 को वार्ड क्रमांक 8 चालीस मकान बैहर निवासी साहलकराम धुवे ने पुलिस को सूचना दी कि उसकी बहन सविता धुवे 35 वर्ष का शव मोदी नगर स्थित उसके निर्माणाधीन कच्चे मकान में खून से लथपथ अवस्था में पड़ा हुआ है।सूचना मिलते ही एसडीओपी अरविंद शाह, थाना प्रभारी जयंत मसकोले, एफएसएल टीम, डॉग स्क्वॉड एवं फिंगरप्रिंट विशेषज्ञ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। शिकायत के आधार पर संदिग्ध कृष्णा शिवाहिलिया उर्फ गणेश के खिलाफ अ. क्र,.105/2026 धारा 103(1) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

तकनीकी साक्ष्यों से आरोपी तक पहुंची पुलिस

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में थाना बैहर की विशेष टीम गठित की गई। जांच के दौरान घटनास्थल से मिले भौतिक साक्ष्य, मोबाइल कॉल डिटेल, तकनीकी विश्लेषण और गवाहों के बयानों के आधार पर पुलिस ने फरार आरोपी कृष्णा शिवाहिलिया उर्फ गणेश की तलाश कर उसे हिरासत में लिया।पूछताछ में आरोपी ने हत्या करना स्वीकार कर लिया। उसकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त धारदार कटर, घटना के समय

इस्तेमाल किया गया मोबाइल फोन तथा अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य बरामद किए गए।

पिता और भाई ने भी दिया था साथ

जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी कृष्णा ने अपने पिता बुधराम और भाई बलराम के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची थी। घटना के बाद दोनों ने आरोपी कृष्णा को फरार होने में मदद की और खून से सने कपड़ों को जलाकर साक्ष्य मिटाने का प्रयास किया।

प्रेम संबंध और शादी का दबाव बना हत्या की वजह

पुलिस पूछताछ में आरोपी कृष्णा ने बताया कि मृतका सविता और उसके बीच पहले से प्रेम संबंध थे। समय के साथ दोनों के बीच पारिवारिक और व्यक्तिगत कारणों से विवाद बढ़ने लगे। सविता आरोपी कृष्णा पर शादी करने और अपने बच्चों के पालन-पोषण की जिम्मेदारी लेने का दबाव बना रही थी।

आरोपी कृष्णा के अनुसार इसी कारण उसका एक विवाह संबंध भी टूट गया था।जिससे वह मानसिक रूप से परेशान और नाराज रहने लगा। इसी विवाद के चलते उसने अपने पिता और भाई के साथ मिलकर महिला सविता की हत्या की योजना बनाई और वारदात को अंजाम दिया। और बैहर पुलिस ने कम समय में कर दिया खुलासा

बैहर पुलिस की त्वरित कार्रवाई और वैज्ञानिक जांच के चलते हत्या के इस सनसनीखेज मामले का कम समय में खुलासा हो गया। और इस मामले में आरोपी कृष्णा शिवाहिलिया उर्फ गणेश उसके पिता बुधराम शिवाहिलिया और भाई बलराम शिवाहिलिया ग्राम कोहका निवासी को गिरफ्तार कर लिया गया ।

7 दिन में 5 लाख न लाने पर पत्नी ने पति पर ब्लेड से किया हमला

घायल पति ने दरवाजा काटकर बचाई जान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर के वार्ड नंबर 3 ताजनगर गड्डा मोहल्ला में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। 7 दिन के भीतर 5 लाख रुपये की व्यवस्था न कर पाने पर एक महिला ने अपने पति पर ब्लेड से हमला कर उसे घायल कर दिया। घायल युवक शाहेब खान पिता नौशाद खान 26 वर्ष को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शाहेब खान मजदूरी का काम करते हैं। उनकी शादी 5 साल पहले भूमिका दमाहे से हुई थी। दंपती काम की तलाश में बेंगलुरु भी जाते हैं और बालाघाट में भी मजदूरी करते हैं। 14 जून को सुबह करीब 10 बजे शाहेब खान अपने घर पर थे। इसी दौरान पत्नी भूमिका दमाहे ने उनसे 7 दिन के अंदर 5 लाख रुपये लाने को कहा। शाहेब के मना करने पर भूमिका आग बबूला हो गई और उसने ब्लेड से पति पर हमला कर दिया। ब्लेड लगने से शाहेब के माथे के दाहिनी ओर गहरा घाव हो गया। हमले के बाद भूमिका ने घायल शाहेब को कमरे में बंद कर दिया। किसी तरह शाहेब ने ब्लेड मशीन की मदद से दरवाजे को काटा और बाहर निकलकर सीधे कोतवाली थाने पहुंचे। कोतवाली पुलिस ने शाहेब की रिपोर्ट दर्ज कर उसे तत्काल जिला अस्पताल भिजवाया। जिला अस्पताल चौकी पुलिस ने घायल का बयान दर्ज कर आगे की कार्रवाई के लिए मामला कोतवाली भेज दिया है। फिलहाल कोतवाली पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आवश्यकता है
10वीं/12वीं या पदवीधर/आई.टी.आई. की यश एलईडी टेक्नोलॉजी प्रा. लिमिटेड कम्पनी नागपुर में इंटरव्यू के लिये।
-संपर्क करें-
शिव प्रसाद परिहार
9823234770
9823020378

किराये पर उपलब्ध
धनराज कॉम्पलेक्स बालाघाट में प्रथम तल पर दुकानें किराये पर देना है।
महेन्द्र सुराना 9425138670
ललित बाघरेचा 9424765679

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

समान नागरिक संहिता पर आमजन से मांगे गए सुझाव, 22 जून तक भेज सकेंगे अभिमत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के संबंध में अध्ययन एवं परीक्षण के लिए गठित उच्चस्तरीय समिति द्वारा प्रदेशभर में जनपरामर्श की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। इस महत्वपूर्ण विषय पर आमजन, विभिन्न संस्थाओं एवं संगठनों से उनके विचार, सुझाव एवं अभ्यावेदन आमंत्रित किए गए हैं। जिला प्रशासन बालाघाट ने नागरिकों से इस प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की है। जारी सूचना के अनुसार समान नागरिक संहिता के विभिन्न पहलुओं पर व्यापक जनमत प्राप्त करने के उद्देश्य से प्रदेश के सभी निवासियों को अपने सुझाव प्रस्तुत करने का अवसर दिया गया है। इसके अंतर्गत शासकीय एवं अशासकीय विभागों में कार्यरत अधिकारी-कर्मचारी, विद्यालय एवं महाविद्यालयों के शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं, सामाजिक एवं सामुदायिक संगठन, गैरशासकीय संगठन (एनजीओ), राजनीतिक दल, धार्मिक एवं सांस्कृतिक संगठन सहित अन्य इच्छुक समूह एवं संस्थाएं अपने विचार साझा कर सकते हैं। उच्चस्तरीय समिति द्वारा प्राप्त सुझावों एवं अभिमतों का अध्ययन कर समान नागरिक संहिता के संबंध में नीति निर्माण की प्रक्रिया को और अधिक व्यापक एवं सहभागी बनाने का प्रयास किया जाएगा। प्रशासन का मानना है कि नागरिकों की भागीदारी से तैयार होने वाले सुझाव प्रदेश की सामाजिक एवं सांस्कृतिक विविधता को समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। नागरिक अपने सुझाव एवं अभ्यावेदन समिति की आधिकारिक वेबसाइट ह्रष्.द्वश्च.द्दश1.द्बठ्ठ के माध्यम से ऑनलाइन प्रस्तुत कर सकते हैं। सुझाव भेजने की अंतिम तिथि 22 जून 2026 निर्धारित की गई है। जिला प्रशासन बालाघाट ने सभी नागरिकों, सामाजिक संगठनों, शिक्षण संस्थानों तथा विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों से अपील की है कि वे इस महत्वपूर्ण विषय पर अपने विचार अवश्य साझा करें और नीति निर्माण की प्रक्रिया में सहभागी बनें। इससे प्रदेश में जनभावनाओं एवं विभिन्न पक्षों को समुचित रूप से समझने में सहायता मिलेगी।

न्यूज गैलरी

किरनापुर क्षेत्र में सड़क हादसा मोटरसाइकिल अनियंत्रित होने से युवक गंभीर घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत पीपरटोला और दत्ता गांव के बीच स्थित एक गोलाई पर रविवार दोपहर हुए सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। तेज रफ्तार के कारण मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई।जिससे युवक को गंभीर चोटें आईं। घायल रोहित पिता कपूर भलावी 24 वर्ष ग्राम दत्ता थाना किरनापुर निवासी बताया गया है। जिसे

प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रोहित भलावी की शादी लगभग चार वर्ष पहले हुई थी। उसका ससुराल ग्राम साईंटोला माटे का है और वह अपनी पत्नी के साथ अधिकतर समय ससुराल में ही रहता है। बताया गया है कि रोहित अपनी पत्नी के साथ रोजगार के लिए हैदराबाद भी जाता है। इन दिनों वह अपने ससुराल साईंटोला में रह रहा था। 14 जून को दोपहर करीब 3 बजे रोहित मोटरसाइकिल से अपने ससुराल साईंटोला से पैतृक गांव दत्ता जा रहा था। इसी दौरान पीपरटोला और दत्ता के बीच स्थित एक गोलाई पर उसकी मोटरसाइकिल तेज रफ्तार के कारण अनियंत्रित हो गई। मोटरसाइकिल सड़क पर फिसल गई और रोहित दूर जा गिरा।जिससे उसे गंभीर चोटें आईं।हादसे के बाद मौके पर आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों की सहायता से घायल युवक रोहित को तत्काल किरनापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया।जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया। रोहित की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल बालाघाट रेफर कर दिया गया।घटना की सूचना मिलते ही परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। जिला अस्पताल में रोहित का उपचार जारी है।

लामटा स्वास्थ्य केंद्र का वीडियो वायरल, मरीज और महिला कर्मचारी के बीच विवाद बना चर्चा का विषय

इ्यूटी समय में स्टाफ नहीं मिलने पर युवक ने बनाया वीडियो, महिला कर्मचारी ने कैमरा बंद कराया, दोनों पक्षों ने लगाए आरोप, विभाग ने जांच के दिए निर्देश

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लामटा का एक वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में स्वास्थ्य केंद्र में उपचार के लिए पहुंचे एक युवक और वहां मौजूद महिला कर्मचारी के बीच विवाद होता दिखाई दे रहा है। मामले ने स्वास्थ्य व्यवस्था और अस्पतालों में कर्मचारियों की उपस्थिति को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार युवक उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचा था। उसका आरोप है कि ड्यूटी समय के दौरान उसे अस्पताल में कोई डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी नहीं मिला। इसके बाद उसने अस्पताल परिसर का वीडियो बनाना शुरू कर दिया।इसी दौरान वहां मौजूद एक चतुर्थ श्रेणी महिला कर्मचारी की नजर युवक पर पड़ी। युवक का आरोप है कि महिला कर्मचारी ने वीडियो बनाने का विरोध करते हुए उससे अभद्र व्यवहार किया और उसके मोबाइल कैमरे को हाथ मारकर बंद करने का प्रयास किया। युवक ने पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा कर दिया, जो देखते ही देखते वायरल हो गया। वीडियो वायरल होने के बाद लोगों के बीच स्वास्थ्य केंद्र की कार्यप्रणाली को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। कई लोगों ने अस्पताल में कर्मचारियों की उपस्थिति और स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति पर सवाल उठाए हैं। दूसरी ओर स्वास्थ्य विभाग से जुड़े सूत्रों के अनुसार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की ओर से भी युवक के खिलाफ शिकायत किए जाने की जानकारी सामने आई है। बताया जा रहा है कि अस्पताल प्रबंधन ने युवक पर बिना अनुमति वीडियो बनाने और शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न करने का आरोप लगाया है।

जैसे-जैसे देश आधुनिक और डिजिटल युग की ओर बढ़ रहा है, वैसे-वैसे आमजन भी अपने अधिकारों और शासकीय व्यवस्थाओं को लेकर अधिक जागरूक हो रहे हैं। पहले जहां लोग शासकीय योजनाओं और सेवाओं में आने वाली परेशानियों को चुपचाप सहन कर लेते थे, वहीं अब ग्रामीण क्षेत्रों तक के नागरिक मोबाइल और सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी समस्याओं को सीधे सार्वजनिक मंच तक पहुंचा रहे हैं। ऐसा ही एक मामला इन दिनों जिले के लामटा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से सामने आया है, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जानकारी के अनुसार लामटा क्षेत्र के वनग्राम मैरा निवासी मनीष उईके ने पद्मेश न्यूज़ से दूरभाष पर चर्चा के दौरान बताया कि वह 10 जून को अपने साथियों आधार मडावी और मिथलेश उईके के साथ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लामटा पहुंचे थे। मनीष का आरोप है कि उनके शरीर पर लगी चोट के उपचार के लिए उन्होंने अस्पताल में मलहम की मांग की थी, लेकिन वहां मौजूद एक चतुर्थ श्रेणी महिला कर्मचारी ने उन्हें मलहम देने से मना कर दिया। मनीष उईके ने आरोप लगाया कि जब वे स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे, तब अस्पताल में कोई डॉक्टर और जिम्मेदार स्वास्थ्यकर्मी मौजूद नहीं था। उनके अनुसार अस्पताल में केवल एक महिला कर्मचारी ही मौजूद थी। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य सेवाएं नहीं मिलने और जिम्मेदार कर्मचारियों की अनुपस्थिति से नाराज होकर उन्होंने अपने मोबाइल फोन से अस्पताल परिसर, डॉक्टर कक्ष और वहां की स्थिति का वीडियो बनाना शुरू कर दिया। युवक का आरोप है कि वीडियो बनाते समय महिला कर्मचारी ने पहले उनका मोबाइल बंद कराने का प्रयास किया और बाद में उन्हें रोकने की कोशिश की। वायरल वीडियो में महिला कर्मचारी द्वारा कटु भाषा का प्रयोग किए जाने की बात भी सामने आ रही है। इसके बाद मनीष ने पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा कर दिया, जो देखते ही देखते वायरल हो गया। मनीष उईके का कहना है कि उन्होंने इस मामले की शिकायत सीएम हेल्पलाइन 181 पर भी दर्ज कराई है। उनका आरोप है कि वीडियो वायरल होने और शिकायत दर्ज कराने के बाद कुछ लोगों द्वारा उन पर वीडियो हटाने का दबाव बनाया गया तथा धमकियां भी दी गईं। हालांकि उन्होंने स्पष्ट कहा कि उन्होंने वीडियो नहीं हटाया है और पूरे मामले में निष्पक्ष जांच एवं उचित कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर इस मामले में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी कुसुमलता नेवारे ने भी अपना पक्ष रखते हुए थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने आरोप लगाया है कि सोशल मीडिया पर प्रसारित किया गया वीडियो एडिट कर प्रस्तुत किया गया है। साथ ही उनका कहना है कि युवक द्वारा सोशल मीडिया पर प्रसिद्धि और अधिक लाइक-कमेंट प्राप्त करने के उद्देश्य से जानबूझकर इस प्रकार का वीडियो बनाया गया और उन्हें उकसाने का प्रयास किया गया।

पूरे प्रकरण की जांच कराई जाएगी - परेश उपलव

इधर पूरे मामले को लेकर जब प्रभारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी परेश उपलव से चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि मामला उनके संज्ञान में आ चुका है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो और शिकायतों को गंभीरता से लिया गया है तथा पूरे प्रकरण की जांच कराई जाएगी। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर संबंधित पक्षों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल यह मामला सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। एक ओर युवक स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही और अभद्र व्यवहार के आरोप लगा रहा है, तो दूसरी ओर कर्मचारी वीडियो को भ्रामक और संपादित बताकर अपना बचाव कर रही है। अब सभी की निगाहें स्वास्थ्य विभाग की जांच पर टिकी हैं, जिससे यह स्पष्ट हो सकेगा कि वायरल वीडियो और लगाए गए आरोपों के पीछे वास्तविक स्थिति क्या है।

जिला सेन समाज ने मेधावी विद्यार्थियों का किया सम्मान, शिक्षा और संगठन की शक्ति पर दिया जोर

10वीं-12वीं में 70 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले छात्र-छात्राओं सहित विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिभावानों का हुआ सम्मान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला सेन समाज बालाघाट द्वारा समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करने एवं शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से रविवार 14 जून को भटेरा चौकी स्थित शीतल पैलेस में भव्य प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कक्षा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में 70 प्रतिशत एवं उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों सहित खेल, सांस्कृतिक एवं अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभावानों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन, वैशाली नगर भिलाई के विधायक रीकेश सेन, भारतीय सेन समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामस्वरूप सेन, भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष जमना सेन, रायसेन नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सविता सेन, युवा सेन समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष भोला सेन तथा जिला सेन (नाई) समाज बालाघाट के अध्यक्ष सत्यनारायण श्रीवास सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। समारोह को संबोधित करते हुए अतिथियों ने समाज की एकता, शिक्षा और सामाजिक उत्थान पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि समाज के विकास के लिए सभी को संगठित होकर कार्य करना होगा। शिक्षा ही वह माध्यम है जो समाज को नई दिशा और नई पहचान प्रदान कर सकती है। आज समाज के युवा शिक्षा, प्रशासन, राजनीति, व्यवसाय एवं विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं, जो पूरे समाज के लिए गर्व का विषय है। अतिथियों ने सम्मानित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह उपलब्धि उनके कठिन परिश्रम, अनुशासन और परिवार के सहयोग का परिणाम है। उन्होंने विद्यार्थियों से भविष्य में भी निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर समाज और जिले का नाम रोशन करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान संत शिरोमणि सेन महाराज की जन्मस्थली बांधवगढ़ जिला उमरिया में भव्य मंदिर निर्माण कर उसे राष्ट्रीय स्तर के तीर्थस्थल के रूप में विकसित किए जाने की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई। समाजजनों ने इस मांग को लेकर एकजुटता प्रदर्शित करते हुए शासन से आवश्यक पहल करने की अपेक्षा जताई। जिला सेन समाज के अध्यक्ष सत्यनारायण श्रीवास ने बताया कि समाज द्वारा प्रत्येक वर्ष प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया जाता है, ताकि विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहन मिल सके। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ता है और अन्य विद्यार्थियों को भी बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष कक्षा 10वीं और 12वीं में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के साथ-साथ खेल, सांस्कृतिक, सामाजिक एवं अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाले करीब एक सैकड़ा प्रतिभावानों को सम्मानित किया गया। समारोह में बालाघाट जिले के अलावा अन्य जिलों से भी बड़ी संख्या में समाजजन और प्रतिभावान विद्यार्थी शामिल हुए। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. पिताम्बर उरकुड़े एवं श्रीमती शारदा फूलबांधे ने किया। वहीं कार्यक्रम को सफल बनाने में जिला सेन समाज अध्यक्ष सत्यनारायण श्रीवास, महासचिव डॉ. पिताम्बर उरकुड़े, सचिव राजेन्द्र श्रीवास, कोषाध्यक्ष भोजराज सेनभक्त, प्रवक्ता राजन भारद्वाज, युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष मनोज पारधी, केश शिल्पी प्रकोष्ठ अध्यक्ष भेजनलाल सराटे, नगर अध्यक्ष डॉ. रवि श्रीवास, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष श्रीमती सविता मधुकर, नगर अध्यक्ष डॉ. श्रीमती पूर्णिमा भारद्वाज, डी.आर. सिवनकर, आत्माराम चन्ने, सुभाष मधुकर, शरद लांझेवार, बलदेव कड़वे, मनोज वाट, आलोक सेन, उत्तम कटरे, संतोष श्रीवास सहित समाज के विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों एवं सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा। समारोह के अंत में सभी सम्मानित विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। पूरे आयोजन में समाज की एकजुटता, शिक्षा के प्रति जागरूकता और प्रतिभाओं के सम्मान का उत्साह देखने को मिला।

निर्माणाधीन मकान में चोरी, सीसीटीवी में कैद हुए चोर, सबमर्सिबल पंप सहित 30 हजार का सामान पार

भटेरा चौकी पंप हाउस गली की घटना, पुलिस को सौंपा गया वीडियो फुटेज, शहर में बढ़ती चोरी की घटनाओं से लोग चिंतित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर में एक बार फिर चोरी की घटनाओं ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। बीते कुछ दिनों से अज्ञात चोर लगातार सूने मकानों, दुकानों और गोदामों को निशाना बना रहे हैं। इसी कड़ी में शनिवार रात शहर के वार्ड क्रमांक-2 स्थित भटेरा चौकी पंप हाउस गली में निर्माणाधीन मकान में चोरी की एक वारदात सामने आई है। अज्ञात चोर मकान से सबमर्सिबल पंप सहित अन्य निर्माण सामग्री चोरी कर फरार हो गए। चोरी गए सामान की कीमत लगभग 25 से 30 हजार रुपये बताई जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार वार्ड क्रमांक-2 पंप हाउस गली निवासी हितेश गौतम पिता उक्कनलाल गौतम पिछले लगभग पांच माह से अपने नए मकान का निर्माण कार्य करा रहे हैं। मकान में पानी की व्यवस्था के लिए उन्होंने बोर करवाकर सबमर्सिबल मोटर पंप भी स्थापित किया था। लेकिन 13 जून की रात अज्ञात चोरों ने निर्माणाधीन मकान को अपना निशाना बना लिया। पीड़ित हितेश गौतम ने बताया कि जब वे सुबह निर्माणाधीन मकान पहुंचे तो वहां रखा सामान गायब मिला। जांच करने पर पता चला कि अज्ञात चोर बोर के भीतर लगी सबमर्सिबल मोटर पंप निकालकर ले गए हैं। इसके अलावा चोरों ने निर्माण कार्य में उपयोग होने वाली अन्य सामग्री भी चोरी कर ली है। चोरी गए सामान में सबमर्सिबल मोटर पंप, लोहे का सामान, पावड़ा, घमेला, मोटर के तार, बिजली बोर्ड, विद्युत तार सहित अन्य निर्माण सामग्री शामिल है। पीड़ित के अनुसार चोरी से उन्हें लगभग 25 से 30 हजार रुपये का नुकसान हुआ है। इस मामले में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि चोरी की पूरी वारदात मकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पीड़ित हितेश गौतम ने बताया कि उनके निर्माणाधीन मकान में लगे कैमरे में अज्ञात चोर साफ तौर पर चोरी करते हुए और सामान लेकर जाते हुए दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने घटना से संबंधित वीडियो फुटेज पुलिस को भी उपलब्ध करा दिया है, ताकि आरोपियों की पहचान कर उन्हें जल्द गिरफ्तार किया जा सके। स्थानीय लोगों का कहना है कि शहर में एक बार फिर चोरी की घटनाएं बढ़ने लगी हैं। पहले अज्ञात चोर सूने मकानों, दुकानों और गोदामों को निशाना बना रहे थे, वहीं अब निर्माणाधीन मकान भी उनकी नजर में आ गए हैं। इससे क्षेत्र के लोगों में भय और असुरक्षा का माहौल बन रहा है। पीड़ित द्वारा घटना की जानकारी पुलिस को दे दी गई है और चोरी गए सामान की सूची भी उपलब्ध कराई गई है। वहीं सीसीटीवी फुटेज मिलने के बाद पुलिस को आरोपियों तक पहुंचने में महत्वपूर्ण सुराग मिलने की उम्मीद है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है तथा फुटेज के आधार पर अज्ञात चोरों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। क्षेत्रवासियों ने पुलिस से रात्रि गश्त बढ़ाने तथा चोरी की बढ़ती घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने की मांग की है, ताकि लोगों की संपत्ति सुरक्षित रह सके और चोरों के हौसलों पर लगाम लगाई जा सके। अब देखना होगा कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस आरोपियों तक कब तक पहुंच पाती है और चोरी की इस वारदात का खुलासा कब होता है।

5 जुलाई को होगा सर्ववर्गीय कलार समाज का प्रतिभा सम्मान समारोह

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला सर्ववर्गीय कलार समाज द्वारा समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करने एवं शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रति वर्ष आयोजित किए जाने वाले प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन इस वर्ष 5 जुलाई को किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर रविवार 14 जून की शाम समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें समारोह की रूपरेखा तैयार करते हुए विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। जानकारी के अनुसार प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन स्थानीय आम्बेडकर चौक के समीप स्थित तुरकर भवन में किया जाएगा। बैठक में समाज के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने कार्यक्रम को सफल एवं भव्य बनाने के लिए आवश्यक तैयारियों पर विचार-विमर्श किया। जिला सर्ववर्गीय कलार समाज के जिलाध्यक्ष राधेलाल दवने ने बताया कि वर्ष 2025-26 में कक्षा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं का समारोह में सम्मान किया जाएगा। इसके अलावा खेल, सांस्कृतिक, सामाजिक एवं अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने वाले प्रतिभावानों को भी सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित करने का उद्देश्य युवाओं को शिक्षा एवं अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करना है। इस प्रकार के आयोजनों से विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ता है और समाज में शिक्षा के प्रति सकारात्मक वातावरण निर्मित होता है। बैठक के दौरान समाज के संगठनात्मक विषयों सहित अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी चर्चा की गई। उपस्थित पदाधिकारियों ने समाज के विकास, एकजुटता और सामाजिक गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए अपने सुझाव प्रस्तुत किए। बैठक में जिला सर्ववर्गीय कलार समाज के विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारी, सदस्य एवं बड़ी संख्या में स्वजातीयजन उपस्थित रहे। सभी ने प्रतिभा सम्मान समारोह को सफल बनाने के लिए सामूहिक रूप से सहयोग करने का संकल्प लिया। समाजजनों ने विश्वास व्यक्त किया कि आगामी 5 जुलाई को आयोजित होने वाला प्रतिभा सम्मान समारोह समाज के मेधावी विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक साबित होगा और शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले युवाओं को आगे बढ़ने के लिए नई ऊर्जा प्रदान करेगा।

नियमों का उल्लंघन करने वाले जिप्सी चालकों पर लगेगा प्रतिबंध

पर्यटकों के गाड़ी से उतरकर पैदल घूमने का वीडियो वायरल होने के बाद बैठक लेकर वन विभाग ने दिये कड़े निर्देश

शराब पीकर सफारी कराने वाले गाइडों पर लगेगा आजीवन प्रतिबंध

रिपोटैर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय स्थित दक्षिण सामान्य वन्य परिक्षेत्र कार्यालय लालबर्रा में रविवार को वन्य जीव अनुभव क्षेत्र के सुचारू संचालन और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। वन परिक्षेत्र अधिकारी श्रीमती सीता भलावी की मुख्य उपस्थिति में आयोजित इस बैठक में जिप्सी चालकों और गाइडों के लिए कड़े दिशा-निर्देश जारी किये गये। इसके साथ ही विभाग द्वारा सभी को बताया गया कि मानसून सत्र के मद्देनजर 15 जून से सोनवानी वन्य जीव अनुभव क्षेत्र को पर्यटकों के लिए आगामी आदेश तक बंद कर दिया जायेगा। जिसे अब आगामी अक्टूबर माह में नई तिथि के साथ पुन: खोला जायेगा। वही गेट बंद हो जाने के बाद अब 4 माह तक पर्यटक वन्य प्राणियों का दीदार नहीं कर पायेगे।

पर्यटकों की सुरक्षा सर्वोपरि, लापरवाही पर आजीवन प्रतिबंध

सोनेवानी वन्य अनुभव क्षेत्र में वन्य प्राणियों का दीदार करने पर्यटक बड़ी संख्या में जाते हैं और जंगल क्षेत्र में बाघ, हिरण, जंगली भैसा सहित अन्य वन्य प्राणियों का दीदार करते हैं। किन्तु हाल ही में पर्यटकों द्वारा गाड़ी से उतरकर जंगल में पैदल घूमने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। जिसे वन विभाग ने बेहद गंभीरता से लेकर 13 जिप्सी चालकों को नोटिस जारी किये गये है। बैठक को संबोधित करते हुए वन परिक्षेत्र अधिकारी श्रीमती सीता भलावी ने स्पष्ट किया कि वन्य जीव क्षेत्र में पर्यटकों की सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं किया जायेगा। उन्होंने सख्त लहजे में चेतावनी दी कि यदि कोई भी गाइड शराब पीकर वन्य भ्रमण करवाते हुए पाया गया, तो उस पर आजीवन प्रतिबंध लगा दिया जायेगा। इसके अलावा सभी जिप्सी चालकों के पास वाहन और ड्राइविंग से संबंधित संपूर्ण एवं वैध दस्तावेज होना अनिवार्य हैं। दस्तावेज अपूर्ण पाये जाने पर चालक को तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित कर वन्य क्षेत्र में प्रवेश से रोक दिया जायेगा।

निर्धारित रूट का पालन और वन्यजीवों की सुरक्षा अनिवार्य

जंगल के अंदर सुरक्षा और अनुशासन बनाये रखने के लिए वन विभाग ने चालकों को कड़े निर्देश दिये हैं। जिसमें सभी चालकों से कहा गया कि निर्धारित किये गये रूट पर ही गाड़ियां चलानी होगी। किसी भी परिस्थिति में तय रास्ते से हटकर जंगल के अन्य हिस्सों में जाना पूरी तरह वर्जित होगा। साथ ही भ्रमण के दौरान वन्य प्राणियों को किसी भी तरह से परेशान, प्रताड़ित या आकर्षित नहीं किया जाना चाहिए। वन्य जीवों के साथ किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ पर कानूनी कार्यवाही की जायेगी।

लापरवाही पर पर्यटक खुद होंगे जिम्मेदार

वही बैठक में सुरक्षा मानकों पर विशेष जोर देते हुए वन विभाग ने साफ किया कि नियमों की अनदेखी भारी पड़ सकती है। यदि कोई पर्यटक या चालक नियमों का उल्लंघन करता है या वन्यजीवों को उकसाता है और ऐसी स्थिति में यदि कोई वन्य प्राणी हमला कर देता है, तो उसकी पूर्ण जिम्मेदारी स्वयं पर्यटकों की होगी। विभाग ने चालकों को निर्देशित किया है कि वे सफारी शुरू होने से पहले ही पर्यटकों को इन नियमों से अच्छी तरह अवगत करवा दें। इस महत्वपूर्ण बैठक में क्षेत्र के समस्त जिप्सी चालक, गाइड और वन विभाग के अन्य अधिकारी व कर्मचारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

13 जिप्सी चालकों को जारी किया नोटिस

वन्य अनुभव क्षेत्र में भ्रमण के दौरान पर्यटक जिप्सी वाहन से नीचे उतरकर पैदल घुमने का वीडियों वायरल होने के बाद इस पूरे मामले को बेहद गंभीरता से लेते हुए वन परिक्षेत्र अधिकारी श्रीमती सीता भलावी द्वारा संबंधित जिप्सी मालिकों और चालकों को आधिकारिक नोटिस थमा दिया गया है। जारी किये गये कारण बताओ नोटिस में स्पष्ट उल्लेख है कि 8 जून को सफारी के दौरान पर्यटकों द्वारा गाड़ी से नीचे उतरकर वन्यप्राणियों को देखने का प्रयास किया गया और शोर मचाया गया। जंगल के भीतर इस प्रकार की घोर लापरवाही से किसी भी समय बाघ, तेंदुए या अन्य हिंसक वन्यप्राणियों द्वारा पर्यटकों पर हमला करने जैसी अप्रिय व जानलेवा घटना घटित हो सकती थी।

नोटिस में कहा गया है कि पर्यटकों और चालकों का यह कृत्य वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम 1974 के नियम 34, 11 (विविध) के बिंदु 9 (क) से (ड) का स्पष्ट और गंभीर उल्लंघन है। इस घोर लापरवाही को अत्यंत निंदनीय मानते हुए वन विभाग ने सभी 13 वाहन मालिकों को 2 दिवस के अंदर कार्यालय में उपस्थित होकर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का आदेश दिया है। विभाग ने चेतावनी दी है कि यदि निर्धारित समय-सीमा के भीतर संतोषजनक जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया, तो इन सभी वाहनों को आगामी एक वर्ष के लिए सोनेवानी वन क्षेत्र में प्रवेश से पूरी तरह प्रतिबंधित करने हेतु वरिष्ठ कार्यालय को पत्र भेज दिया जायेगा।

बारिश के मद्देनजर बंद हुए सोनेवानी वन अनुभव क्षेत्र के गेट - ज्ञानचंद

समाजसेवी ज्ञानचंद शर्मा ने बताया कि वन विभाग के द्वारा बारिश को मद्देनजर रखते हुए सोनेवानी वन अनुभव क्षेत्र के तीनों गेटों को बंद कर दिया गया है, जो अब आगामी अक्टूम्बर माह में पुन: पर्यटकों के लिये खोले जायेगें। वहीं विभाग के द्वारा जिप्सी चालकों व गाइडों की एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई थी। जिसमें उन्हें भ्रमण के दौरान विभाग के द्वारा तय नियमों का पालन करने निर्देशित किया गया है और अक्टूम्बर माह में जब पुन: गेट खुलेंगें तो उसके क्या नियम होगें उसकी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। श्री शर्मा ने बताया कि विभाग के द्वारा बारिश के पूर्व गेट बंद करने के पश्चात आवागमन के दौरान खराब हो चुके जंगल के मार्गों का मरम्मत कार्य किया जाता है, जिससे जब गेट खुले तो पर्यटकों को भ्रमण में परेशानी ना हो।

शासन के निर्देशानुसार बंद किये गये है गेट- सीता

सीता भलावी वन परिक्षेत्र अधिकारी दक्षिण सामान्य वन परिक्षेत्र लालबर्रा ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार प्रतिवर्ष बारिश में वन अनुभव क्षेत्र के गेट बंद कर दिये जाते है। इसी संबंध में जिप्सी चालकों की एक बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें उन्हे विभाग के द्वारा तय किये गये दिशा निर्देशों की जानकारी दी गई और 15 जून से सोनेवानी अनुभव क्षेत्र के सभी गेट पूर्णत: बंद कर दिये जायेंगें जो पुन: अक्टूम्बर माह में फिर पर्यटकों के लिये खोल दिये जायेगें। साथ ही गत दिवस पर्यटक गाड़ी से उतरकर पैदल घुमने का वीडियों वायरल हुआ था, जिसके बाद जिप्सी चालकों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये है एवं 13 जिप्सी चालकों को नोटिस जारी किया गया है।

मानपुर में मरार माली समाज की बैठक संपन्न

बैठक में भवन निर्माण, समाजोत्थान सहित अन्य बिन्दुओं पर की गई चर्चा

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत मानपुर स्थित सामाजिक भवन निर्माण स्थल में रविवार को ब्लॉक स्तरीय मरार माली समाज की एक आवश्यक बैठक संपन्न हुई। यह बैठक मरार माली समाज ब्लाक अध्यक्ष कैलाश माले की अध्यक्षता में प्रारंभ हुई। आयोजित बैठक में नवीन सामुदायिक भवन के निर्माण, समाजोत्थान सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की गई। साथ ही आगामी कार्यक्रमों की रणनीति तैयार की गई है। चर्चा में मरार माली समाज के ब्लॉक अध्यक्ष कैलाश माले ने बताया कि रविवार को मानपुर स्थित समाज के मंगल भवन निर्माण स्थल में सामाजिक पदाधिकारियों की एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई थी। इस बैठक में नवीन भवन का निर्माण, समाज के आयोजनों और गतिविधियों के लिए एक सर्वसुविधायुक्त नये भवन के निर्माण कार्य जल्द प्रारंभ करने सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की गई। साथ ही यह भी बताया कि भवन का निर्माण सभी सामाजिक बंधुओं के सहयोग से पूरा किया जायेगा। इस अवसर पर ब्लाक मरार माली समाज लालबर्रा के पदाधिकारी एवं स्वजातीय बंधु उपस्थित रहे।

अमोली में किसान संगोष्ठी आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत भवन अमोली में ब्लाक मरार माली समाज के तत्वाधान में 15 जून को किसान संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। चर्चा में ब्लाक मरार माली समाज सचिव डोंगरूलाल मानेश्वर ने बताया कि किसान संगोष्ठी कार्यक्रम में जिला कृषि प्रकोष्ठ प्रभारी एवं प्राकृतिक खेती के जानकार भेजलाल माने द्वारा किसानों को प्राकृतिक खेती, जल संरक्षण, मिट्टी संरक्षण और विभिन्न प्रकार के कम लागत में खेती आधारित मार्गदर्शन किसानों को प्रदान किये जायेगें। इस अवसर पर ग्राम के समस्त किसानों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील ब्लाक मरार माली समाज सचिव डोंगरूलाल मानेश्वर ने की है।

धूमधाम से मनाई गई कबीर जयंती, भजनों की प्रस्तुति से मंत्रमुग्ध हुए श्रद्धालु

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के बालाघाट मार्ग स्थित लॉन में रविवार को अयोध्यावासी अवधिया समाज मंडल द्वारा कबीर प्रकट उत्सव बड़े ही धूमधाम और भव्य रूप से मनाया गया। गौरतलब है कि यह धार्मिक उत्सव वट सावित्री अमावस्या से प्रारंभ होकर कबीर जयंती की पूर्णिमा तक पूरी श्रध्दा के साथ मनाया जाता है, जिसका आज भव्य समापन हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत समाज के वरिष्ठजनों द्वारा दीप प्र%वलित कर और सद्गुरू कबीर साहेब की पूजा-अर्चना के साथ हुई। इसके बाद गुरू महिमा बरसात पूर्णिमा पाठ का वाचन किया गया। इस अवसर पर सुबह भव्य प्रभात फेरी निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रध्दालु कबीर साहेब के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में समाज के वरिष्ठजनों ने अपनी अहम भूमिका निभाई। जिसमें गणेश प्रसाद, रामनाथ सोनी और किशोर गुप्ता जी के अथक प्रयासों से संपूर्ण समाज को एकत्रित किया गया। कार्यक्रम में समाज के अध्यक्ष प्रसन्न अवधिया जी के नेतृत्व में सभी सामाजिक बंधुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। धार्मिक सभा में भजनों की अमृत वर्षा हुई, जिसमें माखन काका ने सुमधुर भजन गाकर पूरे कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। उनकी प्रस्तुति पर श्रध्दालु झूमने को मजबूर हो गये। वहीं, समाज के नन्हे-मुन्ने ब%चों ने भी इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी सुंदर प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। भीषण गर्मी को देखते हुए समाज के युवाओं ने सेवा भाव का अनूठा उदाहरण पेश किया। बकोड़ा निवासी कार्तिक अवधिया और सुनील अवधिया ने सभी श्रध्दालुओं को शीतल जल पिलाकर अपनी सेवा प्रदान की, तो वहीं बंटी अवधिया ने चाय पिलाकर भक्तों की सेवा की। इस महोत्सव में बोरी और अन्य ग्रामीण क्षेत्रों से भी भारी संख्या में सामाजिक बंधु पधारे। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कबीर साहेब के विचारों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में संत परंपरा का अपना एक विशेष महत्व हैं। हमारे सभी वेद-शास्त्रोंमें गुरू पूजा को सर्वश्रेष्ठ माना गया है। कबीर जयंती मनाने का एकमात्र उद्देश्य यही है कि आज के आधुनिक समाज में कबीर की शिक्षाओं की अति आवश्यकता है। कबीरदास जी एक महान समाज सुधारक, कुरीतियों को दूर करने वाले और अध्यात्म के सबसे बड़े प्रेरण स्त्रोत थे। उन्होंने जो सत्य देखा, वही दुनिया के सामने निडरता से कहा। ओशो के शब्दों को याद करते हुए कहा गया कि कबीर अध्यात्म जगत के एक कोहिनूर हीरा थे। इस अवसर पर मुख्य रूप से टेकचंद गुप्ता (अमोली), लखन काका, फुल्लू काका (मानपुर), अशोक गुप्ता, विनोद अवधिया, दिनेश अवधिया, हेमराज गुप्ता, राजू गुप्ता, अरविंद अवधिया, संतोष अवधिया (कपड़े वाले, अमोली), अरूण गुप्ता, सुनील गुप्ता, ललित दुलारे, राजकुमार अवधिया, सुरेश अवधिया, मनोज गुप्ता, कल गुप्ता, सुदर्शन गुप्ता, सचिन अवधिया, अभिषेक अवधिया सहित सैकड़ों धर्मप्रेमी व समाज के सदस्य उपस्थित रहे।

पिपरिया (बड़गांव) चौक में बिना रेलिंग की पुलिया दे रही दुर्घटना को आमंत्रण

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत पिपरिया (बड़गांव) के मुख्य चौक से गुजरने वाले राहगीरों और वाहन चालकों की जान हर वक्त हलक में अटकी रहती है। यहां चौक पर स्थित नहर की पुलिया पर सुरक्षा रेलिंग न होने और एक खतरनाक अंधा मोड़ होने के कारण यह स्थान ब्लैक स्पॉट में तब्दील होता जा रहा है। बिना रेलिंग की यह पुलिया हर पल किसी बड़ी दुर्घटना को आमंत्रण दे रही है, लेकिन जिम्मेदार प्रशासन इस गंभीर समस्या की ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा हैं जिससे लोगों में आक्रोश व्याप्त हैं। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि यह पुलिया क्षेत्र की जीवन रेखा के रूप में काम करती है क्योंकि यह दो महत्वपूर्ण मार्गों को आपस में जोड़ती है। इस पुलिया से होकर एक मार्ग कटंगझरी-कटंगी की ओर जाता है, तो वहीं दूसरा मार्ग वारासिवनी को जोड़ता है। मुख्य चौक होने के कारण यहां से दिनभर में सैकड़ों की संख्या में दुपहिया, चौपहिया और भारी वाहनों की आवाजाही लगी रहती है। नहर के पुलिया पर सुरक्षा की दृष्टी से रेलिंग नहीं होने से दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई हैं और पूर्व में हादसे भी घटित हो चुके है। इस समस्या से कई बार जिम्मेदारों को अवगत करवा चुके हैं लेकिन कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा हैं जिससे ऐसा लगता हैं कि प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है।

अंधा मोड़ और रात का अंधेरा बना बड़ी मुसीबत

पिपरिया (बड़गांव) पंचायत भवन से कुछ दूर स्थित पुलिया के ठीक पास एक तीखा अंधा मोड़ है। इसके चलते सामने से आ रहे वाहन अचानक दिखाई देते हैं, जिससे वाहन चालकों को संभलने का मौका नहीं मिलता। सबसे बदतर स्थिति रात्रि के समय होती है। रात में पर्याप्त रोशनी (स्ट्रीट लाइट) की व्यवस्था न होने के कारण वाहन चालकों को पुलिया के किनारे का अंदाजा नहीं लग पाता, जिससे वाहनों के नहर में गिरने का खतरा हमेशा बना रहता है। ग्रामीणों के अनुसार, इस बिना रेलिंग वाली पुलिया के कारण पूर्व में भी अनेक छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। कई मोटरसाइकिल सवार अनियंत्रित होकर चोटिल हो चुके हैं। गनीमत रही कि अब तक कोई बड़ी जनहानि नहीं हुई। ग्रामीणों और राहगीरों ने प्रशासन तथा संबंधित विभाग से मांग की है कि सुरक्षा की दृष्टि से इस पुलिया के दोनों ओर तत्काल मजबूत लोहे या सीमेंट की रेलिंग लगाई जाये। साथ ही अंधे मोड़ पर सांकेतिक बोर्ड और रिफ्लेक्टर लगाये जाये ताकि रात में भी वाहन चालक सतर्क हो सकें।

कायदी के जोड़ापाठ में भूजल संकट गहराया, पानी के लिए मची त्राहि-त्राहि ग्रामीण आक्रोशित

नल-जल योजना होने के बाद भी पुराना बासी पानी पीने की मजबूर ग्रामीण

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत कायदी के जोड़ापाठ में इन दिनों पानी की विकराल समस्या उत्पन्न हो गई है। भीषण गर्मी और गिरते भूजल स्तर के बीच स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि ग्रामीणों को अपनी दैनिक जरूरतों के लिए बूंद.बूंद पानी को तरसना पड़ रहा है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि क्षेत्र में कोई पारंपरिक जल स्त्रोत समीप ना होने के कारण स्थिति लगातार बदतर होती जा रही है और ग्रामीणों में प्रशासन के खिलाफभारी आक्रोश व्याप्त है।

हर घर नल हर घर जल का दावा हुआ फेल

प्राप्त जानकारी के अनुसार जल जीवन मिशन के तहत कायदी के जोड़ापाठ में ग्रामीण पेयजल आपूर्ति के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के द्वारा लाखों रुपए की लागत से नल जल योजना स्वीकृत की गई थी। इसके अंतर्गत गांव में हजारों लीटर क्षमता वाली पानी की टंकी और संपावेल का निर्माण भी कराया गया था ताकि हर घर तक सुचारू रूप से जल पहुंचाया जा सके। परंतु विडंबना यह है कि करोड़ों की यह योजना वर्तमान में ग्रामीणों के लिए बड़ी समस्या बन चुकी है। योजना के माध्यम से पूरे गांव में चार दिनों में सिर्फ एक बार पानी का वितरण किया जा रहा है। मजबूरन ग्रामीणों को इस पानी को चार दिनों तक सहेज कर रखना पड़ता है और उसी बासी पानी का उपयोग करना पड़ रहा है। जोड़ापाठ में भूजल संकट इस कदर गहरा गया है कि गांव के पारंपरिक जल स्त्रोत जैसे हैंडपंप और कुएँ या तो सूख चुके हैं या बंद पड़े हैं। ऐसे में जिन गिने चुने ग्रामीणों के घरों में निजी ट्यूबवेल हैं वहां सुबह से ही पानी भरने वालों की लंबी लंबी कतारें लग जाती हैं। कई निजी ट्यूबवेल भी जवाब दे चुके हैं स्थिति इतनी विकट है कि आर्थिक रूप से सक्षम लोग पीने के पानी के लिए बाहर से आरओ केन बुलवाने को मजबूर हैं। जबकि गरीब तबका पानी के लिए दर दर भटक रहा है। पानी की किल्लत के कारण घर का पूरा बजट और दिनचर्या बिगड़ चुकी है। सुबह होते ही काम धंधा छोड़कर पानी की जुगाड़ में लगना पड़ता है। खाना बनाने कपड़े.बर्तन धोने और मवेशियों के लिए पानी का इंतजाम करना अब एक बड़ी जंग जैसा हो गया है। पूरे क्षेत्र में त्राहि त्राहि का माहौल है। यह समस्या बीते कुछ समय से लगातार बनी हुई है। इस संबंध में ग्राम पंचायत से लेकर विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों तक कई बार लिखित और मौखिक शिकायतें की जा चुकी हैं, लेकिन वर्तमान तक समस्या का कोई स्थाई निराकरण नहीं हुआ है। हालांकि विभाग द्वारा अभी पुनः कार्य चालू करने की बात कही जा रही है लेकिन धरातल पर ग्रामीणों को अब तक कोई राहत नहीं मिली है। पानी जैसी मूलभूत सुविधा नही मिलने से जोड़ापाठ के निवासियों का गुस्सा अब सातवें आसमान पर है। आक्रोशित ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और संबंधित विभाग से मांग की है कि जल्द पानी की सुचारू सप्लाई शुरू की जाए और बंद पड़े हैंडपंपों को सुधारा जाए।

पानी की विकराल समस्या से जूझ रहे ग्रामीणजन-महिमा परसमोडे

ग्रामीण महिमा परसमोडे ने बताया कि हम जोड़ापाठ रहते हैं पानी की बहुत ज्यादा किल्लत यहां पर बनी हुई है। चार दिनों में एक बार पीने का पानी नल जल योजना के माध्यम से वितरण किया जा रहा है ऐसे में घरों में बेहद तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। क्योंकि पानी की सबसे ज्यादा जरूरत घर के कार्य खाना पकाने सब्जी बनाने कपड़े बर्तन धोने सहित विभिन्न प्रकार के कार्य के लिए होती है। परंतु इन जरूरत के लिए पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है एक ड्रम करीब पानी मिलता है या उससे कम जिसको ४ दिन चलना है। ऐसे में पीने के लिए एक से दो बाल्टी पानी आस पड़ोस में ट्यूबवेल वाले घरों से लेकर आना होता है। चार दिन बाद हमें आज पानी मिला है अब चार दिन बाद मिलेगा यहां हमारी गली है और आसपास में कोई हैंडपंप कुआं नहीं है। इसके लिए बहुत दूर जाना पड़ता है पानी की समस्या को लेकर हम परेशान है।

पानी को लेकर बहुत ज्यादा विकराल समस्या ग्राम में उत्पन्न हो गई है-सुंदरलाल केलकर

ग्रामीण सुंदरलाल केलकर ने बताया कि यह कायदी का जोड़ापाठ है हम यहां के रहने वाले हैं पानी को लेकर बहुत ज्यादा विकराल समस्या हो गई है। दो.चार दिन के बाद में कभी आता है कभी नहीं आता है इधर.उधर हम सभी को भटकना पड़ रहा है। हमारे घर के बाजू में ट्यूबवेल है तो यहां सुबह से लोगों की लाइन लग जाती है उनकी भी बिजली जलती है और भूजल नीचे जाने से पानी कम है तो वह भी सभी को जरूर का पानी नहीं दे सकते हैं। यहां तो स्वयं के ट्यूबवेल जो लोगों के घरों में है वह सूख चुके हैं तो नल जल का सूखना भी स्वाभाविक है। हैंडपंप है परंतु बहुत दूर है और उसमें भी पर्याप्त पानी नहीं निकलता है। कहा जाए तो नल जल योजना पर ही पूरा ग्राम आश्रित है कुछ परिवारों ने इस समस्या के कारण अपने घर में दो ट्यूबवेल करवाए हुए हैं परंतु वह भी ५ मिनट से ज्यादा नहीं चल रहे हैं। शासन प्रशासन को इस समस्या पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए।

इनका कहना है

मौखिक पर चर्चा में बताया कि जोड़ापाठ में पानी की किल्लत है इस संबंध में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग को शिकायत की गई थी। जिसमें योजना को रिवाइज किया जा रहा है ठेकेदार के द्वारा दो ट्यूबवेल किए गए हैं परंतु वहां पानी पर्याप्त नहीं है। वर्तमान में उत्पन्न हुई पानी की किल्लत को दूर करने के लिए हर प्रयास किया जा रहा हैं।

जितेंद्र नगरगड़े
सरपंच प्रतिनिधि कायदी

विश्व रक्तदाता दिवस पर 123वीं बटालियन सीआरपीएफ भरवेली में रक्तदान शिविर आयोजित

अधिकारियों एवं जवानों ने किया स्वैच्छिक रक्तदान, रक्तदान के प्रति जागरूकता का दिया संदेश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर 14 जून 2026 को 123वीं बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), भरवेली परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य स्वैच्छिक एवं अवैतनिक रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने में योगदान देना था।

कार्यक्रम की शुरुआत वाहिनी के कमांडेंट श्री हजारी लाल द्वारा अधिकारियों एवं जवानों को रक्तदान के महत्व और इसकी आवश्यकता के संबंध में शपथ दिलाकर की गई। उन्होंने सभी उपस्थित अधिकारियों एवं जवानों से समाज में स्वैच्छिक और नि:शुल्क रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाने तथा अधिक से अधिक लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।

इसके पश्चात वाहिनी के अधिकारियों एवं जवानों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया। रक्तदान शिविर के सफल संचालन के लिए रेडक्रॉस सोसायटी जिला अस्पताल बालाघाट की टीम ने आवश्यक चिकित्सकीय व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई और रक्त संग्रहण की प्रक्रिया को सुरक्षित एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराया।

रक्तदान के बाद कमांडेंट श्री हजारी लाल ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें फल एवं पेय पदार्थ वितरित किए। उन्होंने कहा कि रक्तदान मानवता की सेवा का सबसे बड़ा माध्यम है और एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन प्रदान कर सकता है। उन्होंने जवानों की सामाजिक जिम्मेदारी एवं सेवा भावना की सराहना की।

कार्यक्रम में वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. चन्द्रशेखर पटेल, सहायक कमांडेंट श्री रामजस यादव, निरीक्षक जय कुमार, लैब इंचार्ज श्री सुरेन्द्र कुमार नागपोरे, नर्सिंग अधिकारी श्रीमती वैशाली डोंगरे तथा उनकी टीम सहित वाहिनी के सभी अधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे।

रक्तदान शिविर के माध्यम से 123वीं बटालियन सीआरपीएफ ने समाज के प्रति अपनी संवेदनशीलता और जनसेवा के संकल्प को एक बार फिर प्रदर्शित किया। कार्यक्रम ने स्वैच्छिक रक्तदान के महत्व को रेखांकित करते हुए लोगों को मानव जीवन बचाने के इस महत्त्वपूर्ण अभियान से जुड़ने का संदेश दिया।

सिद्ध स्वयंभू हनुमान मंदिर में राम नाम कीर्तन जारी, श्रद्धालुओं की लगी भीड़

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के जैन मोहल्ला स्थित ऐतिहासिक एवं प्राचीन श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर परिसर में शनिवार की रात भक्ति और अध्यात्म का एक अनूठा संगम देखने को मिला। यह अवसर था पुरुषोत्तम मास के अंतिम शनिवार का जहाँ मंदिर में विराजित सिद्ध स्वयंभू प्राकट्य हनुमान जी महाराज के दरबार में भव्य संकीर्तन का आयोजन किया गया। श्री राधा माधव सत्संग मंडल के द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में पूज्य सद्गुरु हरि ओम ब्रह्मचारी जी महाराज के सूक्ष्म संरक्षण में संपूर्ण वातावरण राममय हो गया। विदित है कि श्री राधा माधव सत्संग मंडल के द्वारा जन कल्याण और भक्ति भाव के प्रसार के लिए इस विशेष संकीर्तन श्रृंखला की शुरुआत इसी वर्ष मार्च माह के प्रथम शनिवार से की गई थी। तब से लेकर आज तक बिना रुके प्रत्येक मंगलवार और शनिवार को यह आयोजन पूरी श्रद्धा के साथ संपन्न हो रहा है। इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए इस शनिवार को भी पुरुषोत्तम मास के विशेष योग में संकीर्तन का गरिमामयी आयोजन किया गया। निर्धारित समयानुसार रात्रि ठीक ७ बजे संकीर्तन का शुभारंभ हुआ। मंडल के गायकों और उपस्थित श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से श्री राम जय

राम जय जय राम के महामंत्र का जाप शुरू किया। ढोलक मंजीरों और हारमोनियम की सुमधुर लहरियों के बीच जब श्रद्धालुओं ने ताली बजाकर प्रभु श्री राम के नाम का जयघोष किया सभी भक्ति के सागर में डूब गये। पुरुषोत्तम मास का अंतिम शनिवार होने के कारण इस बार भक्तों में खासा उत्साह देखा गया और लोग बड़ी संख्या में स्वयंभू हनुमान जी के दर्शन और संकीर्तन का लाभ उठाने पहुंचे। ठीक एक घंटे तक चले इस भावपूर्ण नाम संकीर्तन के पश्चात रात्रि ८ बजे सिद्ध स्वयंभू प्राकट्य हनुमान जी महाराज की सामूहिक संगीतमय महाआरती उतारी गई। भक्तों ने पूरी आस्था के साथ आरती में भाग लिया और नगर की सुख समृद्धि की कामना की। आरती के उपरांत सत्संग मंडल के द्वारा उपस्थित सभी श्रद्धालुओं के बीच प्रसादी का वितरण किया गया। जिसके बाद इस अलौकिक धार्मिक अनुष्ठान का विधि.विधान से समापन हुआ। सत्संग मंडल के पदाधिकारियों ने बताया कि हनुमान जी महाराज की कृपा और सद्गुरु हरि ओम ब्रह्मचारी जी महाराज के आशीर्वाद से यह आयोजन आगामी दिनों में भी प्रत्येक मंगलवार और शनिवार को इसी प्रकार पूरी भव्यता के साथ निरंतर जारी रहेगा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्तगण मौजूद रहे।

जिला पशु चिकित्सा प्रयोगशाला का औचक निरीक्षण, बंद पड़ी जांच मशीनों को चालू कराने के निर्देश

उप संचालक डॉ. परते ने मांगी आवश्यक रसायनों एवं रिएजेंट्स की जानकारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में पशुपालकों एवं किसानों से प्राप्त शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं डॉ. घनश्याम परते ने जिला पशु चिकित्सा प्रयोगशाला का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रयोगशाला में उपलब्ध विभिन्न आधुनिक जांच उपकरणों की स्थिति एवं कार्यप्रणाली का जायजा लिया तथा लैब प्रभारी डॉ. दीप्ति कावड़े से विस्तृत जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान यह जानकारी सामने आई कि प्रयोगशाला में उपलब्ध लिवर फंक्शन टेस्ट एवं यूरिन एनालिसिस जैसी महत्वपूर्ण जांच मशीनें आवश्यक रिएजेंट्स एवं रसायनों की अनुपलब्धता के कारण वर्तमान में संचालित नहीं हो पा रही हैं। इस पर उप संचालक डॉ. परते ने मामले को गंभीरता से लेते हुए लैब प्रभारी को आवश्यक सामग्रियों की मांग शीघ्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए, ताकि मशीनों को पुनः संचालित किया जा सके और पशुपालकों को बेहतर जांच सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। डॉ. परते ने कहा कि आधुनिक जांच उपकरणों का नियमित उपयोग पशुओं में होने

वाली विभिन्न बीमारियों के सटीक निदान के लिए अत्यंत आवश्यक है। जांच सुविधाओं के सुदृढ़ होने से पशुओं के उपचार में तेजी आएगी तथा पशुपालकों को समय पर उचित सलाह और चिकित्सा उपलब्ध हो सकेगी। गौरतलब है कि जिला पशु चिकित्सा प्रयोगशाला जिले की एकमात्र ऐसी प्रयोगशाला है, जहां जिलेभर से पशुओं से संबंधित विभिन्न प्रकार के नमूनों की जांच के लिए भेजे जाते हैं। पशु रोगों के निदान और नियंत्रण में इस प्रयोगशाला की महत्वपूर्ण भूमिका है। जिले में बड़ी संख्या में पाले जा रहे पशुओं के स्वास्थ्य संरक्षण के लिए प्रयोगशाला की सेवाएं अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती हैं। निरीक्षण के दौरान प्रयोगशाला में उपलब्ध संसाधनों, उपकरणों एवं परीक्षण व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। उप संचालक ने निर्देश दिए कि उपलब्ध मशीनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जाए तथा आवश्यक सामग्री की पूर्ति के लिए त्वरित कार्रवाई की जाए। पशुपालकों एवं किसानों को उम्मीद है कि विभागीय पहल के बाद प्रयोगशाला की जांच सुविधाएं और अधिक सुदृढ़ होंगी, जिससे पशुओं के रोगों की समय पर पहचान और उपचार में सहायता मिलेगी तथा पशुधन के स्वास्थ्य संरक्षण को मजबूती मिलेगी।

भारतीय खेल विरासत की अनमोल धरोहर है मल्लखंभ

मल्लखंभ भारत की प्राचीनतम और सबसे कठिन शारीरिक कलाओं में से एक है।भारत के सबसे प्राचीन पारंपरिक खेलों में से मल्लखंभ ताकत, लचीलापन, संतुलन और मानसिक दृढ़ता का अनोखा संगम है। इस कला में खिलाड़ी हवा में योग और जिम्नास्टिक के करतब एक ऊर्ध्वाधर खंभे या लटकी हुई रस्सी पर दिखाते हैं। यह योग के विभिन्न आसनों का ही एक उन्नत और अधिक चुनौतीपूर्ण रूप है।मल्लखंभ में भी खंभे या रस्सी पर टिके रहने के लिए चरम स्तर की एकाग्रता, सांसों पर नियंत्रण और जागरूकता की आवश्यकता होती है, जो कि योग और मानसिक अनुशासन का ही हिस्सा है। जिस प्रकार योग में प्राणायाम और सांस पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। मल्लखंभ में भी मुश्किल करतब करते समय सांस पर नियंत्रण बनाए रखना अनिवार्य होता है, ताकि शरीर का संतुलन बना रहे। विडंबना यह है कि अपनी शानदार विरासत और विदेशी मंचों पर मिली प्रशंसा के बावजूद, इसे अपने ही देश में लंबे समय तक घोर उपेक्षा का सामना करना पड़ा है।जबकि भारत में इसे वह मुकाम नहीं मिला, विदेशों में इसे भारी सम्मान मिल रहा है। जर्मनी, अमेरिका, जापान, और चेक गणराज्य सहित दुनिया के 26 से अधिक देशों में मल्लखंभ खेला जा रहा है। यहाँ तक कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसे पहचान दिलाने के लिए मल्लखंभ वर्ल्ड चैंपियनशिपभी आयोजित की जा चुकी है। भारत में मल्लखंभ एक ज़माने से खेला जाता रहा है लेकिन वक्त के साथ-साथ चीजें तेज़ी से बदल रही हैं।मल्लखंभ के बारे में प्राचीन भारतीय ग्रंथ रामायण में वर्णन है। पहला प्रत्यक्ष वर्णन बारहवीं शताब्दी की शुरूआत में मानसोलस नामक पाठ में है। इसे चालुक्य राजा सोमेश्वर तृतीय द्वारा लिखा गया। भारत के बौद्ध चीनी तीर्थ यात्रियों के कितावों में भी इसका उल्लेख है। इसके अतिरिक्त चंद्रकेतुगढ़ के मिट्टी के वर्तनों में पाए गए हैं, जो एक शताब्दी ईसा पूर्व के हैं। 12वीं सदी में भारत में मल्लखंभ की शुरुआत हुई थी। 1600 के दशक के अंत से लेकर 1800 दशक के शुरूआत तक गतिविधि निष्क्रिय रही। पेशवा बाजीराव द्वितीय ने इसे लोकप्रिय बनाने में अहम भूमिका निभाई।दादा बालमभर देवधर मल्लखंभ के आद्य गुरु माने जाते हैं। वे बाजीराव पेशवा के दरबार में एक जाने-माने कुश्तीगीर और कसरतपटू थे। दादा बालमधर देवधर,पेशवा बाजीराव द्वितीय ने अपनी पेशवा सेना को प्रशिक्षित करने में कला को पुनर्जीवित किया। बालमभट्ट दादा देवधर को 19वीं सदी में इसके पुनरुद्धार और इसे एक लोकप्रिय मार्शल आर्ट प्रशिक्षण के रूप में स्थापित करने का श्रेय जाता है।किंवदंती है कि उन्हें यह विद्या भगवान हनुमान से मिली, जब उन्होंने जंगलों में बंदरों के फुर्तीले और लचीले करतबों को देखकर अभ्यास किया। बालमभट्ट ने इसी खंभे पर अभ्यास करके हैदराबाद के निजाम के दिग्गज पहलवानों (गुलाम और अली) को हराकर अपनी श्रेष्ठता साबित की थी।मराठा साम्राज्य की एक प्रमुख योद्धा झाँसी की रानी, ने अपने बचपन में नाना साहब और तात्या टोपे के साथ मिलकर बालम्भट्टा से मल्लखंभ की शिक्षा ली। मुख्य रूप से तीन प्रकार के मल्लखंभ खेले जाते हैं— पहला पोल मल्लखंभ है ,जो पारंपरिक रूप है, जिसमें जमीन पर गड़े 2.6 मीटर ऊंचे लकड़ी के खंभे का इस्तेमाल होता है।

नए जमाने में बुजुर्ग की हो रही है उपेक्षा

विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस 15 जून 26 पर विशेष

आज नए जमाने में बुजुर्ग की उपेक्षा की हो रही है उपेक्षा का अर्थ किसी बात, व्यक्ति या परिस्थिति को नजरअंदाज करना, ध्यान न देना या महत्व न समझना है। इसे बोलचाल में लापरवाही, अनादर या तिरस्कार भी कहा जाता हैआज के ज़माने में, पैसे की बढ़ती अहमियत ने लोगों को इसे कमाने में इतना बिज़ी कर दिया है कि उनके पास दूसरों पर ध्यान देने का टाइम ही नहीं है। बच्चे अक्सर अपने माता-पिता की वैल्यू तभी तक करते हैं जब तक उनके पास पैसा होता है; एक बार पैसा खत्म हो जाने पर, बुजुर्गों की अहमियत खत्म हो जाती है और उन्हें सिर्फ़ बोझ समझा जाता है। 5. अपना फ़ायदा- नई पीढ़ी ज़्यादा सेल्फ़िश होती जा रही है। वे ज़्यादातर अपने फ़ायदे के लिए काम करते हैं, अपने परिवार के बुज़ुर्गों की देखभाल तभी करते हैं जब उन्हें विरासत में पैसा या प्रॉपर्टी मिलने की उम्मीद दिखती है; वे सिर्फ़ अपने फ़ायदे के लिए काम करते हैं। अपने बुज़ुर्गों के प्रति सेवा, दया और त्याग की भावना कम होती जा रही है, क्योंकि वे बुज़ुर्गों की देखभाल करने की ज़िम्मेदारी को अपनी आज़ादी में रुकावट मानते हैं। नतीजतन, वे अपने फ़ायदे के लिए बुज़ुर्गों को नज़रअंदाज़ कर देते हैं। बुजुर्गों की परेशानियाँ- बुढ़ापे को ज़िंदगी का आखिरी पड़ाव माना जाता है—एक ऐसा पड़ाव जो अक्सर मुश्किलों से घिरा होता है—क्योंकि बुजुर्ग कई मुश्किलों से घिरे होते हैं जिनकी वजह से वे दूसरों से जुड़ाव बनाए नहीं रख पाते। समय के साथ समाज में तेज़ी से बदलाव हो रहे हैं। नई पीढ़ी पारंपरिक विचारों वाले लोगों को अपनी ज़िंदगी में शामिल करना सही नहीं समझती; नतीजतन, युवा बुज़ुर्गों के अनुभवों और नज़रिए को नज़रअंदाज़ करने लगते हैं। बुज़ुर्गों को होने वाली परेशानियाँ ज़्यादा साफ़ होती जा रही हैं, जबकि समाज में उनकी उपयोगिता कम होती दिख रही है। इन समस्याओं को इस तरह बताया जा सकता है- 1. शारीरिक चुनौतियाँ- बुढ़ापा ज़िंदगी का आखिरी दौर होता है, एक ऐसा समय जब शरीर अपनी ताकत खोने लगता है। इस दौरान होने वाले शारीरिक बदलाव किसी की सामाजिक प्रतिष्ठा पर असर डालते हैं और कई तरह की परेशानियाँ पैदा करते हैं। जहाँ कुछ लोग साठ साल की उम्र में भी जवान दिखते हैं, वहीं दूसरों को उम्र से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ता है; कुल मिलाकर, बुज़ुर्गों को बढ़ती मुश्किलों और समाज में उनकी अहमियत में कमी का सामना करना पड़ता है। बुढ़ापा ज़िंदगी का आखिरी पड़ाव होता है, एक ऐसा समय जो अक्सर शारीरिक कमज़ोरी और काम करने की कम क्षमता से पहचाना जाता है। गुज़ारे के लिए दूसरों पर निर्भर होना ज़रूरी हो जाता है, और यही निर्भरता बुज़ुर्गों की परेशानियों की जड़ होती है। उन्हें अक्सर शारीरिक और आर्थिक रूप से घुटन भरी ज़िंदगी जीने के लिए मजबूर होना पड़ता है। चाहे वे पढ़े-लिखे हों या अनपढ़, इस समय उनकी ज़िंदगी अक्सर अस्थिर हो जाती है; उन्हें नई पीढ़ी के साथ तालमेल बिठाने में मुश्किल होती है, जिससे उनकी मुश्किलें और बढ़ जाती हैं। दुनिया की आबादी का एक बड़ा हिस्सा बुढ़ापे में सामाजिक और आर्थिक असुरक्षा झेलता है, और अक्सर पाता है कि नई पीढ़ी उन्हें ज़्यादा अहमियत नहीं देती। इंसानियत तरक्की के रास्ते पर आगे बढ़ती रहती है। बदलाव कुदरत का एक बुनियादी नियम है, लेकिन इंसानों ने अपनी दिमागी काबिलियत से भी बदलाव को आगे बढ़ाया है। नई सुविधाओं की लगातार तलाश इस तरक्की की चाहत को और बढ़ाती है। आज, इंसानियत तरक्की के उस शिखर पर पहुँच गई है जहाँ विकास की रफ़्तार बहुत तेज़ हो गई है। विकास की रफ़्तार काफ़ी तेज़ हो गई है, और शिक्षा तेज़ी से फैल रही है; शिक्षा से मिला ज्ञान लोगों की लाइफस्टाइल, खाने-पीने की आदतों और सोच में बड़े बदलाव ला रहा है। हर कोई मॉडर्न सुविधाओं से लैस ज़िंदगी चाहता है और ज़्यादा से ज़्यादा आराम पाने की होड़ में फँस गया है; इसी होड़ ने उनसे उनकी खुशी, शांति और सुकून छीन लिया है। वे तेज़ी से स्ट्रेस में आ रहे हैं। उनकी सोच में बड़े बदलाव आए हैं, जिससे आज का युवा पारंपरिक नियमों और पुरानी मान्यताओं से आज़ाद होना चाहता है। इसके उलट, पुरानी पीढ़ी इन बेलगाम बदलावों को मानने में मुश्किल महसूस करती है; वे अपने ज़माने के मूल्यों और आदर्शों को मानते हैं और इस बदलाव के लिए नए ज़माने और नई पीढ़ी को दोषी ठहराते हैं। लेकिन, नई पीढ़ी पुरानी पीढ़ी की सोच और उसूलों को नकार देती है, जिससे उनके बीच दरार पैदा होती है। परिवार में तालमेल की कमी हो जाती है, जिससे बुजुर्ग सदस्यों को परेशानी होती है। अगर पुरानी पीढ़ी यह मान ले कि यह युवाओं का ज़माना है—जो मॉडर्न माहौल में पैदा हुए हैं और स्वाभाविक रूप से आज के ज़माने 8द्ध8द्धके हिसाब से जीना पसंद करते हैं—तो इससे मदद मिलेगी। बदलाव तो होना ही है; इसे कोई नहीं रोक सकता। क्योंकि इन बदलावों को रोका नहीं जा सकता, इसलिए समझदारी इसी में है कि हम अपनी सोच को जितना हो सके, बदलने की कोशिश करें। इससे नई पीढ़ी के साथ तालमेल बनता है और यह पक्का होता है कि परिवार में बुज़ुर्गों का सम्मान बना रहे। नतीजतन, परिवार का माहौल अच्छा बना रहता है, जिससे बुज़ुर्ग अपनी बाकी ज़िंदगी आराम और सुकून से बिता पाते हैं। पिछली सदी में इंसानी समाज ने बहुत तरक्की की है। सिर्फ़ सौ साल में, इंसानों ने कई आविष्कार किए हैं—जैसे रेडियो, कार,टेलीविज़न, कंप्यूटर, हवाई जहाज़, ऑटोमोबाइल, बसें, मोबाइल फोन , और लैपटॉप आदि —जो अब हमारी रोज़ाना की ज़रूरतों का ज़रूरी हिस्सा बन गए हैं; सच में, इंसानों के लिए यह सोचना भी मुश्किल है कि वे क्या कर सकते हैं।आज उनके बिना ज़िंदगी कितनी मुश्किल है। इस तरक्की ने इंसान को कई सुविधाएँ दी हैं, लेकिन उन्हें पाने की होड़ ने समाज के ताने-बाने को भी बिगाड़ दिया है। पुराने काम ङ्क जैसे खेती, दुकानदारी और मैन्युफैक्चरिंग ङ्क में बड़े बदलाव आए हैं। नई टेक्नोलॉजी की वजह से मेहनत वाले काम पुराने हो गए हैं, और अब मशीनें ऐसे काम कर रही हैं जिनमें पहले बहुत ज़्यादा मेहनत लगती थी। मॉडर्न सुविधाओं और रिसोर्स तक पहुँचने की चाहत आज के युवाओं को पुराने खानदानी बिज़नेस छोड़कर नौकरी की तलाश में दूर-दराज के इलाकों में जाने पर मजबूर कर रही है। ट्रांसपोर्ट के नए तरीकों ङ्क जैसे हवाई जहाज, ट्रेन और कार ङ्क की मौजूदगी ने युवाओं के लिए कहीं भी नौकरी ढूंढना मुमकिन बना दिया है, जिससे आखिर में जॉइंट फैमिली से न्यूक्लियर फैमिली में बदलाव आ रहा है। जैसे-जैसे युवा अपने गाँव और कस्बे छोड़कर दूर-दराज के इलाकों में जा रहे हैं, बुजुर्ग घर पर अकेले रह गए हैं। पुरानी पीढ़ी न तो इन नए बदलावों को समझ पा रही है और न ही उन्हें अपना पा रही है, और न ही वे रोज़ी-रोटी कमाने के नए तरीकों को अपना पा रहे हैं; नतीजतन, उनके पुराने बिज़नेस बोझ बन गए हैं ङ्क सफ़ेद हाथी। बढ़ते खर्चों के सामने, उन्हें लगता है कि उनकी कमाई बहुत कम है ङ्क जैसे समुद्र में एक बूँद। इस तेज़ी से हो रहे बदलाव की वजह से उन्हें शारीरिक और मानसिक दोनों तरह की परेशानी होती है। आज के कॉम्पिटिटिव ज़माने में, हर किसी को चुनौतियों का सामना करना पड़ता है—चाहे वह पढ़ाई हो, काम की जगह हो, या अपनी ज़िंदगी को बेहतर बनाने की होड़ हो। लोग लगातार ज़्यादा से ज़्यादा चीज़ें पाने की कोशिश में लगे रहते हैं, एक ऐसा काम जिसमें उनका ज़्यादातर समय लग जाता है, और खुद के लिए या अपने प्रियजनों के लिए बहुत कम या बिल्कुल भी समय नहीं बचता। समय की इस कमी की वजह से बुज़ुर्गों को नज़रअंदाज़ किया हुआ महसूस होता है। जल्दी पैसा कमाने की चाहत ने युवाओं को चिड़चिड़ा और बेपरवाह बना दिया है। बुज़ुर्ग अक्सर नई पीढ़ी के काम करने के तरीके से परेशान रहते हैं, वे अपने बच्चों को बेपरवाह और नाशुक्रा समझते हैं; काम करने और जीने के नए तरीके उन्हें बिल्कुल पसंद नहीं आते। वे अपने समय को सही ठहराते हैं। आज, हमारे समाज में बुज़ुर्गों के साथ दूसरे दर्जे के नागरिकों जैसा बर्ताव होता है। देश तेज़ी से सामाजिक बदलाव के दौर से गुज़र रहा है, जिससे बुज़ुर्गों को होने वाली समस्याएँ खतरनाक रूप ले रही हैं। इसके मुख्य कारणों में घटती मृत्यु दर और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर आबादी के डायनामिक्स में बदलाव शामिल हैं। हम तेजी से जनसांख्यिकीय असंतुलन की ओर बढ़ रहे हैं, जहां बुजुर्गों को आबादी के गैर-उत्पादक हिस्से के रूप में वर्गीकृत किया गया है, जल्द ही उत्पादक कर्मचारियों की संख्या से आगे निकल जाएंगे। 21वीं सदी में बुजुर्गों की आबादी में अभूतपूर्व वृद्धि का अनुमान है। विकसित देशों में, बेहतर स्वास्थ्य सेवा और चिकित्सा सुविधाएं लोगों को लंबे समय तक जीने में सक्षम बनाती हैं; परिणामस्वरूप, विकासशील देशों की तुलना में वहां बुजुर्गों का अनुपात अधिक है। यहां तक कि भारत और चीन में-जो वैश्विक आबादी का एक बड़ा हिस्सा हैं- बेहतर स्वास्थ्य और चिकित्सा सुविधाओं के कारण बुजुर्गों की संख्या में भारी वृद्धि हुई है। 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत की बुजुर्गों की आबादी 103.8 मिलियन है। हालांकि, संख्यात्मक पहलू बुजुर्गों के समाज में एकीकृत होने की चुनौती से कम महत्वपूर्ण है। एकीकरण की इस कमी के दो मुख्य कारण हैं- पहला, उम्र बढ़ने के साथ होने वाले व्यक्तिगत परिवर्तन; और दूसरा, आधुनिक औद्योगिक समाज का अपने बुजुर्ग सदस्यों के प्रति रवैया श्रवण कुमार की कहानी, जो अपने बुज़ुर्ग माता-पिता को कंधों पर उठाकर पवित्र जगहों की तीर्थ यात्रा पर ले गए थे, इसी श्रद्धा का एक उदाहरण है। आज भी, ज़्यादातर परिवारों में बुज़ुर्गों को घर का मुखिया माना जाता है। यह बहुत बड़ी अजीब बात है कि जो इंसान कभी पूरे परिवार को सहारा देता था—एक बरगद के पेड़ की तरह—वह अक्सर बुढ़ापे में अकेला, लाचार और अलग-थलग ज़िंदगी जीता है। जो इंसान ज़िंदगी भर सोच, काम और बातों से परिवार की रक्षा करता रहा—उन्हें पौधों से पेड़ बनाता रहा—उसे अक्सर घर के किसी कोने में नज़रअंदाज़ कर दिया जाता है या हॉस्पिटल या ओल्ड-एज होम में मौत का इंतज़ार करने के लिए छोड़ दिया जाता है। यह आज के कंज्यूमर कल्चर और सामाजिक मूल्यों के खत्म होने का नतीजा है।

-संजय गोस्वामी

धार्मिक त्यौहार बने नफरत फैलाने के औजार

-राम पुनियानी

बकरीद मुसलमानों का दूसरा सबसे बड़ा त्यौहार है। यह कुर्बानी का त्यौहार है। यह पैगम्बर इब्राहिम (अब्राहम) की अल्लाह के प्रति दृढ़ आस्था के सम्मान में मनाया जाता है। वे अल्लाह की आज्ञानुसार अपने पुत्र इस्माइल की कुर्बानी देने के लिए तैयार थे। लेकिन उसके पहले ही अल्लाह ने उनके पुत्र की जगह एक मेढ़ा रख दिया। इस त्यौहार पर आर्थिक दृष्टि से सक्षम मुसलमान बकरे, भेड़, गाय या ऊंट की कुर्बानी की रस्म निभाते हैं। ऐसा पैगम्बर इब्राहिम द्वारा दी गई कुर्बानी के प्रतीकात्मक अनुसरण बतौर किया जाता है। मुसलमानों के लिए यह आध्यात्मिक त्यौहार होता है जो कुर्बानी एवं सांझेपन की भावना पर आधारित है। कुर्बान किए गए जानवर का मांस तीन हिस्सों में बांटा जाता है और इस नियम के कड़ाई से पालन की अपेक्षा की जाती है। एक हिस्सा परिवार के लिए, दूसरा रिश्तेदारों और दोस्तों के लिए और तीसरा गरीबों और जरूरतमंदों के लिए होता है। इससे जाहिर है कि हमदर्दी, दान और सामुदायिक एकता के भाव इस्लाम में कितने अहम हैं।

एक लंबे समय से हिंदू त्यौहारों का इस्तेमाल मुसलमानों के प्रति नफरत फैलाने के लिए किया जाता रहा है। और अब मुस्लिम त्यौहारों का भी उपयोग मुसलमानों के प्रति घृणा फैलाने के लिए हो रहा है। इस साल बकरीद पर मुंबई के मुस्लिम समुदाय को कुर्बानी की रस्म अदा करने में तरह-तरह की मुशिकलात का सामना करना पड़ा। नगरपालिका के नियमों और मुंबई उच्च न्यायालय के 2019 के आदेश में आवासीय परिसरों (मगर घर के अंदर नहीं) में कुर्बानी देने की अनुमति कुछ शर्तों के साथ दी गई है। इस साल तीन आवासीय सोसायटियों में अंतिम क्षणों में अनुमति वापिस ले ली गई। ऐसा मुख्यत: भाजपा से जुड़े राजनीतिज्ञों (इनमें से एक भाजपा की राज्य शाखा के उपाध्यक्ष कीरत सोमैया थे) के हस्तक्षेप और बजरंग दल व विहिप कार्यकर्ताओं की जिद की वजह से हुआ। इससे सामान्य जनता व मीडिया का ध्यान इस ओर गया और मुसलमानों के प्रति नफरत भड़की।

स्वतंत्र पत्रकार ज्योति पुनवानी फ्रंटलाईन में प्रकाशित अपने लेख में लिखती हैं "हर स्थानीय और बहुत से राष्ट्रीय टीवी चैनलों ने यह खबर बार-बार प्रसारित की और साथ में अवासीय सोसायटियों से बकरे बाहर ले जाते मुसलमानों के वीडियो लगातार दिखाए। इसका नतीजा यह हुआ कि एक समुदाय को अपने दूसरे सबसे महत्वपूर्ण त्यौहार के दौरान तकलीफ और परेशानी से गुजरना पड़ा। सोशल मीडिया पर मुसलमानों के प्रति नफरती संदेशों की बाढ़ आ गई, जो हमेशा की तरह अर्धसत्य और अतिरेक पर आधारित थे"। पुनवानी बताती हैं कि इन तीनों आवासीय परिसरों में कई वर्षों से कुर्बानी दी जा रही थी। यह इस तथ्य के बावजूद कि इनके रहवासियों में हिन्दुओं का बहुमत है। ऐसी एक सोसायटी में बकरों को परिसर में ही रखा गया और ईद के दिन कुर्बानी के लिए निर्धारित स्थान पर ले जाया गया।

इस वर्ष मीरा रोड की एक सोसायटी में बहुत हंगामा हुआ। पूनम एस्टेट क्लस्टर में 25 मई की दोपहर एवं 26 मई की सुबह गंभीर साम्प्रदायिक तनाव के हालात उत्पन्न हो गए। वहां पिछले सालों की तरह पशुओं को परिसर के अंदर एक अस्थायी शेड में रखा गया था। बजरंग दल और विहिप के कई कार्यकर्ताओं ने यह कहते हुए हंगामा बरपा दिया कि पशुओं को परिसर के अंदर नहीं रखा जा सकता। इससे किसी नियम का उल्लंघन नहीं हो रहा था, इसके बावजूद पुलिस और महानगरपालिका के अधिकारियों ने तनाव उत्पन्न करने वालों का साथ दिया। इस सबसे बढ़कर, कार्यकर्ता मुसलमानों को भयभीत करने के लिए परिसर के अंदर कई सुअर ले आए।

सामान्यत: त्यौहार शांति और आनंद का संदेश लाते हैं। लेकिन विहिप-बजरंग दल और उनके जैसी मानसिकता के अन्य तत्व इन अवसरों पर भी साम्प्रदायिक तनाव फैलाने से बाज नहीं आते। भारत में मिलजुल कर त्यौहार मनाने और धर्मों की सीमाओं से ऊपर उठकर घुलमिल कर रहने की लंबी परंपरा रही है। लेकिन इस तरह की घटनाओं से बहुत तनाव उत्पन्न हो जाता है। यह तनाव समाज में बढ़ती साम्प्रदायिकता के साथ ब?ता जा रहा है। हमने विगत वर्षों में देखा है कि मुस्लिम युवकों को, विशेषकर गुजरात में, गरबा में भाग लेने की इजाजत नहीं दी जाती। गरबा पंडालों में प्रवेश के पहले सख्ती से आधार कार्डों की जांच की जाती है। धमकी भरे लहजे में चेतावनी दी जाती है कि जुमे की नमाज सड़क पर न पढ़ी जाए। यहां तक कि हिन्दू उत्सवों पर भी मुसलमानों को परेशानियां झेलनी पड़ती हैं।

दूसरी ओर कांवड़ यात्राओं के दौरान सड़कों पर नियमों की धज्जियां उड़ाई जाती हैं और फलों और खाद्य साम्रग्री के विक्रेताओं को अपना नाम दुकान या ठेले पर लिखने को बाध्य किया जाता है। इसके पीछे उद्धेश्य यह होता है कि यात्राओं में शामिल लोग मुस्लिमों की होटलों या दुकानों से कुछ न खरीदें। 'शुद्धता-प्रदूषण' के इन नियमों पर अमल सरकारी मशीनरी की मदद से करवाया जाता है।

रामनवमी और जनमाष्टमी के जुलूसों के चरित्र में आमूल परिवर्तन आ गया है। अपने बचपन में मैं इन जुलूसों में खुशी-खुशी शामिल होता था क्योंकि रास्ते पर मौजूद हर व्यक्ति को प्रसाद दिया जाता था। यहां तक कि मुसलमानों के कई समूह जुलूस में शामिल लोगों के लिए शरबत के स्टॉल लगाते थे। अब ये जुलूस मुस्लिम बहुल इलाकों से निकालें जाते हैं और उस दौरान मुस्लिम विरोधी नारे लगाए जाते हैं। अतिउत्साही तत्व मस्जिदों के सामने नाचते हैं और गालियों व अपशब्दों से भरपूर नारे लगाते हैं। इस सबसे आगे बढ़कर कुछ लोग मस्जिद के शिखर पर च? जाते हैं और वहां फहरा रहे हरे झंडे को हटाकर भगवा झंडा लगा देते हैं। यह कई मौकों पर हुआ है।

यह नफरत हमें आखिर कहां ले जाएगी? यह एक तकलीफदेह सवाल है। भारत मिलीजुली संस्कृति वाला देश रहा है। हमारी संस्कृति 'अन्य धाराओं' से समृद्ध हुई है, हमने अन्य धाराओं को आदर दिया है और मिलजुलकर उत्सव मनाये हैं। त्यौहार मेल-मुलाकात के मौके होते हैं, वे हमें रोजमर्रा की नीरस जिंदगी से थोड़े समय के लिए निजात दिलवाते हैं। साम्प्रदायिकता हमारे जीवन के इस सुहावने पहलू को हमसे छीनती जा रही है।

इरफान इंजीनियर एवं नेहा दाभाड़े द्वारा किया गया एक अध्ययन, जिसका विषय 'वेपनेजाईनेशन ऑफ हिन्दू फेस्टिवल्स (हिन्दू त्यौहारों का सशस्त्रीकरण) था, त्यौहारों के दुरूपयोग के खतरों के बारे में हमारी आंखें खोल देता है। धर्म आधारित नफरत जैसे-जैसे और ऊँची दीवारें खड़ी कर रही है, मुस्लिम समुदाय को अधिकाधिक डरावने माहौल का सामना करना पड़ रहा है। यह निश्चित ही हमारे समाज की एक बड़ी समस्या है। यह हमारे संवैधानिक मूल्यों पर हमला है, खासकर बंधुत्व के केन्द्रीय मूल्य पर।

समाज के विभिन्न वर्गों के बीच प्यार और सामंजस्य दुबारा कायम करने के लिए तत्काल कदम उठाए जाने की जरूरत है। यह हमारे लोकतंत्र को जीवित और सेहतमंद रखने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

टारगेट भ्रष्टाचार जीरो टॉलरेंस ञ्च 2029 -भारत में भ्रष्टाचार- विरोधी कानूनों, नियमों और सेवा विनियमों की धाराओं में लीकेज का प्रश्न?

वैश्विक स्तरपर भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और लोकतांत्रिक शासन की सफलता का सबसे महत्वपूर्ण आधार जनता का सरकार तथा प्रशासनिक तंत्र पर विश्वास होता है।जब कोई सरकारी अधिकारी या लोकसेवक भ्रष्टाचार के आरोपों में गिरफ्तार होता है, उसके खिलाफ जांच होती है, अदालतों में मामला चलता है, और फिर वर्षों बाद तकनीकीआधारों प्रक्रियागत कमियों या साक्ष्यों की कमजोरियों के कारण वह दंडित होने के बजाय पुन:सेवा में लौट आता है, या फिर अधिनियमों नियमों विनियमों सेवा शर्त अधिनियम में ही ऐसी धाराएं उल्लेखित हो जिसमें कुछ समय के बाद उसकी फिर नियुक्ति संभव हो जाती है तब आम नागरिकों के मन में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या भ्रष्टाचार-विरोधी व्यवस्था वास्तव में प्रभावी है? आज हम यह प्रश्न इसीलिए उठा रहे हैं क्योंकि जून माह के प्रथम सप्ताह में ओडिशा के दो चर्चित भ्रष्टाचार मामलों ने भारतीय प्रशासनिक व्यवस्था की कार्यप्रणाली और उसकी कानूनी सीमाओं पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। हाल के वर्षों में विभिन्न राज्यों में ऐसे अनेक मामले सामने आए हैं, जिनमें भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों के बावजूद अंतिम दोषसिद्धि नहीं हो सकी अथवा अभियोजन प्रक्रिया कमजोर पड़ गई। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं एक वकील होने के नाते लंबे समय से यह महसूस कर रहा हूं तथा केंद्र व राज्य सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि इससे यह धारणा मजबूत होती जा रही है कि वर्तमान भ्रष्टाचार- निरोधी कानूनों, नियमों,विनियमों तथा सेवा अनुशासन संबंधी प्रावधानों में अनेक प्रक्रियात्मक कमियां और कानूनी लीकेज मौजूद हैं, जिनका लाभ आरोपी अधिकारियों को मिल जाता है।इसलिए समय की मांग है कि भ्रष्टाचार विरोधी लंबी लंबी बातें करने जनजागरण जनजागरण करने अनेक सभाओं में भ्रष्टाचार को समाप्त करने की डींगें हाकने के बजाय इन कानूनों और नियमों की व्यापक समीक्षा कर उन्हें वर्तमान परिस्थितियों के अनुरूप अधिक कठोर, पारदर्शी और परिणामोन्मुख तथा पिछले जजमेंट, जिसमें भ्रष्टाचार के आरोपी छूट गए हैं उन कमियों का अध्ययन कर उसके आधार पर विभिन्न नियमों व नियमों धाराओं के लीकेज को संशोधित कर आधुनिक डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक युग के अनुसार बनाया जाए ताकि भ्रष्टाचार में फंसे व्यक्ति को छूटने यानें एक्विट्रल होने की कोई उम्मीद ना बचे।

साथियों मीडिया में आई रिपोर्ट्स के अनुसार ओडिशा के दो चर्चित भ्रष्टाचार मामलों ने भारतीय प्रशासनिक व्यवस्था की कार्यप्रणाली और उसकी कानूनी सीमाओं पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं।पहला मामला 2021 बैच के आईएएस अधिकारी एवं तत्कालीन धर्मगढ़ उपजिलाधिकारी धीमान चकमा का है, जिन्हें जून 2025 में ओडिशा विजिलेंस विभाग ने कथित रूप से एक व्यवसायी से 10 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया था। जांच एजेंसियों के अनुसार उन पर कुल 20 लाख रुपये की रिश्वत मांगने का आरोप था तथा गिरफ्तारी के बाद उनके सरकारी आवास से लगभग 47 लाख रुपये की अतिरिक्त नकदी भी बरामद की गई।गिरफ्तारी के बाद उन्हें निलंबित कर दिया गया और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत मामला दर्ज हुआ। इसके बावजूद न्यायिक प्रक्रिया लंबित रहने तथा अंतिम दोषसिद्धि न होने के कारण बाद में उन्हें पुन: सेवा में बहाल कर राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग में उप सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है दूसरा मामला सहायक कार्यपालक अभियंता बैकुंठ नाथ बेहरा का है, जिनके विरुद्ध 2026 में आय से अधिक संपत्ति की जांच के दौरान ओडिशा विजिलेंस ने कई स्थानों पर छापेमारी की। जांच में उनके पास से 2 करोड़ रुपये से अधिक नकदी, सैकड़ों ग्राम सोना,अनेक बैंक जमा, पांच बहुमंजिला इमारतें तथा 13 से अधिक भूखंड मिलने के आरोप सामने आए। बताया गया कि उन्होंने 1999 में मात्र 6000 रुपये मासिक वेतन पर जूनियर इंजीनियर के रूप में सेवा शुरू की थी, जबकि छापों में करोड़ों रुपये की संपत्तियों का खुलासा हुआ।बाद में उन्हें भी गिरफ्तार किया गया और मामले की जांच जारी है। इन दोनों घटनाओं ने यह बहस तेज कर दी है कि भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों के बावजूद भारतीय सेवा नियमों में अंतिम न्यायिक निर्णय से पहले अधिकारियों को स्थायी रूप से सेवा से पृथक करना कठिन क्यों है तथा क्या वर्तमान व्यवस्था में ऐसे प्रक्रियागत छिद्र मौजूद हैं जिनका लाभ आरोपी अधिकारी सटीकता से उठा सकते हैं। साथियों भारत में भ्रष्टाचार के विरुद्ध प्रमुख कानूनी ढांचा मुख्यत:प्रष्टाचार निवारण अधिनियम,1988 (प्रेवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट,1988), लोकपाल एवं लोकायुक्त अधिनियम, 2013, केंद्रीय सतर्कता आयोग अधिनियम, 2003, केंद्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम, विभिन्न राज्य सेवा नियम, ऑल इंडिया सर्विसेज (डिसिप्लिन एंड अपील) रूल्स,1969,भारतीय न्याय संहिता (पूर्व में भारतीय दंड संहिता), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम (अब भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023) आदि से मिलकर बनता है। इन सभी का उद्देश्य लोकसेवकों को जवाबदेह बनाना और भ्रष्टाचार को दंडित करना है। किंतु व्यवहार में देखा गया है कि दोषसिद्धि की दर अपेक्षाकृत कम रहती है, जिसके कारण इन व्यवस्थाओं की प्रभावशीलता पर प्रश्न उठते हैं। साथियों, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम में सबसे अधिक चर्चा अभियोजन स्वीकृति (सेंशनस फॉर प्रोसेक्युशन) से जुड़ी रही है। किसी लोकसेवक के विरुद्ध मुकदमा चलाने से पहले सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक होती है। मूल उद्देश्य ईमानदार अधिकारियों को दुर्भावनापूर्ण मुकदमों से बचाना था,किंतु अनेक मामलों में यह प्रावधान संभवत मिली भगत से मुकदमा चलाने में देरी या अवरोध का कारण बनता है। कई बार स्वीकृति देने में महीनों अथवा वर्षों का समय लग जाता है, जिससे साक्ष्य कमजोर हो जाते हैं और जांच प्रभावित होती है। सुधार के रूप में यह विचार किया जा सकता है कि निर्धारित समय-सीमा के भीतर स्वीकृति न मिलने पर उसे स्वीकृत माना जाए तथा स्वीकृति प्रक्रिया को डिजिटल और पारदर्शी बनाया जाए।दूसरी बड़ी समस्या जांच और अभियोजन एजेंसियों के बीच समन्वय की कमी है। कई मामलों में जांच एजेंसी द्वारा एकत्रित साक्ष्य न्यायालय में अभियोजन के दौरान प्रभावी ढंग से प्रस्तुत नहीं किए जा पाते। गवाह मुकर जाते हैं, दस्तावेजी श्रृंखला टूट जाती है या तकनीकी त्रुटियों के कारण साक्ष्य स्वीकार्य नहीं रह जाते। परिणामस्वरूप आरोपी को संदेह का लाभ मिल जाता है।इसलिए विशेष भ्रष्टाचार न्यायालयों में प्रशिक्षित अभियोजकों, डिजिटल साक्ष्य विशेषज्ञों और वित्तीय जांच विशेषज्ञों की नियुक्ति आवश्यक है। साथियों, ऑल इंडिया सर्विसेज (डिसिप्लिन एंड अपील) रूल्स,1969 तथा अन्य सेवा नियमों का उद्देश्य प्रशासनिक अनुशासन बनाए रखना है। किंतु इन नियमों में भी कुछ ऐसे प्रावधान हैं जिनके कारण विभागीय कार्रवाई और आपराधिक मुकदमा अलग- अलग दिशाओं में चलते हैं। कई बार आपराधिक मुकदमा लंबित होने के बावजूद अधिकारी विभागीय प्रक्रिया में राहत प्राप्त कर लेते हैं। कुछ परिस्थितियों में निलंबन समाप्त हो जाता है, पदोन्नति पर विचार किया जाता है या सेवा लाभ बहाल हो जाते हैं। यद्यपि यह प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप हो सकता है, लेकिन जनता की दृष्टि में यह संदेश जाता है कि गंभीर आरोपों के बावजूद अधिकारी को लाभ मिल रहा है। इसलिए आवश्यक है कि गंभीर भ्रष्टाचार मामलों में अंतिम निर्णय तक पदोन्नति और संवेदनशील पदों पर नियुक्ति के संबंध में अधिक स्पष्ट और सटीकता से कठोर दिशानिर्देश बनाए जाएं। साथियों, भ्रष्टाचार मामलों में एक अन्य प्रमुख समस्या मुकदमों का अत्यधिक लंबा चलना है। कई मामलों में जांच, आरोपपत्र, सुनवाई और अंतिम निर्णय में दस से पंद्रह वर्ष तक लग जाते हैं। इस अवधि में गवाहों की स्मृति कमजोर हो जाती है, कुछ गवाह उपलब्ध नहीं रहते और साक्ष्य की गुणवत्ता प्रभावित होती है। न्यायिक विलंब अंतत: आरोपी और अभियोजन दोनों के लिए समस्या बन जाता है। इसलिए विशेष भ्रष्टाचारन्यायालयों को समयबद्ध सुनवाई की कानूनी बाध्यता दी जानी चाहिए, जैसा कि कुछ अन्य विशेष कानूनों में किया गया है।संपत्ति के अनुपातहीन अर्जन (डिस्प्रिपोरशनेट एसेट्स) के मामलों में भी कई बार तकनीकी विवाद उत्पन्न हो जाते हैं।आय के स्रोतों की व्याख्या, पारिवारिक संपत्ति, उपहार, निवेश तथा अन्य वित्तीय लेन-देन को लेकर लंबी बहस चलती है।आधुनिक वित्तीय अपराधों को देखते हुए वित्तीय फॉरेंसिक ऑडिट, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित लेन-देन विश्लेषण और डिजिटल संपत्ति ट्रैकिंग को कानूनी रूप से अधिक महत्व दिया जाना चाहिए। इससे भ्रष्टाचार के जटिल मामलों में जांच अधिक प्रभावी हो सकती है। साथियों, भ्रष्टाचार के मामलों में गवाह संरक्षण भी एक महत्वपूर्ण विषय है। कई बार शिकायतकर्ता या गवाह दबाव, भय या प्रलोभन के कारण अपने बयान बदल देते हैं। यदि गवाहों को पर्याप्त सुरक्षा, पहचान की गोपनीयता और कानूनी संरक्षण मिले तो अभियोजन की सफलता की संभावना बढ़ सकती है।विकसित देशों में व्हिसलब्लोअर संरक्षण प्रणाली ने भ्रष्टाचार उजागर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भारत में भी इस क्षेत्र में और अधिक मजबूती की आवश्यकता है।लोकपाल, लोकायुक्त और सतर्कता संस्थाओं की स्वतंत्रता भी भ्रष्टाचार-विरोधी व्यवस्था की सफलता का महत्वपूर्ण आधार है। यदि जांच एजेंसियां प्रशासनिक या राजनीतिक प्रभाव से मुक्त नहीं होंगी, तो जनता का विश्वास प्रभावित होगा।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

तेल-तिलहन बाजार में मिला-जुला रुख, सोयाबीन-पाम में गिरावट, सरसों में सुधार

अमेरिका-ईरान तनाव टलने से स्थानीय मांग प्रभावित; सोयाबीन, पाम और मूंगफली में नरमी, सरसों-बिनौला में सुधार

नई दिल्ली। एजेंसी। बीते सप्ताह तेल-तिलहन बाजारों में मिला-जुला रुख रहा। अमेरिका-ईरान के बीच युद्ध की आशंका टलने से स्थानीय मांग कमजोर पड़ी, जिससे सोयाबीन तेल, कच्चा पामतेल और पामोलीन के साथ-साथ मूंगफली तेल के दाम में गिरावट दर्ज की गई। वहीं सरसों और बिनौला तेल में मामूली सुधार देखा गया। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, कमजोर मांग और आयातकों की लागत से नीचे बिकवाली के कारण सोयाबीन तेल व पाम-पामोलीन तेल के दाम घटे। मूंगफली की गर्मी की फसल की आवक बढ़ने से भी इसकी कीमतों पर भारी दबाव रहा, जिससे मूंगफली तेल-तिलहन में नरमी आई। हालांकि, सरसों की कमजोर आवक के कारण इसके दाम में मामूली सुधार हुआ, जबकि नगण्य उपलब्धता के चलते बिनौला तेल में हल्की मजबूती दर्ज की गई। सोयाबीन तिलहन के दाम तेल रहित खल (डीओसी) की सामान्य मांग के कारण स्थिर बने रहे। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 25 रुपये के सुधार के साथ 7,675-7,700 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल 100 रुपये के सुधार के साथ 15,650 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल क्रमश- 5-5 रुपये के सुधार के साथ क्रमश- 2,585-2,685 रुपये और 2,585-2,730 रुपये टिन (15 किलो) पर मजबूत बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमश- 6,975-7,025 रुपये और 6,825-6,900 रुपये प्रति क्विंटल पर स्थिर रुख के साथ बंद हुए। दूसरी ओर दिल्ली में सोयाबीन तेल 100 रुपये की गिरावट के साथ 15,600 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 100 रुपये की गिरावट के साथ 15,550 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 50 रुपये की गिरावट के साथ 12,000 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। गर्मी की फसल आने के बीच बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 25 रुपये की गिरावट के साथ 6,575-7,150 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 220 रुपये की गिरावट के साथ 15,480 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 30 रुपये की गिरावट के साथ 2,460-2,760 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 125 रुपये की गिरावट के साथ 13,675 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 50 रुपये की गिरावट के साथ 15,550 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव भी 50 रुपये की गिरावट के साथ 14,350 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।कम उपलब्धता के बीच मांग बढ़ने से बिनौला तेल का दाम 50 रुपये के मामूली सुधार के साथ 16,000 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

अमेजन भारत में बढ़ाएगी रोबोटिक्स और ऑटोमेशन का उपयोग

नई दिल्ली। एजेंसी। ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन भारत में अपने परिचालन को और अधिक स्वचालित करने की तैयारी में है। कंपनी ने घोषणा की है कि वह देश के फुलफिलमेंट केंद्रों में उन्नत रोबोटिक्स और स्वचालन प्रौद्योगिकियों का विस्तार करेगी। अमेजन रोबोटिक्स के एक मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी ने बताया कि भारत के फुलफिलमेंट नेटवर्क में पहले से ही एसएलएएम (स्कैन, लेबल, अप्लाई, मैनिफेस्ट) लेबलर जैसी कई स्वचालित प्रणालियां मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी इनमें निवेश जारी रखेगी और भारतीय बाजार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। अमेजन ने अब तक भारत में 40 अरब डॉलर का निवेश किया है और 2030 तक अतिरिक्त 35 अरब डॉलर का निवेश करने की योजना बनाई है। उन्होंने लंदन में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि यूरोप में अगली पीढ़ी के 'प्रोटियस' रोबोट की तैनाती की जा रही है, जो कर्मचारियों को शारीरिक रूप से कठिन कार्यों में सहायता करेगा। उन्होंने संकेत दिया कि समय के साथ कंपनी अपनी रोबोटिक्स प्रौद्योगिकी का दायरा बढ़ाएगी और भविष्य में इसे अन्य क्षेत्रों में भी ले जाया जाएगा, जिससे भारत में भी इनकी तैनाती की उम्मीद है। कृत्रिम मेधा (एआई) और आपूर्ति श्रृंखला प्रौद्योगिकियों में निवेश पर ब्रैडी ने जिम्मेदार एआई विकास की आवश्यकता पर जोर दिया। हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि एआई के तेजी से विकसित होने के इस प्रारंभिक दौर में अत्यधिक नियमन नवोन्मेषण और प्रौद्योगिकी प्रगति को बाधित कर सकता है। उन्होंने कहा ?कि मैं नहीं चाहूंगा कि इस शुरुआती दौर में अत्यधिक नियामकीय वातावरण के कारण नवोन्मेषण प्रभावित हो।

सरकार ने प्याज खरीद मूल्य बढ़ाकर 16.50 रुपए किलो किया

नई दिल्ली। एजेंसी। सरकार ने प्याज किसानों को राहत देते हुए बफर स्टॉक कार्यक्रम के तहत प्याज की खरीद दर में बढ़ोतरी की घोषणा की है। अब यह 16.50 रुपए प्रति किलोग्राम (1650 रुपए प्रति क्विंटल) की दर से खरीदी जाएगी, जो पहले 15.80 रुपए प्रति किलोग्राम थी। यह संशोधित मूल्य शनिवार से प्रभावी हो गया है, जो किसानों की आय सुनिश्चित करने और बाजार में कीमतों को स्थिर रखने में सहायक होगा। यह कदम मूल्य स्थिरीकरण कोष (पीएसएफ) के तहत बफर स्टॉक कार्यक्रम का हिस्सा है, जिसके माध्यम से सरकार बाजार में संतुलन बनाए रखती है। केंद्रीय खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रल्हाद जोशी ने बताया कि मौजूदा मंडी कीमतों और भंडारण योग्य प्याज की गुणवत्ता के मद्देनजर यह फैसला हुआ। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि खरीद प्रक्रिया को बाजार की स्थितियों के हिसाब से बेहतर बनाने के लिए कीमत निर्धारण के तरीके में भी सुधार किया गया है। हालांकि, देश के सबसे बड़े प्याज उत्पादक महाराष्ट्र के किसान खेती की बढ़ती लागत का हवाला देते हुए 30 रुपए प्रति किलो की न्यूनतम खरीद कीमत की मांग कर रहे थे। इस साल सरकार का लक्ष्य दो लाख टन प्याज खरीद का है, जो पिछले वर्ष से कम है। केंद्र पहले भी दरें 12.70 रुपए से बढ़ाकर 15.80 रुपए प्रति किलो कर चुका है। मौजूदा सत्र की प्याज खरीद 15 मई को शुरू हुई थी।

वैश्विक संकेतों, फेड निर्णय और कच्चे तेल के रुख से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

मुंबई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार की दिशा इस सप्ताह मुख्य रूप से वैश्विक संकेतों, अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर संबंधी निर्णय और कच्चे तेल की कीमतों के रुख से निर्धारित होगी। विश्लेषकों का कहना है कि मई के महंगाई आंकड़े और अमेरिका-ईरान के बीच संभावित समझौते जैसे भू-राजनीतिक घटनाक्रम भी बाजार की धारणा को प्रभावित करेंगे। स्थानीय शेयर बाजार के लिए यह सप्ताह कई महत्वपूर्ण घटनाक्रमों से भरा रहने वाला है, जिनकी बदौलत बाजार की दिशा तय होगी। विश्लेषकों ने राय जताई है कि घरेलू स्तर पर मई माह के थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े महत्वपूर्ण रहेंगे। वैश्विक स्तर पर 16-17 जून को होने वाली अमेरिकी फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक और उसके निर्णय पर निवेशकों की करीबी नजर रहेगी। बाजार भागीदार फेडरल रिजर्व की

टिप्पणियां, महंगाई के दृष्टिकोण, आर्थिक वृद्धि के अनुमान और भविष्य में ब्याज दरों में कटौती के संकेतों का विश्लेषण करेंगे। इसके अतिरिक्त अमेरिका और ईरान के बीच रविवार को संभावित शांति समझौता बाजार के लिए एक अहम भू-राजनीतिक घटनाक्रम होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने समझौते पर हस्ताक्षर और रणनीतिक महत्व वाले होर्मुज जलडमरूमध्य को सभी के लिए तुरंत खोलने की बात कही है, हालांकि असफल होने पर नए हमलों की संभावना का संकेत भी दिया है। इस समझौते की उम्मीदों से ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों में पहले ही गिरावट आई है, जो भारत जैसे बड़े तेल आयातक देश के लिए एक अत्यंत सकारात्मक संकेत है। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की गतिविधियां भी बाजार की दिशा तय करेंगी। जून के पहले पखवाड़े में एफपीआई भारतीय शेयरों से 62,853 करोड़ रुपये से अधिक की निकासी कर चुके हैं। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों के अनुसार 2026 में अब तक एफपीआई भारतीय शेयर बाजार से कुल 2.87 लाख करोड़ रुपये निकाल चुके हैं।

ई100 ईंधन को हरी झंडी, भारत के ऊर्जा और कृषि क्षेत्र में नए युग की शुरुआत

नई दिल्ली। एजेंसी। भारत अपने ऊर्जा क्षेत्र में एक ऐतिहासिक बदलाव के मुहाने पर खड़ा है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने 100 प्रतिशत एथेनॉल (ई100) को वाहन ईंधन के रूप में कानूनी मंजूरी देने वाले नियमों पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। यह फैसला देश की तेल आयात निर्भरता को कम करने, स्वच्छ ईंधन को बढ़ावा देने और जैव ईंधन आधारित परिवहन व्यवस्था की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ई100 को मिली कानूनी मान्यता, खुले नए अवसर केंद्र सरकार लंबे समय से एथेनॉल आधारित ईंधन को बढ़ावा दे रही है, लेकिन अब 100 फीसदी एथेनॉल को पूर्ण कानूनी मान्यता मिल गई है। इससे ई100 के व्यावसायिक उपयोग और इसके लिए आवश्यक मानकों का मार्ग प्रशस्त हो गया है। यह कदम ऑटोमोबाइल कंपनियों के लिए भी नए अवसर लेकर आया है, क्योंकि उन्हें अब ऐसे इंजन विकसित करने होंगे जो पूरी तरह एथेनॉल पर चल सकें। कई कंपनियां फ्लेक्स-फ्यूल तकनीक वाले वाहनों के प्रोटोटाइप पहले ही पेश कर चुकी हैं और अब कानूनी स्पष्टता मिलने से इनका बड़े पैमाने पर उत्पादन और बाजार में उतारना आसान हो जाएगा। किसानों, अर्थव्यवस्था और पर्यावरण को लाभ इस नीति का सबसे बड़ा लाभ कृषि क्षेत्र को मिलने की उम्मीद है। गन्ना और मक्का जैसे कृषि उत्पादों का उपयोग एथेनॉल उत्पादन में होने से किसानों को अपनी उपज का अतिरिक्त बाजार मिलेगा, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। इसके साथ ही, ई100 के बढ़ते उपयोग से भारत की भारी तेल आयात निर्भरता कम होगी, जिससे बहुमूल्य विदेशी मुद्रा बचेगी। एथेनॉल को एक स्वच्छ ईंधन माना जाता है, जिससे वाहनों से निकलने वाले प्रदूषण और कार्बन उत्सर्जन में भी कमी आने की उम्मीद है, जो पर्यावरणीय लक्ष्यों को पूरा करने में सहायक होगा।

एडवांस टैक्स की पहली किस्त 15 जून तक जमा करें, चूकने पर लगेगा ब्याज

नई दिल्ली। एजेंसी। वित्त वर्ष 2026-27 के लिए एडवांस टैक्स की पहली किस्त जमा करने की अंतिम तिथि 15 जून है। आयकर विभाग ने उन सभी करदाताओं को इस तारीख तक अपनी अनुमानित कर देनदारी का 15 प्रतिशत हिस्सा जमा करने की सलाह दी है, जिनकी वर्षभर की कुल टैक्स देनदारी 10,000 रुपये से अधिक बनती है। पे ऐज यू अर्न सिद्धांत पर आधारित यह व्यवस्था करदाताओं को ब्याज और जुर्माने से बचने में मदद करती है, जिससे पूरे वर्ष में किस्तों के माध्यम से टैक्स भुगतान की सुविधा मिलती है। आयकर नियमों के अनुसार यदि किसी व्यक्ति की वित्त वर्ष के दौरान कुल अनुमानित टैक्स देनदारी, टीडीएस और टीसीएस को समायोजित करने के बाद, 10,000 रुपये से अधिक बनती है, तो उसे एडवांस टैक्स का भुगतान करना अनिवार्य है। इसमें वेतनभोगी कर्मचारी (जिनकी अन्य स्रोतों से आय जैसे पूंजीगत लाभ होती है), फ्रीलांसर, सलाहकार, किराये से आय अर्जित करने वाले मकान मालिक, फिक्स्ड डिपॉजिट से अधिक ब्याज कमाने वाले निवेशक तथा व्यावसायिक आय वाले वरिष्ठ नागरिक शामिल हैं। वित्त वर्ष 2026-27 के लिए एडवांस टैक्स चार चरणों में जमा किया जाना है- पहली किस्त 15 जून 2026 तक (कुल टैक्स का 15त्र), दूसरी 15 सितंबर 2026 तक (45 फीसदी), तीसरी 15 दिसंबर 2026 तक (75 फीसदी) और अंतिम किस्त 15 मार्च 2027 तक (100 फीसदी)। हालांकि, सभी करदाताओं पर यह नियम लागू नहीं होता। 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को एडवांस टैक्स से छूट प्राप्त है, बशर्ते उनकी कोई व्यवसायिक या पेशेवर आय न हो। यदि किसी वरिष्ठ नागरिक की आय व्यवसाय या प्रोफेशन से होती है, तो उन्हें भी अन्य करदाताओं की तरह एडवांस टैक्स जमा करना होगा। एडवांस टैक्स जमा करने की प्रक्रिया बेहद सरल है। करदाता आयकर विभाग के ई-फाइलिंग पोर्टल डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यूडाटइनकमटैक्सडाटजीओवीडाटइन के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान कर सकते हैं।

मेष- आज हर कदम सोच-समझकर बढ़ाने की जरूरत है, खासकर कारोबार और पैसों से जुड़े मामलों में। जल्दबाजी में लिया गया फैसला बाद में पछतावा दे सकता है। जीवनसाथी की भावनाओं को समझना और उनकी सेहत का ध्यान रखना रिश्तों में और मिठास घोलेगा। परिवार में चल रही कोई चिंता, खासकर संतान के विवाह को लेकर, धीरे-धीरे सुलझती दिखाई दे सकती है।

वृषभ- आज मेहनत का फल मिलने से मन संतुष्ट रहेगा और आर्थिक स्थिति भी मजबूत महसूस होगी। घर में पूजा-पाठ या धार्मिक माहौल बनाने का मन हो सकता है। बच्चों की संगति पर थोड़ा ध्यान देने की जरूरत है, क्योंकि छोटी लापरवाही आगे परेशानी बन सकती है। बेवजह की बहस से दूरी बनाए रखें, वरना मानसिक तनाव बढ़ सकता है।

मिथुन- आज मन थोड़ा उलझा हुआ रह सकता है और किसी पुराने कानूनी या जरूरी मामले को लेकर चिंता बनी रह सकती है। अच्छी बात यह है कि अधिकारियों का सहयोग मिलेगा और आपके काम की तारीफ भी होगी। कोशिश करें कि अपने महत्वपूर्ण काम खुद संभालें, क्योंकि दूसरों पर जरूरत से ज्यादा भरोसा नुकसान दे सकता है। अपनी निजी बातें हर किसी से साझा करने से बचें।

कर्क- आज दूसरों की मदद और अच्छे व्यवहार से समाज में आपकी पहचान मजबूत होगी। लंबे समय से रुकी चीजें धीरे-धीरे आगे बढ़ती नजर आएंगी। नौकरी और कार्यक्षेत्र में बोलचाल पर संयम रखना बहुत जरूरी है, क्योंकि आपके शब्द ही रिश्तों को बना या बिगाड़ सकते हैं। आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए किए गए प्रयास सफल होंगे। नई नौकरी या नए अवसर की तलाश कर रहे लोगों को भी उम्मीद की किरण दिखाई दे सकती है।

सिंह- आज का दिन ऊर्जा और उत्साह से भरा रहेगा। कार्यक्षेत्र में कुछ नया करने का विचार मन में आएगा और यही बदलाव आगे सफलता का कारण बन सकते हैं। विद्यार्थी पढ़ाई और प्रतियोगिता में पूरी मेहनत से जुटे रहेंगे। मौसम का असर सेहत पर पड़ सकता है, इसलिए लापरवाही न करें। परिवार में किसी शुभ कार्यक्रम की वजह से खुशियों का माहौल रहेगा। पुराने दोस्त से मुलाकात मन को खुश कर सकती है और सेवा या दान-पुण्य के कामों में भी रुचि बढ़ेगी।

कन्या- आज मेहनत और लगन आपका सबसे बड़ा सहारा बनेगी और अच्छे परिणाम भी दिलाएगी। जरूरतों और आराम की चीजों पर खर्च बढ़ सकता है, लेकिन इससे मन को संतोष मिलेगा। प्रेम संबंधों में मिठास बनी रहेगी और साथी के साथ अच्छा समय बिताने का मौका मिलेगा। विद्यार्थी पढ़ाई में अच्छा प्रदर्शन करेंगे और आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।

तुला- आज प्रगति और समृद्धि के अच्छे संकेत मिल रहे हैं। धन और सुविधाओं में बढ़ोतरी से मन खुश रहेगा। प्रभावशाली लोगों से मुलाकात भविष्य के लिए नए रास्ते खोल सकती है। आपकी सकारात्मक सोच आपको हर परिस्थिति में आगे बढ़ाएगी। प्रॉपर्टी खरीदने या निवेश की योजना भी बन सकती है। परिवार से किया गया कोई वादा निभाना जरूरी होगा।

वृश्चिक- आज धैर्य और समझदारी से काम लेना बेहद जरूरी होगा, क्योंकि जल्दबाज़ी नुकसान करा सकती है। आपका आत्मविश्वास और प्रभाव दोनों बढ़ेंगे। संतान के प्रति आपका सहयोग सराहा जाएगा। जीवनसाथी के साथ समय बिताने या छोटी यात्रा का मौका मिल सकता है, जिससे रिश्तों में ताजगी आएगी। नौकरी में सम्मान या पद बढ़ने से खुशी मिलेगी।

धनु- आज समझदारी और संतुलन के साथ आगे बढ़ने की जरूरत है। व्यापार में फंसा हुआ पैसा वापस मिलने की संभावना है, जिससे राहत महसूस होगी। संतान के करियर को लेकर थोड़ी चिंता रह सकती है, लेकिन सही सलाह से रास्ता निकल आएगा। परिवार के बड़े सदस्य से कोई शुभ समाचार या उपहार मिल सकता है। काम के प्रति लापरवाही बिल्कुल न करें, क्योंकि आपकी मेहनत ही आपको पहचान दिलाएगी।

मकर- आज धैर्य और शांति बनाए रखना आपके लिए सबसे ज्यादा जरूरी रहेगा। जीवनसाथी का सहयोग भावनात्मक मजबूती देगा। वाहन चलाते समय विशेष सावधानी रखें। कुछ अचानक खर्च सामने आ सकते हैं, इसलिए बजट संभालकर चलना बेहतर रहेगा। परिवार में चल रही कोई बहस या गलतफहमी खत्म होने से माहौल शांत होगा। माता की सेहत पर खास ध्यान देने की जरूरत है।

कुंभ- आज लाभ के कई अवसर सामने आ सकते हैं, लेकिन जल्दबाज़ी से बचना जरूरी होगा। नौकरी या रोजगार की तलाश कर रहे लोगों को अच्छी खबर मिल सकती है। योजनाबद्ध तरीके से किया गया काम सफलता दिलाएगा। किसी नए काम की शुरुआत का विचार मजबूत होगा, लेकिन निवेश सोच-समझकर करें। घर में किसी मेहमान के आने से रौनक और खुशी का माहौल बना रहेगा।

मीन- आज कुछ चुनौतियां सामने आ सकती हैं, लेकिन आपकी आस्था और सकारात्मक सोच आपको संभाल लेगी। धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यों में मन लगेगा, जिससे मानसिक शांति मिलेगी। सेहत को नजरअंदाज करना परेशानी बढ़ा सकता है। यदि कर्ज लेने की योजना बना रहे थे, तो परिस्थितियां आपके पक्ष में बन सकती हैं। किसी भी काम में जल्दबाजी न करें, क्योंकि धैर्य से किया गया प्रयास ही सफलता देगा।

शब्दजाल - 8290

श	न	मे	रि	क	पा	तू	फ	रु	ही	क
न	ख	क	ह	इं	डे	ने	त	या	ड़	क
अ	दा	जा	ला	ल	ग	स	जु	ह	प	का
आ	ग	ल	पा	ब	औ	स	र्बा	ह	लि	ल
वा	ना	ह	न	य	ज	र	कि	या	प	का
रा	इ	इ	थ	व	प	वा	बं	ह	यु	बां
जिं	ज	ल	ह	क	प	रि	न	दू	प	ग
द	रि	भा	र	त	ड़ी	स	रा	ल	क	ला
जी	या	स	ज	मी	न	आ	स	मा	न	दे
प	बे	प	ना	ह	सिं	ब	स	अ	प	श
या	स	ए	क	ही	भू	ल	ता	प	क	र

शब्द जाल में 'मजहर खान' की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

शान, आवारा जिंदगी, हल और बंदूक, तजुर्बा, जमीन आसमान,हथकड़ी, कालका, एक ही भूल, बेपनाह, रुही

शब्दजाल - 8289 का हल

फिल्म वर्ग पहेली - 7234

बायें से दायें:-

१. 'तू सामने जब आता' गीत वाली शाहरुख, माधुरी की फिल्म-३
४. शाहरुख, ट्विंकल की 'आशिक हूँ मैं कातिल भी' गीतवाली फिल्म-४
७. 'आके चली बाकि चली' गीत वाली संजीव कुमार, शर्मिला टैगोर, शबाना आजमी की फिल्म-४
१०. 'दिल चीज क्या है' गीत वाली 'उमराव जान' की नायिका-२
१२. राजेंद्र कुमार, माला की 'जिसके सपने हमें' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'मैं तुझ से मिलने आई' गीत वाली सुनीलदत, आशा की फिल्म-२
१५. अक्षयकुमार, रवीना की 'टिप टिप बरसा पानी' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'संभाला है मैं ने' गीत वाली मिथुन, अतुल, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१७. जैकी, रति अग्निहोत्री की 'छोड़ो मुझे छोड़ों' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'हुतुतु' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी?-२
२३. 'ये रेशमी जुल्फें' गीत वाली राजेश, मुमताज की फिल्म-१,२
२४. मिथुन, चंकी, रितुपर्णा, सोमी अली की १९९४ की एक फिल्म-३,२
२७. 'बनाके क्यूं बिगाड़ा रे' गीत वाली अमिताभ, जया की फिल्म-३
३०. जीतेंद्र, रामेश्वरी की 'काहे बिंदिया लगाई' गीतवाली फिल्म-३
३२. 'एक लड़की जिसके होठों' गीत वाली संजय, जैकी, शिल्पा की फिल्म-२
३३. सनी, संजय, रवीना, दिव्या की 'दिल ना किसी का' गीत वाली फिल्म-३
३४. 'तू प्यार का सागर है तेरी इक बूंद के प्यासे हम' गीत वाली बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'तन्हा तन्हा दिल' गीत वाली फिल्म-३
२. 'कहना है तुमसे कहना' गीत वाली आमिर, मनीषा की फिल्म-२
३. फिल्म 'मिलन' में मनीषा कोईराला के साथ नायक का नाम-२
५. 'दिल ही दिल में' गीत वाली विवेक ओबेराय, दिया की फिल्म-२
६. बॉबी, अक्षय, अमीषा की 'दिल ने कर लिया' गीत वाली फिल्म-४
८. 'ठहरो तो सही सोचो तो' गीत वाली गोविंदा, मनीषा की फिल्म-४
९. ऋषि, श्रीदेवी की 'भूली बिसरी प्रेम कहानी' गीत वाली फिल्म-३
११. राजेश खन्ना, धर्मेंद्र, वहीदा की फिल्म-३
१३. 'हसीना गोरी गोरी' गीत वाली फिल्म-३
१८. फिल्म 'खानदान' की नायिका कौन थी-३
१९. 'मैं प्यासा तुम सावन' गीतवाली फिल्म-३
२०. 'हम साथ साथ हैं' में सोनाली के पिता की भूमिका किसने की थी?-३,२
२१. 'इन आँखों को आशिक' गीत वाली राजेश, सुलक्षणा की फिल्म-२
२५. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की एक सस्पेंस फिल्म-२
२६. 'धीरे धीरे आप मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२७. फरदीन, उर्मिला की फिल्म-३
२८. 'गोरी जो मटके' गीत वाली फिल्म-३
२९. सनी, मीनाक्षी की 'सोचना क्या जो भी होगा' गीत वाली फिल्म-३
३१. संजीवकुमार, रेखा, मौसमी चटर्जी की १९८१ की एक फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 7233

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

15 जून 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	05.19 बजे से
चंद्र	वृष में	कर्क	07.33 बजे से
मंगल	मेष में	सिंह	09.49 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या	12.01 बजे से
गुरु	कर्क में	तुला	14.11 बजे से
शुक्र	कर्क में	वृश्चिक	16.26 ब.से
शनि	मीन में	धनु	18.42 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	20.47 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	22.34 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		मीन	00.07 बजे से
		मेष	01.37 बजे से
		वृष	03.17 बजे से

सोमवार 2026 वर्ष का 166 वा दिन
दिशाशूल पूर्व ऋतु वर्षा।
विक्रम संवत् 2083 शक संवत् 1948
मास ज्येष्ठ पक्ष कृष्ण
तिथि अमावस्या 08.24 बजे तदनन्तर प्रतिपदा 04.31 बजे प्रात: को समाप्त।
नक्षत्र मृगशीर्ष 19.09 बजे को समाप्त।
योग शूल 08.56 बजे तदनन्तर गण्ड 04.39 बजे प्रात: को समाप्त।
करण नाग 08.24 बजे, किंस्तुघ्न 18.27 बजे तदनन्तर बव 04.31 बजे प्रात: को समाप्त। चन्द्रायु 24.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 18'
सूर्य उत्तरायन कलि अहर्गण 1872741
जूलियन दिन 2461206.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्हेज तारीख 29
विशेष स्नानदान सोमवती अमावस्या।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: नागरिक का कर्तव्य

लीबिया के लिबलिस शहर के एक प्रमुख अस्पताल मे अलगअलग वार्डों मे मरीजों को मुख्य डाक्टर के आने का इंतजार था। नर्स, कंपाउंडर आदि बेंचों पर शांति से बैठे थे लेकिन लंबे कद का एक आदमी लंबा चोगा पहने, चहलकदमी करता हुआ प्रत्येक स्थान और वस्तु का गहराई से निरीक्षण कर रहा था, तभी अपनी ओर आते बड़े डाक्टर को देख कर वह व्यक्ति ठिठका। डाक्टर ने पूछा, "ऐ मिस्टर, कौन हो तुम? यहां क्या कर रहे हो?" वह व्यक्ति बोला, "डाक्टर, मेरे पिता बहुत बीमार हैं।" इस पर डाक्टर बोला, "बीमार हैं तो उन्हें यहां भरती कराओ।" "वह बहुत कमजोर हैं। उन्हें यहां लाना संभव नहीं है। आप चलिए डाक्टर," उस व्यक्ति ने आदरपूर्वक कहा। लेकिन डाक्टर ने उसे झिड़क दिया, "क्या बेहूदगी है? मैं तुम्हारे घर कैसे जा सकता हूं?" "भले ही रोगी मर जाए, फिर भी आप नहीं जा सकते?" वह व्यक्ति बोला। डाक्टर ने उसे डांटते हुए कहा, "ज्यादा बोलने की जरूरत नहीं है। तुम्हें मालूम नहीं कि तुम किस से बात कर रहे हो। चीफ सिविल सर्जन से इस तरह बात की जाती है?" यह सुन कर वह व्यक्ति तिलमिला गया। इस का उस ने सख्ती से उत्तर दिया, "मैं ने अभी तक तो बहुत शराफत बरती है, लेकिन मुझे तुम से बात करने का ढंग सीखने की जरूरत नहीं है डाक्टर। तुम भी नहीं जानते कि तुम किस से बात कर रहे हो।" अब डाक्टर का पारा चढ़ गया। उसने अस्पताल के वार्ड अटेंडेंट को पुकार कर कहा, "इस पागल को पागलखाने भिजवा दो।" जैसे ही अटेंडेंट आगे बढ़ा, उस लंबे व्यक्ति ने अपना चोगा उतार फेंका। डाक्टर ने देखा, सामने कोई साधारण व्यक्ति नहीं बल्कि सैनिक वरदी में एक रोबदार कर्नल खड़ा था। अब तो डाक्टर भी खुद सकपका गया। अपने देश के राष्ट्रपति कर्नल गद्दाफी को सामने देख कर उस के होश उड़ गए। कर्नल गद्दाफी ने आदेश दिया, डाक्टर, अब तुम्हारे लिए लीबिया में कोई जगह नहीं है। मैं एक अस्पताल का नहीं, पूरे देश का अनुशासित सेनापति और कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी हूं। जो लोग अपना कर्तव्य निभाना नहीं जानते, उन्हें इस देश में रहने का कोई हक नहीं।" राष्ट्रपति के आदेश पर तत्काल अमल हुआ और सबक मिला कि राष्ट्र सेवा प्रत्येक नागरिक का सर्वोच्च कर्तव्य है।

सूडोकु नवताल- 7543

★★★★☆ मध्यम

8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7542 का हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8758

बाएँ से दाएँ

1.प्रार्थना,खुशामद-4
4.श्मशान,शवदाहगृह-4
6.भ्रमर,चक्र-3
8.कामदेव,सुंदर-3
9.चांदी-3
11.सितारा-2
13.राजकुमार,मनोज कुमार, वहीदा रहमान की फिल्म-5
15.हालात,तबियत-2
16.फिजूल,व्यर्थ-3
18.डिपो-3
19.गमन,विदा-3
20.झगड़ा,अनबन-4
22.लुंगी-4

ऊपर से नीचे

1.आलता,माहुर-4
2.घाटा,नुकसान-2
3.कमल,जलज-3
4.अभिष्ट इच्छा,चाह-5
5.टक्कर,मुठभेड़-4
7.रात्रि,निशा-3
10.जरूरतमंद-5
12.हाथी साधने वाला-4
14.तरंग,हिलोर-3
17.कसरत,परेड-4
18.विश्राम,राहत-3
21.मार्ग,पथ-2

शब्द पहेली -8757 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

श्री मांझी अंतरराष्ट्रीय समाजवाद आदिवासी किसान सैनिक की पुत्री सुश्री सुशीला वरकड़े बनीं सहायक प्राध्यापक

पद्मेश न्यूज लांजी।

ग्रामीण क्षेत्र की बेटी सुश्री सुशीला वरकड़े ने कठिन परिस्थितियों में भी अपनी मेहनत और दृढ़ संकल्प से सफलता हासिल की है। श्री मांझी अंतरराष्ट्रीय समाजवाद आदिवासी किसान सैनिक की सुपुत्री सुश्री सुशीला वरकड़े ने मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) की सहायक प्राध्यापक परीक्षा 2024 उत्तीर्ण कर भूगोल विषय में सहायक प्राध्यापक पद पर चयनित हुई हैं।

शिक्षा की यात्रा

सुश्री सुशीला वरकड़े का जन्म आदिवासी किसान सैनिक तहसील कार्यालय शाखा साडरा (पोस्ट साडरा, थाना/तहसील लांजी, जिला बालाघाट, मध्य प्रदेश) के अंतर्गत उपक्षेत्र कार्यालय शाखा बकरामुंडी में हुआ। उनके पिता श्री झनकराम वरकड़े जी इस संगठन के कोषाध्यक्ष हैं। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा शासकीय प्राथमिक शाला बकरामुंडी से प्राप्त की। माध्यमिक शिक्षा शासकीय माध्यमिक शाला लांजी से तथा हाई स्कूल एवं उच्च माध्यमिक शिक्षा शासकीय कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय लांजी से पूरी की। इसके बाद स्नातक (बी.ए.) एवं स्नातकोत्तर (एम.ए.) की शिक्षा शासकीय महाविद्यालय लांजी से प्राप्त की। स्नातकोत्तर की डिग्री पूरी करने के बाद वे सिविल सेवाओं की तैयारी कर रही थीं। वर्ष 2020-21 में स्नातकोत्तर पूरा होने के बाद रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर द्वारा अक्टूबर

2023 में स्नातकोत्तर में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने पर उन्हें स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। इसके बाद उन्होंने यूजीसी नेट और एमपीएसईटी की परीक्षा दिसंबर 2024 में उत्तीर्ण की और एमपीपीएससी सहायक प्राध्यापक (भूगोल) परीक्षा भी सफलतापूर्वक पास कर ली।

सफलता का श्रेय

सुश्री सुशीला वरकड़े ने अपनी इस उपलब्धि का पूरा श्रेय अपने माता-पिता, महाविद्यालयीन शिक्षकों (खासकर भूगोल विषय के प्राध्यापक श्री टिकेश्वर सर), श्री मांझी अंतरराष्ट्रीय समाजवाद आदिवासी किसान सैनिक संगठन, महिला मंडल और सभी शुभचिंतकों को दिया है। उन्होंने कहा कि संसाधनों की कमी, सामाजिक दबाव और अनेक चुनौतियों के बावजूद उनके माता-पिता ने उन्हें शिक्षा के लिए प्रेरित किया। उनके माता-पिता का मानना है कि 卐बेटियाँ आत्मनिर्भर बनें, जीवन में ऊँचाइयाँ छुएँ और परिवार व समाज का नाम रोशन करें। शिक्षा ही बदलाव की असली ताकत है।

ग्रामीण बेटियों के नाम संदेश

सुश्री सुशीला वरकड़े ने विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्र की बेटियों से अपील की है- सपने देखो, मेहनत करो, थोड़ा धैर्य रखो। असफलताओं से सीखकर फिर से प्रयास करो। संसाधन कम होने पर भी पढ़ाई कभी मत छोड़ो। बेटियाँ पढ़ेंगी तभी समाज आगे बढ़ेगा। अभिभावकों से मेरी अपील है कि बेटियों को बोझ न समझें, उन्हें पंख दें। शिक्षा से ही आत्मनिर्भरता और सम्मान मिलता है।

संगठन की बधाई

सुश्री सुशीला वरकड़े के चयन पर श्री मांझी अंतरराष्ट्रीय समाजवाद आदिवासी किसान सैनिक कार्यालय, रणजीत सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110002 तथा आदिवासी किसान सैनिक तहसील कार्यालय शाखा साडरा की ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी गई हैं।

तहसील अध्यक्ष-होमेश्वर घोरमारे, तहसील सचिव-समारूलाल घोरमारे, क्षेत्र अध्यक्ष-संपतसिंह पंद्रे, रामदास मलगाम, उपक्षेत्र अध्यक्ष-मानिकलाल वरकड़े, उपक्षेत्र कोषाध्यक्ष-झनकराम वरकड़े साथ ही धनीराम उईके, मोहनलाल कुंभरे, रोहित मड़ावी, तिजलाल मसराम, अमीलाल टेकाम, बारेलाल मड़ावी, रूपलाल टेकाम, देवेंद्र पंद्रे, ईश्वर टेकाम, सुखदास मसराम, अनिल उईके, बैसाखू पंद्रे, बिदेसिंह मसराम, चैंनसिंह उईके, फूलचंद मसराम, फुलेसिंह उईके, खेमचंद नाईक, मोहरलाल पंद्रे, राजकुमार पंद्रे, सालिकराम उईके, शेरसिंह सिरसाम, शेरसिंह पंद्रे, श्यामलाल टेकाम, सुंदरलाल सिरसाम, सुनील उईके, सूरज मसराम, बसंती इनवाती सहित सभी सैनिक गण एवं महिला मंडल सदस्यों ने हार्दिक बधाई दी है। जिले में इस सफलता पर हर्ष का माहौल है। सुश्री सुशीला वरकड़े की यह उपलब्धि ग्रामीण क्षेत्र की उन सभी बेटियों के लिए प्रेरणादायक उदाहरण है जो शिक्षा के माध्यम से अपना भविष्य संवारना चाहती हैं।

लांजी-आमगांव मार्ग पर बांस की झाड़ियों ने बढ़ाई दुर्घटना की आशंका

पद्मेश न्यूज लांजी। लांजी-आमगांव मुख्य मार्ग पर ग्राम दहेगांव साडरा के बीच नहर के समीप बांस की रांझ (झाड़ी) की टहनियां सड़क तक फैल गई हैं, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों की जान को खतरा पैदा हो गया है। बार-बार शिकायतों के बावजूद कई बार छोटी-मोटी दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन बड़े हादसे को टलते-टलते बचा है। एक स्थानीय निवासी ने कहा, रात में या बारिश में सड़क से सटी ये बांस की टहनियां वाहन चालकों के लिए मौत का जाल बन गई हैं। हमने कई बार विभाग को सूचित किया, लेकिन

लोक निर्माण विभाग और पंचायत की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। लांजी-आमगांव मार्ग अति व्यस्त माना जाता है। इस मार्ग पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में दोपहिया, चारपहिया और भारी वाहन आवागमन करते हैं। सड़क किनारे उगी बांस की रांझ की झुकी हुई टहनियां अब मुख्य सड़क तक पहुंच गई हैं। खासकर रात के समय और बरसात के मौसम में यह समस्या और विकराल रूप ले लेती है। अंधेरे में वाहन चालक अचानक इन टहनियों से बचने के चक्कर में संतुलन खो बैठते हैं, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। स्थानीय लोगों ने बताया कि कोई सुनवाई नहीं हो रही है। ग्रामीणों और नियमित राहगीरों ने लोक निर्माण विभाग तथा संबंधित पंचायत से मांग की है कि बांस की इस रांझ को तुरंत हटाया जाए या व्यवस्थित किया जाए, ताकि किसी बड़ी दुर्घटना से पहले समस्या का समाधान हो सके। उन्होंने प्रशासन से अपील की है कि जनहित में तत्काल कार्रवाई कर मार्ग को सुरक्षित बनाया जाए। यह समस्या केवल लांजी-आमगांव मार्ग तक सीमित नहीं है। जिले के कई मुख्य मार्गों पर ऐसे झाड़-झंखाड़ समय रहते साफ न किए जाने के कारण दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है।

विश्व रक्तदाता दिवस पर कोबरा बटालियन कैम्प मे रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल 7 वीं बटालियन द्वारा बडगाँव, 208 कोबरा कैम्पस में आज दिनांक 14/06/2026 को विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर बटालियन के कमाण्डेन्ट श्री कपिंग गिल द्वारा उपस्थित अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों और जवानों को अपने परिवार, दोस्तों, रिश्तेदारों, सहयोगियों और जनता को नियमित, स्वैच्छिक अवैतनिक रक्तदान के बारे में जागरूक किया गया तथा बिना किसी लोभ-लालच के, जाति-धर्म के भेदभाव से मुक्त होकर रक्तदान करने के लिए "शपथ" दिलाया गया तथा अपने संबोधन में रक्तदान से होने वाले जीवनदान के बारे में विस्तार रूप से बताया। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत इस बटालियन द्वारा बडगाँव, 208 कोबरा कैम्पस में रकतदान शिविर भी लगाया गया जिसमें श्री कपिंग गिल, कमाण्डेन्ट, श्री भारद्वाज राजेश हरी प्रसाद, द्वितीय कमान अधिकारी श्री तनवीर, जमाल, द्वितीय कमान अधिकारी, डॉ सानिया अमित मलानी, वरीष्ठ चिकित्सा अधिकारी, डॉ विवेक द्विवेदी, चिकित्सा अधिकारी, श्री सुरेन्द्र नाथ, सहा. कमाण्डेन्ट एवं बटालियन के समस्त जवानों नें बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया एवं रक्तदान किया।

किरनापुर में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी का सृजन संगठन अभियान सम्मेलन आयोजित

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के आह्वान पर चलाए जा रहे सृजन संगठन अभियान के तहत आज किरनापुर में ब्लॉक स्तरीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं का एक विशाल सम्मेलन राणा हनुमान सिंह कॉलेज किरनापुर में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आगामी चुनावों के मद्देनजर संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करना और प्रत्येक बूथ तक कांग्रेस की रीति-नीति को पहुंचाना है।

मुख्य अतिथि और वक्ता

सम्मेलन में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय सचिव सुश्री हीना कावरे वरिष्ठ कांग्रेस पदाधिकारी एवं नेता, जिला पदाधिकारी और ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष यूसुफ पटेल मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व परिवहन मंत्री स्वर्गीय लिखीराम कावरे के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर की गई।

सम्मेलन की मुख्य बातें और रणनीति

बूथ स्तर पर मजबूती - वक्ताओं ने जोर देकर कहा कि पार्टी की असली ताकत उसके जमीनी कार्यकर्ता हैं। सृजन संगठन अभियान के तहत हर गांव और हर बूथ पर सक्रिय कमेटियों का गठन किया जाएगा। जनता की आवाज बनना- वरिष्ठ नेताओं ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे स्थानीय मुद्दों के अलावा महंगाई, बेरोजगारी और किसानों की समस्याओं को लेकर जनता के बीच जाएं और मुखर होकर आवाज उठाएं।

नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत

इस अवसर पर संगठन में नई जिम्मेदारी पाने वाले ऊर्जावान कार्यकर्ताओं का स्वागत किया गया। साथ ही पंचायत समिति के नव नियुक्त पदाधिकारीयों को नियुक्ति पत्र भी वितरित किए गए।

वरिष्ठ नेताओं का संदेश

कांग्रेस सिर्फ एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि एक विचारधारा है। सृजन संगठन अभियान के माध्यम से हम अपने पुराने और नए कार्यकर्ताओं को एक सूत्र में पिरोकर संगठन को अभेद्य दीवार की तरह मजबूत बनाएंगे।

कार्यकर्ताओं मे दिखाई दिया भारी उत्साह

इस सम्मेलन में किरनापुर ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले विभिन्न ग्राम पंचायतों से बड़ी संख्या में , युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस और एनएसयूआई के पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यकर्ताओं ने गगनभेदी नारों के साथ पार्टी के प्रति अपनी निष्ठा दोहराई और आगामी दिनों में पूरी ऊर्जा के साथ क्षेत्र में जुटने का संकल्प लिया। वहीं कार्यक्रम के अंत में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष यूसुफ पटेल द्वारा उपस्थित सभी अतिथियों, वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया गया।

शराब दुकान के बाजू में नियम विरुद्ध संचालित हो रहे आहतें - आबकारी विभाग मूकदर्शक

पद्मेश न्यूज लांजी। क्षेत्र के साडरा, कारंजा, लाड़सा शराब दुकानों के ठीक बगल में खुलेआम नियम विरुद्ध आहता चलाये जा रहे है। यहां शराब पीने वाले लोगों के लिए कुर्सियां, टेबल और छाया व पानी की व्यवस्था की गई है, जो शराब दुकान के लाइसेंस नियमों का सीधा उल्लंघन है। आबकारी विभाग के नियमों के अनुसार दुकान परिसर के बाहर शराब

पीने की अनुमति नहीं है, लेकिन साडरा, कारंजा, लाड़सा शराब दुकानों के संचालक इस आहता के जरिए अतिरिक्त कमाई कर रहे हैं। सुरा प्रेमी खुलेआम यहां बैठकर शराब का आनंद ले रहे हैं और दुकान मालिक अतिरिक्त वसूली के साथ-साथ इस अवैध आहता से भी मुनाफा कमा रहे हैं। स्थानीय लोगों और जिम्मेदार नागरिकों ने इस तरह शराब दुकानों के बगल से संचालित अवैध आहतों पर तुरंत कार्रवाई की मांग की है। आबकारी विभाग की आंखों पर अब भी पट्टी बंधी हुई है या यह भी 卐कंपनी का रेट卐 वाला मामला बन गया है, यह देखना दिलचस्प होगा।

तहसील बौद्ध संघ लांजी का पुनर्गठन सम्पन्न, पदाधिकारियो को सौपी गई जिम्मेदारियां

पद्मेश न्यूज। लांजी। रविवार को प्रज्ञा दीप बुद्ध विहार, अंबेडकर चौक, लांजी मे एक गरिमामय एवं ऐतिहासिक बैठक का आयोजन कर जिला बौद्ध संघ की तहसील शाखा लांजी का पुनर्गठन किया गया।वर्षों से प्रतीक्षित इस महत्वपूर्ण पुनर्गठन ने लांजी क्षेत्र के बौद्ध समाज में नई आशा, नई ऊर्जा और संगठनात्मक सशक्तिकरण का संदेश दिया है।बताया गया कि यह केवल एक संगठनात्मक प्रक्रिया नहीं थी, बल्कि समाज को एक नई दिशा देने, बौद्ध धम्म के प्रचार-प्रसार को गति प्रदान करने तथा सामाजिक एकता को मजबूत करने का संकल्प समारोह था। लंबे समय बाद तहसील स्तर पर संगठन का पुनर्गठन होने से उपस्थित उपासक-उपासिकाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं धम्मानुयायियों में विशेष उत्साह एवं हर्ष का वातावरण देखने को मिला। बैठक में सर्वसम्मति से लांजी तहसील के लोकप्रिय सामाजिक कार्यकर्ता एवं समाजसेवी चंद्रदीप रामटेके को तहसील बौद्ध संघ लांजी का अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। उनके नेतृत्व में संगठन नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा, ऐसा विश्वास उपस्थित समाजबंधुओं ने व्यक्त किया।बताया गया कि श्री रामटेके समाज के बीच सक्रियता, समर्पण एवं सेवा भावना के लिए विशेष रूप से पहचाने जाते हैं।इसी प्रकार सर्वसम्मति से रविन्द्र बांगरे को उपाध्यक्ष, अंजीत भालेकर को महासचिव, दिलीप रामटेके को कोषाध्यक्ष तथा धर्मजीत खोबरागड़े को सहसचिव पद की जिम्मेदारी सौंपी गई।वहीं प्रकाश मेश्राम एवं सुरेन्द्र वाहने को संगठन का सदस्य मनोनीत किया गया।पुनर्गठन प्रक्रिया को पूर्ण निष्पक्षता एवं लोकतांत्रिक तरीके से सम्पन्न कराने के लिए बालाघाट जिला बौद्ध संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एस.आर. उके एवं जिला कोषाध्यक्ष अरुण

भालेकर ने मनोनयन अधिकारी के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।बैठक की अध्यक्षता बालाघाट जिला बौद्ध संघ के जिलाध्यक्ष सचिन मेश्राम ने की। उन्होंने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि संगठन की मजबूती समाज की मजबूती है और आज लांजी तहसील में जो नई शुरुआत हुई है, वह आने वाले समय में पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी।बैठक का सफल संचालन सर्कल बौद्ध संघ भरवेली के अध्यक्ष डॉ. अशोक डोंगरे द्वारा किया गया। उन्होंने संगठन की आवश्यकता, धम्म कार्यों के विस्तार तथा युवा पीढ़ी को जोड़ने के महत्व पर प्रकाश डाला।इस अवसर पर सर्कल बौद्ध संघ भरवेली के उपाध्यक्ष मिलिंद भालेकर, ग्रामीण बौद्ध संघ आंवलाझारी अध्यक्ष प्रदीप भिमटे, सर्कल बौद्ध संघ भरवेली के विशेष सदस्य इंजी. प्रभात डोंगरे तथा बालाघाट जिला बौद्ध संघ दमोह से छबीलाल कोल्हेकर सहित अनेक वरिष्ठ एवं सक्रिय धम्म कार्यकर्ताओं की गरिमामयी उपस्थिति रही।

संगठन विस्तार का संकल्प

बैठक में उपस्थित वक्ताओं ने इस बात पर विशेष बल दिया कि लांजी तहसील बौद्ध संघ केवल एक समिति बनकर सीमित न रहे, बल्कि यह बौद्ध समाज के प्रत्येक परिवार तक पहुंचे। इसके लिए अधिक से अधिक उपासक-उपासिकाओं को संगठन से जोड़ने, युवाओं को नेतृत्व में आगे लाने तथा महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का संकल्प लिया गया।नवनियुक्त कार्यकारिणी से समाज की बड़ी अपेक्षाएं हैं। यह कार्यकारिणी भगवान बुद्ध, महामानव डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर तथा महास्थविर चंद्रमणी महाथेरो के मानवतावादी विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेगी।साथ ही धम्म शिक्षा,समता, बंधुत्व,सामाजिक जागरूकता, और संगठनात्मक एकता के माध्यम से समाज को नई दिशा प्रदान करेगी।बताया गया कि लांजी तहसील बौद्ध संघ का यह पुनर्गठन केवल पदाधिकारियों के चयन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज के पुनर्जागरण का शुभारंभ है। नवनियुक्त पदाधिकारियों के चेहरे पर जो उत्साह और प्रतिबद्धता दिखाई दी, वह इस बात का संकेत है कि आने वाले समय में तहसील के प्रत्येक ग्राम तक संगठन का विस्तार किया जाएगा।तहसील कार्यकारिणी का प्रमुख लक्ष्य रहेगा कि प्रत्येक क्षेत्र में सर्कल बौद्ध संघ एवं ग्रामीण बौद्ध संघ का गठन कर संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत बनाया जाए। जब गांव-गांव में संगठन की इकाइयां सक्रिय होंगी, तब धम्म, शिक्षा, सामाजिक जागरूकता और एकता का संदेश और अधिक प्रभावी ढंग से समाज तक पहुंचेगा।

रानी दुर्गावती प्रगति पथ से बदली जबलपुर की तस्वीर

केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने गिनाईं मोदी सरकार की उपलब्धियां

जबलपुर। एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रविवार को केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग तथा इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्रीजितिन प्रसाद और प्रदेश के लोक निर्माण मंत्रीराकेश सिंह ने जबलपुर में विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने विकास कार्यों, पर्यावरण संरक्षण और जनसंपर्क अभियान से जुड़े कार्यक्रमों में सहभागिता करते हुए केंद्र और राज्य सरकार की उपलब्धियों को जनता के सामने रखा।

रानी दुर्गावती प्रगति पथ यात्रा में विकास कार्यों की सराहना

रानी दुर्गावती प्रगति पथ यात्रा को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास, सुशासन और स्थिरता के नए आयाम स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि लगातार तीसरी बार केंद्र में सरकार बनने से देश को मजबूत और दूरदर्शी नेतृत्व प्राप्त हुआ है, जिसके चलते विकसित भारत-2047 की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में तेजी से कार्य हो रहा है। उन्होंने रानी दुर्गावती प्रगति पथ परियोजना की सराहना करते हुए कहा कि लगभग7 किलोमीटर लंबे इस सेतु ने जबलपुर के शहरी विकास को नई पहचान दी है। यह परियोजना आधुनिक भारत की आधारभूत संरचना निर्माण क्षमता का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि आज विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर भारत में साकार हो रहा है और यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संभव हुआ है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जहां दुनिया के कई देश अस्थिरता और संघर्षों का सामना कर रहे हैं, वहीं भारत एक स्थिर, सशक्त और विश्वसनीय राष्ट्र के रूप में उभरा है। उन्होंने युवाओं के लिए केंद्र सरकार द्वारा शिक्षा, रोजगार, तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों का भी उल्लेख किया। इस अवसर पर सांसद आशीष दुबे, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, विधायक अभिलाष पाण्डेय, नगर निगम अध्यक्ष रिंकुंज विज, भाजपा प्रभारी आलोक संजर, अश्विनी परांजपे, संदीप जैन, प्रशांत केशरवानी, अखिलेश जैन, रत्नेश सोनकर सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण और स्वच्छता कार्यक्रम

इसके बाद केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद और लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने दादा ईश्वरदास रोहाणी वार्ड की प्रियदर्शिनी कॉलोनी में आयोजितएक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत पौधारोपण एवं स्वच्छता कार्यक्रम में भाग लिया। दोनों मंत्रियों ने पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा स्वच्छता गतिविधियों में सहभागिता कर नागरिकों से स्वच्छ एवं हरित भारत के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पौधारोपण केवल पर्यावरण संरक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर और सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करने का महत्वपूर्ण माध्यम भी है। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद सुमित्रा वाल्मीकि, सांसद आशीष दुबे, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, विधायक अशोक रोहाणी, नगर निगम अध्यक्ष रिंकुंज विज, संदीप जैन, प्रशांत केशरवानी, अश्विनी परांजपे, अखिलेश जैन और रत्नेश सोनकर सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं नागरिक मौजूद रहे।

प्रबुद्धजन संपर्क अभियान के तहत की मुलाकातें

जबलपुर प्रवास के दौरान केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद और मंत्री राकेश सिंह नेप्रबुद्धजन संपर्क अभियान के तहत न्यायमूर्ति धर्माधिकारी के आवास पर पहुंचकर भेंट की। इसके बाद दोनों नेता विधायक डॉ. अभिलाष पाण्डेय के होम साइंस कॉलेज रोड स्थित कार्यालय 'सेवा सदन' पहुंचे। यहां उन्होंने गौमाता का पूजन-अर्चन कर गुड़ और चना खिलाया तथा कार्यकर्ताओं से आत्मीय संवाद किया। केंद्रीय मंत्री ने संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर सरकार की योजनाओं और जनसंपर्क गतिविधियों को लेकर चर्चा की। इस दौरान सांसद आशीष दुबे, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, नगर निगम अध्यक्ष रिंकुंज विज, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी परांजपे, भाजपा प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, भाजपा नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

विकास, पर्यावरण और जनसंपर्क पर रहा फोकस...

केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद के जबलपुर दौरे में विकास परियोजनाओं की समीक्षा, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने और समाज के विभिन्न वर्गों से संवाद स्थापित करने पर विशेष जोर दिखाई दिया। रानी दुर्गावती प्रगति पथ जैसी आधारभूत संरचना परियोजनाओं से लेकर पौधारोपण और प्रबुद्धजन संपर्क अभियान तक, विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से सरकार की विकास एवं जनकल्याणकारी नीतियों को जनता तक पहुंचाने का प्रयास किया गया।

फेल छात्रों को दूसरा मौका-रुक जाना नहीं योजना के तहत फिर होगी 10वीं-12वीं की परीक्षा, 20 जून तक करें आवेदन

भोपाल। एजेंसी। मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल (एमपी बोर्ड) की मुख्य परीक्षा और द्वितीय अवसर परीक्षा में असफल रहे विद्यार्थियों को निराश होने की जरूरत नहीं है। राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड की 'रुक जाना नहीं' योजना के तहत ऐसे छात्रों को एक और मौका दिया जा रहा है। इसके लिए जून 2026 के अंतिम सप्ताह से दोबारा परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी। योजना का लाभ केवल उन विद्यार्थियों को मिलेगा जो वर्ष 2026 में एमपी बोर्ड की 10वीं और 12वीं की मुख्य परीक्षा या द्वितीय अवसर परीक्षा में अनुत्तीर्ण रहे हैं अथवा किसी कारणवश परीक्षा में शामिल नहीं हो सके थे।

20 जून तक कर सकेंगे पंजीयन

पात्र विद्यार्थी 20 जून 2026 तक एमपी ऑनलाइन कियोस्क या स्वयं ऑनलाइन माध्यम से निर्धारित शुल्क जमा कर पंजीयन करा सकते हैं। विद्यार्थियों को केवल उन्हीं विषयों की परीक्षा देनी होगी, जिनमें वे अनुत्तीर्ण हुए हैं। प्रश्नपत्र एमपी बोर्ड के निर्धारित पाठ्यक्रम और ब्लूप्रिंट के अनुसार ही तैयार किए जाएंगे। परीक्षा परिणाम और अंकसूची मध्यप्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा जारी की जाएगी, जिसमें पहले से उत्तीर्ण विषयों के अंक भी शामिल रहेंगे।

जून में पास नहीं हुए तो दिसंबर में मिलेगा मौका

यदि कोई विद्यार्थी जून 2026 की परीक्षा में भी उत्तीर्ण नहीं हो पाता है, तो उसे दिसंबर 2026 में आयोजित होने वाली परीक्षा में शामिल होने का एक और अवसर मिलेगा। इसके लिए पुनः पंजीयन कराना होगा।

11वीं में प्रवेश के लिए अहम है पहला चरण

राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि जून 2026 की प्रथम चरण परीक्षा में सफल होने वाले विद्यार्थियों को ही कक्षा 11वीं में नियमित प्रवेश की पात्रता मिलेगी। जबकि दिसंबर में आयोजित द्वितीय चरण परीक्षा में पास होने वाले विद्यार्थियों को नियमित स्कूल में 11वीं में प्रवेश नहीं मिलेगा। हालांकि वे आगे चलकर ओपन स्कूल की कक्षा 12वीं की परीक्षा में शामिल हो सकेंगे।

छात्रों का हौसला बढ़ाने की पहल

स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा है कि हार मान लेना अंत नहीं होता, एक और कोशिश से ही सफलता की शुरुआत होती है। इसी सोच के साथ 'रुक जाना नहीं' योजना छात्रों को असफलता से उबरने और पढ़ाई जारी रखने का अवसर दे रही है।

श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय अंडर-19 महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान बनीं महक नरवासे- मुख्यमंत्री साय ने किया सम्मानित

रायपुर। एजेंसी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से आज राजनांदगांव जिले की प्रतिभाशाली युवा क्रिकेटर सुश्री महक नरवासे ने सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह तथा सांसद बृजमोहन अग्रवाल उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने भारतीय महिला अंडर-19 क्रिकेट टीम के आगामी श्रीलंका दौरे के लिए टी-20 एवं वनडे दोनों टीमों का उपकप्तान नियुक्त किए जाने पर सुश्री महक नरवासे को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने शॉल और स्मृति चिन्ह भेंट कर महक का सम्मान किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महक नरवासे की यह उपलब्धि केवल उनके परिवार या राजनांदगांव जिले की नहीं, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की बेटियां आज खेल सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं और राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान बना रही हैं। महक ने अपनी मेहनत, अनुशासन और समर्पण के बल पर यह मुकाम हासिल किया है, जो प्रदेश के युवाओं, विशेषकर बेटियों के लिए प्रेरणादायी है। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि महक आगामी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर छत्तीसगढ़ और देश का नाम गौरवान्वित करेंगी। उन्होंने महक को प्रोत्साहित करते हुए कहा, खूब खेलो, आगे बढ़ो और नई ऊंचाइयों को छुओ। आपकी सफलता प्रदेश के हजारों युवा खिलाड़ियों के सपनों को नई उड़ान देगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और उन्हें बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। महक नरवासे का भारतीय अंडर-19 महिला टीम की उपकप्तान के रूप में चयन प्रदेश में विकसित हो रहे खेल वातावरण और खिलाड़ियों को मिल रहे अवसरों का उत्कृष्ट उदाहरण है। सुश्री महक नरवासे ने सम्मान एवं शुभकामनाओं के लिए मुख्यमंत्री श्री साय के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर उनके पिता राधेश्याम नरवासे, महापौर मधुसूदन यादव, कोच मनोज तिवारी तथा अन्य अधिकारी उपस्थित

आधुनिक खेती की तकनीक सीखेंगे किसान

शिवराज सिंह ने विदिशा में किया देश के पहले मॉडल कृषि विज्ञान केंद्र का शिलान्यास

भोपाल। एजेंसी। केंद्रीय कृषि मंत्री एवं विदिशा सांसद शिवराज सिंह चौहान ने रविवार 14 जून को ग्राम बेरखेड़ी जेतू में देश के पहले मॉडल कृषि विज्ञान केंद्र का शिलान्यास किया। साढ़े तीन करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह केंद्र विदिशा ही नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के किसानों की खेती की तस्वीर बदल देगा। इस मौके पर सीएम शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि खेती के तरीके बदलने पड़ेंगे, जमीने बंट बंटकर घट गईं। लोगों के पास पांच एकड़ और ढ़ाई एकड़ बची है। मैं कहना चाहता हूं कि अगर ढाई एकड़ में ठंग से खेती की जाए तो परिवार की अजीविका चलाई जा सकती है।

किसानों को संबोधित करते हुए शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि, अब मध्य प्रदेश में फसलों का अस्पताल भी बनाया जाएगा। एग्री क्लीनिक में किसान अपनी खराब फसल को ले जाकर चेक करा सकते हैं। जहां बताया जाएगा कि फसल में क्या बीमारी है। विदिशा जिले की पहचान हमेशा से उसकी उपजाऊ जमीन और मेहनतकश किसानों से रही है। लेकिन आधुनिक खेती की जानकारी, उन्नत बीजों तक पहुंच और विशेषज्ञ सलाह के अभाव में यहां का किसान अक्सर पिछड़ जाता है। इसी खाई को पाटने के लिए इस कृषि विज्ञान केंद्र की नींव रखी जा रही है। यह केंद्र किसानों के लिए एक ऐसी जगह होगी जहां वे आधुनिक कृषि तकनीक सीख सकेंगे, फसल प्रबंधन की बारीकियां समझ सकेंगे और अपनी समस्याओं का समाधान विशेषज्ञों से सीधे पा सकेंगे।

खेत बचाओ अभियान भी होगा शुरू

शिलान्यास कार्यक्रम में केवल केंद्र की नींव ही नहीं रखी गई, बल्कि एक और जरूरी पहल की भी शुरुआत हुई। खेत बचाओ अभियान के तहत क्रॉप रेजिड्यू मैनेजमेंट यानी सीआरएम प्रोजेक्ट लॉन्च किया किया। फसल कटाई के बाद खेतों में बचे अवशेषों को जलाना किसानों की पुरानी आदत रही है, जो न केवल मिट्टी की उर्वरा शक्ति को नष्ट करती है बल्कि वायु प्रदूषण का भी बड़ा कारण बनती है। यह अभियान किसानों को इस हानिकारक आदत से बाहर निकालकर फसल अवशेष के वैज्ञानिक प्रबंधन की ओर ले जाएगा, जिससे खेत भी बचेगा और पर्यावरण भी।

तीन हजार किसान हुए शामिल

कार्यक्रम में विदिशा और रायसेन जिले के लगभग तीन हजार किसान शामिल हुए। इसके अलावा विभिन्न शासकीय योजनाओं के लाभार्थी भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। किसानों को नई तकनीकों और सरकारी योजनाओं की सीधी जानकारी मिले इसके लिए करीब 25 प्रदर्शनी स्टॉल लगाए गए। जहां कृषि विशेषज्ञ और विभागीय अधिकारी किसानों के सवालों के जवाब देंगे और उन्हें योजनाओं से जोड़ेंगे।

किसान की आमदनी बढ़ाना है असली लक्ष्य

विधायक मुकेश टंडन ने कहा कि, यह केंद्र किसानों को केवल तकनीकी ज्ञान ही नहीं देगा बल्कि उनकी आमदनी बढ़ाने और खेती को घाटे का सौदा समझने की सोच को बदलने में भी अहम भूमिका निभाएगा। जब किसान के पास सही जानकारी होगी, सही तकनीक होगी और सही मार्गदर्शन होगा तो वह अपनी फसल से अधिकतम उत्पादन ले सकेगा और उसकी मेहनत का सही मोल मिल सकेगा। देश के पहले मॉडल कृषि विज्ञान केंद्र के रूप में बेरखेड़ी जेतू की यह परियोजना आने वाले समय में पूरे देश के लिए एक उदाहरण बन सकती है। यह केंद्र विदिशा के उस किसान की उम्मीद का प्रतीक है, जो हर सुबह खेत में उतरकर देश का पेट भरता है और बदले में बस इतना चाहता है कि उसकी मेहनत रंग लाए।

11 दिवसीय योग शिविर के तृतीय दिवस का हुआ समापन

कोरबा। एजेंसी। राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय से संबद्ध राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई बिंझरा द्वारा आयोजित 11 दिवसीय योग शिविर के तृतीय दिवस का आयोजन उत्साह, ऊर्जा और प्रेरणा से परिपूर्ण रहा। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना कोरबा के जिला संगठक वाई.के. तिवारी का शिविर स्थल पर निर्धारित समय पर आगमन हुआ, जहां स्वयंसेवकों एवं शिक्षकों ने उनका आत्मीय स्वागत किया।

उक्त कार्यक्रम का शुभारंभ सामूहिक योगाभ्यास से हुआ, जिसमें जिला संगठक श्री तिवारी ने स्वयं सेवकों के साथ विभिन्न योग क्रियाओं का अभ्यास कर स्वस्थ जीवनशैली एवं नियमित योग के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि योग केवल शारीरिक स्वास्थ्य का माध्यम नहीं, बल्कि मानसिक एकाग्रता, आत्मअनुशासन और सकारात्मक जीवन दृष्टि का भी आधार है।

इस अवसर पर स्वयंसेवकों को अनुशासन, सेवा भावना एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की शपथ दिलाई गई। शांति गीत के सामूहिक गायन ने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक और प्रेरणादायी बना दिया। इसके पश्चात तिवारी जी ने राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई बिंझरा के नवस्थापित बोर्ड का विधिवत उद्घाटन किया। उपस्थित सभी लोगों ने इसे इकाई के विकास और पहचान की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। कार्यक्रम के अंतर्गत व्यापक स्वच्छता अभियान भी चलाया गया, जिसमें स्वयंसेवकों ने परिसर एवं आसपास के क्षेत्र की साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया। जिला संगठक श्री तिवारी स्वयं अभियान में शामिल हुए और श्रमदान कर स्वयंसेवकों को सेवा एवं नेतृत्व का व्यवहारिक उदाहरण प्रस्तुत किया।

अपने प्रेरक संबोधन में श्री तिवारी ने राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों, गतिविधियों एवं स्वयंसेवकों की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि एनएसएस केवल एक संगठन नहीं, बल्कि व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व क्षमता, सामाजिक चेतना और राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यम है। उन्होंने स्वयंसेवकों को विभिन्न शासकीय योजनाओं, जनकल्याणकारी कार्यक्रमों तथा समाज उत्थान से जुड़े अभियानों की जानकारी देते हुए समाज में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज के युवा ही विकसित भारत के निर्माण की सबसे बड़ी शक्ति हैं। यदि युवा सेवा, संस्कार और समर्पण की भावना के साथ आगे बढ़ें तो समाज और राष्ट्र दोनों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सकता है। उन्होंने स्वयंसेवकों को शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाने और जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए सदैव तत्पर रहने का संदेश दिया। जिला संगठक वाई.के. तिवारी के प्रेरणादायी मार्गदर्शन एवं सहभागिता से शिविर में नई ऊर्जा, उत्साह और सकारात्मक वातावरण का संचार हुआ। स्वयंसेवकों, शिक्षकों तथा कार्यक्रम अधिकारियों ने उनके अनुभवों और विचारों से प्रेरणा प्राप्त की। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी, महाविद्यालय एवं विद्यालय के स्वयंसेवक, शिक्षकगण, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्र निर्माण, समाज सेवा और स्वच्छ भारत के संकल्प के साथ किया गया।

सनसनीखेज साइबर ठगी - मोबाइल पर अचानक खुली परिवहन विभाग की साइट, डाउनलोड हुई एपीके फाइल, उड़ाए 2.25 लाख

इन्दौर। एजेंसी। साइबर ठगी के एक सनसनीखेज मामले में एक युवक के मोबाइल पर अचानक एम परिवहन. ओआरजी से मिलती-जुलती एक फर्जी साइट ओपन हो एक एप्लीकेशन ऑटोमैटिक डाउनलोड हो गई जिसके बाद उसके खाते से 2.25 लाख रुपए ट्रांसफर हो गये। मामला समीपस्थ बडगौंदा थाना क्षेत्र का है। पुलिस के अनुसार सायबर ठगी की यह वारदात गर्वित पिता नंदकिशोर पाटीदार निवासी गवली पलासिया के साथ 7 जून की रात करीब 10.30 बजे हुई। मामले में गर्वित ने शिकायत दर्ज कराते पुलिस को बताया कि मेरे नए मोबाइल फोन पर अचानक एम परिवहन. ओआरजी से मिलती-जुलती एक फर्जी साइट ओपन हो गई और एक एप्लीकेशन ऑटोमैटिक डाउनलोड हो गई। इसके बाद बैंक खाते से रुपए ट्रांजेक्शन के तीन मैसेज आए। इस तरह अज्ञात आरोपी ने मेरे बैंक खाते से कुल 2 लाख 25 हजार रुपए उड़ा लिए। पुलिस ने मामला दर्ज कर सायबर सेल की मदद से कार्रवाई शुरू कर दी है।

वन माफिया को तत्काल गिरफ्तार किया जाए

मध्य प्रदेश वन कर्मचारी मंच ने सरकार से की मांग

भोपाल। एजेंसी। मध्य प्रदेश वन कर्मचारी मंच ने मांग की है कि वन कर्मचारियों के ऊपर प्राण घातक हमला करने वाले एव उनके वाहनो में तोडफोड़ करने वाले वन माफिया आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार किया जाए तथा उनके खिलाफ रासुका की कार्यवाही की जाए। मंच के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि देवास वन मंडल के वन कर्मचारी अतिक्रमण हटाकर वन भूमि को मुक्त करने की कार्यवाही करने वन क्षेत्र में गए थे। जहां अतिक्रमणकारियों बन माफिया ने वन कर्मचारियों को देखते ही प्राण घातक हमला कर दिया। जिसमें वन कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।

वन कर्मचारियों पर अब तक सैकड़ों प्राण घातक हमले वन माफिया कर चुका है। आधा सैकड़ा वन कर्मचारी वन माफिया के हाथों शहीद हो चुके हैं, लेकिन वन विभाग और मध्य प्रदेश शासन ने वन कर्मचारी की सुरक्षा के लिए कोई ठोस कार्यवाही आज तक नहीं किया है। इस कारण प्रदेश का हजारों वन कर्मचारी अपनी जान जोखिम में डालकर वन भूमि को बचा रहा है। इसी तरह हमला उमरिया वन मंडल, खंडवा वन मंडल, सीहोर वन मंडल, बुरहानपुर वन मंडल में भी किए गए हैं। लेकिन वन माफिया के विरुद्ध रासुक की कार्यवाही आज तक नहीं की गई है। इस कारण वन माफिया न्यायालय से छूट जाता है और उसके हौसले बुलंद रहते हैं। वन कर्मचारी मंच ने निर्णय लिया है कि देवास वन मंडल में वन कर्मचारी के ऊपर प्राण घातक हमला करने वाले आरोपियों को यदि सात दिवस के अंदर गिरफ्तार करके उनके खिलाफ राशुक की कार्यवाही नहीं किया तो वन कर्मचारी मंच के नेतृत्व में वन कर्मचारी वन मुख्यालय पर प्रदर्शन करके प्रधान मुख्य वन संरक्षक को ज्ञापन सौंपेंगे।

एप्रोच रोड की मिट्टी बहने से बड़ा दुर्घटना का खतरा- बरसात पूर्व मरम्मत नहीं होने पर पुल/सड़क बहने का खतरा

कोरबा (ईएमएस) कोरबा जिलान्तर्गत पाली-सिल्ली 21.481 किमी मुख्यमार्ग पर ग्राम पो?ी के समीप पुलिया की एप्रोच रोड का एक हिस्सा पिछले साल की भारी बारिश में क्षतिग्रस्त हो गया, लेकिन संबंधित अधिकारियों और निर्माण एजेंसी ठेकेदार ने आज पर्यन्त इसके सुधार कार्य की सुध नही ली। माना जा रहा हैं की बरसात पूर्व मरम्मत नहीं हुआ तो पुल और सड़क के बहने अथवा कटाव खतरा है।

पाली से सिल्ली मार्ग पर पोढ़ी के निकट मुख्यमार्ग का यह धंसा हिस्सा हादसों को खुला न्योता दे रहा है। इस बरसात स्थिति और भी भयावह हो सकती है। लोक निर्माण विभाग द्वारा मार्ग के पुर्ननिर्माण और उन्नयन कार्य के लिए गत 15 जून 2020 को कार्यदेश जारी किया गया था। कार्य अवधि 20 माह तय थी और निर्माण का जिम्मा एक निजी कंपनी को सौंपा गया था, लेकिन करोना त्रासदी की वजह से निर्माण नियत अवधि से 2 साल विलंब पूर्ण हुआ। देर आए-दुरुस्त आए की तर्ज पर इस मुख्यमार्ग का कायाकल्प तो हुआ और करोड़ो खर्च के बाद लोगों को उम्मीद थी कि अब वर्षों तक सड़क की चिंता नही रहेगी, लेकिन इस निर्माण के बाद गत भारी बारिश में ग्राम पोढ़ी के पास मुख्यमार्ग पर पुलिया किनारे का एक बड़ा हिस्सा धंस गया है। एप्रोच रोड के धंसने और क्रैश बेरियर टूटकर लटकने से यह हिस्सा किसी बड़े सड़क हादसे को खुला न्योता दे रहा है, क्योंकि जहां सड़क का हिस्सा क्षतिग्रस्त हुआ है, वहां नीचे नाला बह रहा है और ऊपर से रोजाना सैकड़ो हल्के, भारी वाहन गुजर रहे हैं। ग्रामीणों के मुताबिक विभागीय अधिकारियों को कई बार मौखिक/लिखित सूचना देने और सुशासन तिहार में फरियाद लगाने के बाद भी नतीजा सिफर रहा है।

बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में भारतीय बैडमिंटन दल की अगुवाई करेंगी सिंधु

नई दिल्ली। बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (बीडब्ल्यूएफ) विश्व चैंपियनशिप 17 से 23 अगस्त तक नई दिल्ली में होगी। इसमें 10 सदस्यीय भारतीय बैडमिंटन टीम की अगुवाई ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधु करेंगी। बीडब्ल्यूएफ ने इस टूर्नामेंट के लिए क्वालिफिकेशन सूची जारी कर दी है, जिसमें भारत के कुल 10 खिलाड़ियों को पांच स्पर्धाओं में उतरने का अवसर मिला है। इन खिला?ियों में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की देश की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी भी शामिल है।

सिंधु को बीडब्ल्यूएफ के नियमों के तहत मेजबान देश की प्रतिनिधि के तौर पर महिला एकल ड्रॉ में जगह मिली है। यह क्वालिफिकेशन सूची 28 अप्रैल की वर्ल्ड बैडमिंटन रैंकिंग पर आधारित है, जिसमें पुरुष और महिला एकल में 64-64 खिलाड़ी और प्रत्येक युगल स्पर्धा में 48-48 जोड़ियां शामिल हैं। नियमानुसार, विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में प्रत्येक वर्ग में भारत के दो खिलाड़ियों को सीधे प्रवेश मिला है।

वहीं पुरुष एकल वर्ग में देश का प्रतिनिधित्व लक्ष्य सेन और आयुष शेट्टी करेंगे, जिन्होंने अपनी रैंकिंग के बल पर प्रवेश हासिल किय है। वहीं, महिला एकल में सिंधु के साथ उभरती खिलाड़ी उन्नति हुड्डा को भी जगह मिली है। पुरुष युगल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी को भी शामिल किया गया है। पुरुष युगल की बात करें तो हरिहरन अमसाकरुणन और एमआर अर्जुन को अवसर मिला है।

दूसरी ओर महिला युगल में 30वें स्थान पर कायम ट्रेसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी भारत की ओर से चुनौती पेश करेंगी, जबकि कविप्रिया सेल्वम और सिमरन सिंघी ने दूसरी भारतीय जोड़ी के रूप में प्रवेश हासिल किया है। मिश्रित युगल स्पर्धा में ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो ने 21वें स्थान के साथ अपनी जगह बनाई है, और उनके साथ रोहन कपूर और रुत्विका शिवानी गड्डे देश के लिए दूसरी मिश्रित युगल जोड़ी के तौर पर खेलेंगे। इनके अलावा रिजर्व सूची में पुरुष एकल में विश्व चैंपियनशिप किदांबी श्रीकांत और एचएस प्रणय, तथा महिला एकल में तन्वी शर्मा, अनमोल खरब, मालविका बंसोड़ और तस्नीम मीर हैं।बीडब्ल्यूएफ ने यह भी कहा है कि सभी पांच कैटेगरी में मौजूदा चैंपियन खिलाड़ियों ने चैंपियनशिप में अपनी भागीदारी की पुष्टि कर दी है।

रोहित सलामी बल्लेबाज के तौर पर 16,000 रन बनाने वाले भारत के दूसरे बल्लेबाज बने

धर्मशाला। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी सलामी बल्लेबाज शर्मा ने अफगानिस्तान के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय क्रिकेट में अपने 16000 रन पूरे कर लिए। सलामी बल्लेबाज के तौर पर वह ये उपलब्धि हासिल करने वाले भारत के दूसरे और विश्व के सातवे खिलाड़ी बन गये हैं। उनसे पहले भारतीय टीम की ओर से इतने रन पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने बनाये थे।

रोहित का 16000 पर पहुंचने के लिए केवल 6 रन चाहिये थे। रोहित ने मैच में पहला छक्का लगाते ही ये रिकार्ड बना दिया। वह मैच में 16 रन बनाकर आउट हुए। इस मैच से पहले बतौर सलामी बल्लेबाज उनके नाम 15,994 रन दर्ज थे। रोहित ने अपने 16000 रन अपनी 384वीं अंतरराष्ट्रीय पारी में बनाये हैं। .

सलामी बल्लेबाजक के तौर पर 16,000 अंतरराष्ट्रीय रनों का आंकड़ा पार करना कोई मामूली बात नहीं है। रोहित अब दुनिया के उन गिने-चुने दिग्गजों की सूची में शामिल हो गए हैं जिन्होंने क्रिकेट जगत पर राज किया है। इस एलीट क्लब में अब रोहित से पहले श्रलंका के सनथ जयसूर्या, वेस्टइंडीज के क्रिस गेल, ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर, दक्षिण अफीका के ग्रीम स्मिथ, वेस्टइंडीज के डेसमंड हेन्स और भारत के वीरेंद्र सहवाग जैसे खिलाड़ी शामिल थे। वहीं अगर विश्व क्रिकेट में बतौर सलामी बल्लेबाज सबसे ज्यादा रनों की बात करें तो श्रीलंका के पूर्व कप्तान सनथ जयसूर्या 19,298 रनों के साथ इस सूची में नंबर एक पर है। वेस्टइंडीज के 'यूनिवर्स बॉस' क्रिस गेल 18,867 रनों के साथ दूसरे और ऑस्ट्रेलिया के आक्रामक बल्लेबाज डेविड वॉर्नर 18,744 रनों के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

गुरनूर की लेंथ-स्विंग शानदार थी, हर्ष भी प्रभावशाली रहे : गिल

धर्मशाला,एजेंसी। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने यहां बारिश से प्रभावित पहले वनडे में अफगानिस्तान पर जीत दर्ज करने के बाद कहा कि पदार्पण कर रहे तेज गेंदबाज गुरनूर बरार और स्पिनर हर्ष दुबे ने प्रभावित किया। भारत ने बरार और दुबे की शानदार गेंदबाजी के बाद 'मैन ऑफ द मैच' गिल (नाबाद 84 रन) के अर्धशतक से अफगानिस्तान को सात विकेट से हरा दिया। बरार और दुबे ने तीन तीन झटके देकर प्रभावित किया जिससे अफगानिस्तान की टीम रहमानुल्लाह गुरबाज के शतक के बावजूद 24.5 ओवर में 194 रन पर सिमट गई।

गिल ने मैच के बाद कहा, यह एक तरह से टी20 मैच था। हमने अच्छी शुरुआत की। इसके बाद गुरबाज ने बढ़िया बल्लेबाजी की लेकिन उसके बाद हमने मध्य ओवरों में और डेथ ओवर में वापसी की। उन्होंने कहा, विकेट बल्लेबाजी के लिए काफी अच्छी थी। गुरनूर ने लेंथ और गति का अच्छा इस्तेमाल किया जो शानदार था। हर्ष ने पहले ओवर में 16 रन दिए लेकिन उन्होंने गेंद को टॉसिंग करना जारी रखकर प्रभावित किया। वनडे में मध्य ओवर अहम होते हैं। अगर हमने गेंद से दबाव बनाकर मौके बनाए और बल्लेबाजी करते हुए बिना विकेट गंवाए छह रन प्रति ओवर बनाए तो यह शानदार है।

फीफा वर्ल्ड कप: मोरक्को ने 5 बार के चैंपियन ब्राजील को ड्रॉ पर रोका

न्यूयॉर्क, एजेंसी। 5 बार की चैंपियन ब्राजील ने फीफा विश्व कप 2026 में अपना पहला मैच ड्रॉ खेला है। ग्रुप सी में मोरक्को ने ब्राजील को 1-1 से ड्रॉ पर रोका। दोनों ही टीमों ने मुकाबले में शानदार खेल दिखाया और अंत तक जबरदस्त रोमांच देखने को मिला। ब्राजील के स्टार खिलाड़ी नेमार जूनियर पूरी तरह फिट नहीं होने की वजह से इस मैच में नहीं खेले। दोनों टीमों को ड्रॉ की वजह से एक-एक पॉइंट मिला है। मैच जीतने वाली टीम को तीन पॉइंट मिलते हैं।

मैच के 21वें मिनट में मोरक्को के इस्माइल साइबारी ने पहला गोल दागा। इसके बाद मैच के 32वें मिनट में ब्राजील के विनीसियस जूनियर ने गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद दोनों टीमों की तरफ से गोल करने के कई प्रयास किए गए, लेकिन किसी भी टीम को सफलता हाथ नहीं लग सकी।

ब्राजील को 24 साल से खिताब का इंतजार

ब्राजील को 24 साल से फीफा विश्व कप खिताब का इंतजार है। टीम आखिरी बार 2002 में चैंपियन बनी थी। उसके बाद से एक बार भी फाइनल में नहीं पहुंची है। वहीं मोरक्को ने कतर फीफा विश्व कप में सभी को चौंकते हुए सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था। टीम ने इसी साल की शुरूआत में अफ्रीका कप नेशंस का खिताब जीता था।

स्कॉटलैंड 44 साल बाद पहला मैच जीता, हैती को हराया

ईस्ट रदरफोर्ड। दुनिया की 37वें नंबर की टीम स्कॉटलैंड ने 44 साल बाद फुटबॉल वर्ल्ड कप में जीत से शुरूआत की है। उसने ग्रुप-सी के मैच में हैती को 1-0 के अंतर से हराया। बूस्टन स्टेडियम में स्कॉटलैंड की ओर से 28वें मिनट में जॉन मैक्गिन ने गोल दागा। यह मैच का निर्णायक गोल साबित हुआ। मैच के अंतिम चरण में हैती ने बराबरी के लिए पूरा जोर लगाया। फ्रांत्जी पियेरो ने हेडर के जरिए गोल करने की कोशिश की, लेकिन गेंद पोस्ट के बाहर निकल गई। स्कॉटलैंड ने इसके बाद बढ़त बरकरार रखी और 1-0 से जीत दर्ज कर वर्ल्ड कप अभियान की सफल शुरूआत की। इन मैचों के बाद स्कॉटलैंड ग्रुप-सी के पॉइंट्स टेबल में पहले स्थान पर आ गई है। जबकि, मोरक्को दूसरे और ब्राजील तीसरे स्थान पर है। स्कॉटलैंड के पास 3 अंक हैं, जबकि ब्राजील और मोरक्को के पास एक-एक अंक ही हैं। हैती हार के बाद सबसे निचले स्थान पर है।

गुरबाज अफगानिस्तान की ओर से सबसे तेज शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बने

धर्मशाला। अफगानिस्तान के युवा सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज ने भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ यहां पहले ही एकदिवसीय में अपनी शतकीय पारी से एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। अब गुरबाज अफगानिस्तान की ओर से सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गये हैं। इससे पहले ये रिकार्ड विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद शहजाद के नाम था, शहजाद ने 72 गेंदों में शतक लगाया था। वहीं गुरबाज ने केवल 48 गेंदों में अपना नौवां एकदिवसीय शतक लगाया। यह अफगानिस्तान के बल्लेबाज का सबसे तेज एकदिवसीय शतक होने के साथ ही भारतीय टीम के खिलाफ भी सबसे तेज शतक है।

गुरबाज ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। उन्होंने भारतीय तेज गेंदबाजों को जरा भी अवसर नहीं दिया। गुरबाज ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से गेंदबाजों पर दबाव बना मैदान के हर कोने में चौके और छक्के लगाये। गुरबाज ने कुल 51 गेंदों पर 200.00 के स्ट्राइक रेट से 102 रन बनाए। उन्होंने 8 शानदार चौके और 8 छक्के लगाये। भारतीय ऑलराउंडर नीतीश रेड्डी का वह शिकार बने।

अपनी इस अविश्वसनीय पारी के दम पर रहमानुल्लाह गुरबाज ने अफगानिस्तान क्रिकेट के 16 साल पुराने रिकॉर्ड को ध्वस्त कर दिया।

शुभमन एकदिवसीय में सबसे तेज 3000 रन पूरे करने वाले भारतीय बल्लेबाज बने

धर्मशाला। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के पहले ही मैच में 47 रन बनाते ही एकदिवसीय अंतराष्ट्रीय में अपने 3000 रन पूरे कर लिए। इसके साथ ही शुभमन के नाम एक बड़ी उपलब्धि दर्ज हो गयी है। वह सबसे तेज 3000 एकदिवसीय रन पूरे करने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं।

उन्होंने यह रिकार्ड केवल 62 पारियों में ही पूरा कर दिया। इसी के साथ ही विश्व भर में सबसे तेज 3000 रन एकदिवसीय रन बनाने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गये हैं। इससे पहले ये रिकार्ड दक्षिण अफ्रीका के हाशिम आमला के नाम दर्ज था। शुभमन ने इस आंकड़े तक पहुंचने के साथ ही भारतीय टीम के पूर्व दिग्गज सलामी बल्लेबाज शिखर धवन का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है। अब तक भारत में सबसे तेज इससे 3000 एकदिवसीय रन बनाने के मामले में धवन पहले ही नंबर पर थे। उन्होंने 72 पारियों में यह आंकड़ा हासिल किया था। वहीं शुभमन ने केवल 62 पारियों में अपने 3000 रन पूरे करने के मामले में ध्वन को पीछे छोड़ा। 62 पारियों में 3000 रन पूरे कर शुभमन ने वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप और पाकिस्तानी खिलाड़ी फखर जमान और इमाम उल हक को तीसरे नंबर पर धकेल दिया। इन तीनों ही खिलाड़ियों ने इस मुकाम तक पहुंचने के लिए 67-67 पारियां खेली थीं। अब शुभमन इन सबसे आगे निकल गये हैं। विश्व क्रिकेट में अब केवल दक्षिण अफ्रीका के महान बल्लेबाज हाशिम अमला ही उनसे आगे हैं, जिन्होंने 57 पारियों में यह रिकॉर्ड बनाया था। 3000 एकदिवसीय रन बनाने वाले दुनिया भर के बल्लेबाजों में शुभमन के बल्लेबाजी का औसत दूसरा दूसरा सबसे बेहतरीन है। शुभमन का औसत 55 से ज्यादा का है। इस मामले में भारत के विराट कोहली (58.71 औसत) के साथ ही पहले नंबर पर हैं। शुभमन का का रन बनाने का स्ट्राइक रेट भी 99 से ज्यादा का है, जो कि काफी अच्छा माना जाता है।

केरल के मानव कृष्णा को इंडिया अंडर-19 टेस्ट टीम में मिली जगह

तिरुवनंतपुरम। केरल की अंडर-19 टीम के कप्तान और विकेटकीपर-बल्लेबाज मानव कृष्णा को श्रीलंका के खिलाफ होने वाली आगामी सीरीज के लिए इंडिया अंडर-19 टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। भारतीय अंडर -19 टीम श्रीलंका में तीन एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय) मैच और दो चार-दिवसीय टेस्ट मैच खेलेगी। मानव को घरेलू सत्र में उनकी अच्छी उत्कृष्ट बल्लेबाजी के साथ ही विकेटकीपिंग कौशल के कारण भी अवसर मिला है। गौरतलब है कि कृष्णा ने पिछले अंडर-19 सत्र में कुल 592 रन बनाए थे, जिसमें कूच बिहार ट्रॉफी में उन्होंने लगातार दो शानदार शतक भी लगाये थे। इसमें सौराष्ट्र के खिलाफ खेली गई 189 रन की शानदार पारी और हैदराबाद के खिलाफ 144 रन की प्रभावशाली पारी भ शामिल है, जिसने चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी ओर खींचा।अपने चयन से उत्साहित मानव कृष्णा ने कहा है कि वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देना चाहेंगे। साथ ही कहा कि भारत के लिए खेलना हमेशा से मेरा सपना और लक्ष्य रहा है। मैं आत्मविश्वास से भरा और उत्साहित भी हूं। मानव ने दिल्ली में अपने क्रिकेट सफर की शुरुआत की थी, लेकिन 12 साल की उम्र में वे केरल चले आए थे।

विंडीज ने न्यूजीलैंड को 7 विकेट से हराया, कैम्पबेल की तूफानी पारी

साउथेम्प्टन। वेस्टइंडीज ने महिला टी20 विश्व कप 2026 का आगाज शानदार जीत के साथ किया है। साउथेम्प्टन के रोज बाउल मैदान पर खेले गए मुकाबले में कैरेबियाई टीम ने डिफेंडिंग चैंपियन न्यूजीलैंड को 7 विकेट से हराया। वेस्टइंडीज ने 163 रनों के लक्ष्य को 19.5 ओवर में 3 विकेट खोकर हासिल किया। टीम की इस जीत की नायक शेमेन कैम्पबेल रहीं। विंडीज की शुरूआत अच्छी नहीं रही। कियाना जोसेफ महज 2 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। इसके बाद हेली मैथ्यूज और कैम्पबेल ने दूसरे विकेट के लिए 61 गेंदों में 74 रनों की साझेदारी निभाई। मैथ्यूज 37 गेंदों में 48 रन और कैम्पबेल ने 62 गेंदों का सामना करते हुए 90 रनों की नाबाद पारी खेली और वह टीम को जीत दिलाकर लौटीं। डिएंड्रा डॉटिन सिर्फ 6 रन बनाकर आउट हुईं, जबकि जाहजारा क्लैक्सटन 5 रन बनाकर नाबाद रहीं। गेंदबाजी में न्यूजीलैंड की ओर से जेस केर ने सर्वाधिक 2 विकेट चटकाए। इससे पहले, न्यूजीलैंड ने 20 ओवर में 6 विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 162 रन लगाए। टीम की शुरूआत अच्छी नहीं रही और जॉर्जिया प्लिमर 8 रन, कप्तान अमेलिया केर सिर्फ 5 रन और सोफी डिवाइन 22 रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद इसाबेला गेज ने 29 गेंदों में 39 रन, ब्रुक हॉलिडे ने 32 गेंदों में 40 रन बनाए, जबकि मैडी ग्रीन 22 गेंदों में 35 रन बनाकर नाबाद रहीं। गेंदबाजी में वेस्टइंडीज की तरफ से आलिया एलेने ने 4 ओवर में 27 रन देकर सर्वाधिक 4 विकेट अपने नाम किए। वहीं, मैथ्यूज और डॉटिन ने एक-एक विकेट चटकाया।

ओली रॉबिन्सन की फिटनेस पर संदेह, इंग्लैंड ने हेनरी क्रोकोम्बे को टीम में शामिल किया

नई दिल्ली,एजेंसी। न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए इंग्लैंड की तैयारियां ओली रॉबिन्सन की फिटनेस की चिंता की वजह से मुश्किल में आ गई हैं। इस तेज गेंदबाज के घुटने का स्कैन होना है। इंग्लैंड ने रॉबिन्सन के कवर के तौर पर अनकैप्ड तेज गेंदबाज हेनरी क्रोकोम्बे को टीम में शामिल किया है। रॉबिन्सन ने लॉर्ड्स टेस्ट में 7 विकेट लेकर इंग्लैंड की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने ट्रेनिंग सेशन के बाद अपने घुटने में दर्द की बात कही। 'द ओवल' में 17 जून से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट से पहले उनके पास रिकवर होने का समय बहुत कम है। इंग्लैंड क्रिकेट द्वारा एक्स दी गई जानकारी के मुताबिक,ससेक्स के तेज गेंदबाज को ओली रॉबिन्सन के कवर के तौर पर चुना गया है, जिनके आज दोपहर एहतियातन घुटने का स्कैन होने की उम्मीद है। रॉबिन्सन को शुक्रवार को ट्रेनिंग सेशन के बाद दर्द हुआ था। आपको शुभकामनाएं, ओली। रॉबिन्सन की फिटनेस पर संदेह ने क्रोकोम्बे के लिए रास्ता खोल दिया है। इंग्लैंड की सीनियर टीम की तरफ से उन्हें पहली बार मौका मिला है।

विश्व कप फुटबॉल 2026 के पहले ही मैच में कतर ने स्विट्जरलैंड को ड्रॉ पर रोककर किया सभी को हैरान

कैलीफोर्निया। यहां हुए फीफा विश्वकप फुटबॉल 2026 के एक मुकाबले में कतर ने स्विट्जरलैंड को 1-1 से ड्रॉ पर रोककर अपन पहला अंक हासिल किया है। ग्रुप बी में हुए इस रोमांचक मुकाबले में कतर ने खिताब की प्रबल दावेदार मानी जा रही स्विट्जरलैंड को 1-1 से ड्रॉ पर रोककर अपने बुलंद इरादे जाहिर कर दिये। कतर की ओर से बौलेम खौखी ने दूसरे हाफ के इंजरी टाइम के चौथे मिनट में किए गोल कर अपनी टीम को बराबरी पर ला दिया। इस मैच में स्विट्जरलैंड ने खेल के शुरुआती पलों में ही दबदबा बना लिया। मैच के 17वें मिनट में, ब्रील एम्बोलो ने पेनल्टी को गोल में बदलकर स्विट्जरलैंड को 1-0 की बढ़त दिलाई। मैच के दौरान ऐसा लगा कि स्विट्जरलैंड आसानी से यह मुकाबला जीत जाएगी पर कतर के खिलाड़ियों ने हार नहीं मानी और अंतिम क्षणों तक मुकाबला जारी रखा। अंतिम सीटी बजने से ठीक पहले, जब स्विस टीम की जीत पक्की नजर आ रही थी तभी तभी खौखी ने अविश्वसनीय से हेडर के जरिए गोल दागकर अपनी टीम को बराबरी पर ला दिया। इस गोल के बाद कतर के खिलाड़ियों में खुशी की लहर दौड़ गई; कई खिलाड़ी जश्न मनाते हुए मैदान पर ही लेट गये जबकि अन्य एक-दूसरे को गले लगाने के लिए दौड़ पड़े। यह उपलब्धि कतर के लिए और भी खास है, क्योंकि चार साल पहले अपने देश में खेले गए विश्व कप में उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा था और इस टूर्नामेंट में भी अपने पहले मैच में वे कुछ खास प्रभावित नहीं कर पाए थे। टीम के प्रदर्शन से उत्साहित कतर के कोच जुलेन लोपेटेगुई ने कहा, आज के प्रदर्शन पर मुझे बहुत गर्व है। हमारे खिलाड़ियों ने अनुशासन दिखाया और रणनीति पर अच्छी तरह से अमल किया। कभी-कभी हमें किस्मत का साथ भी मिला, लेकिन जीवन और फुटबॉल में आपको भरोसा बनाए रखने के साथ किस्मत की भी जरूरत पड़ती है। दूसरी ओर, स्विट्जरलैंड की टीम इस ड्रॉ से बेहद निराश दिखी। उन्हें इस बात का मलाल था कि उन्होंने गोल करने के कुछ अच्छे मौके खो दिए, जिसके कारण उन्हें एक अंक ही मिल पाया। मिडफील्डर ग्रैनिट ज़ाका ने अपनी निराशा व्यक्त करते हुए कहा, हर ड्रॉ हार जैसा लगता है। आज का हमारा प्रदर्शन जीत के लिए काफी नहीं था। टीम के एक अन्य मिडफील्डर डेनिस जकारिया ने भी स्वीकार किया, निश्चित रूप से हमने वैसा खेल नहीं दिखाया जैसा हम चाहते थे। हमें गोल करने के कई मौके मिले पर हम उनका लाभ नहीं उठा पाये।

तो सचिन-विराट को भी पीछे छोड़ देंगे वैभव -स्टेन

जोहांसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन भी 15 साल के वैभव सूर्यवंशी की आक्रामक बल्लेबाजी देखकर हैरान हैं। स्टेन का मानना है कि जिस प्रकार से वैभव खेल रहे हैं, अगर उसी तरीके से खेलते रहे तो भविष्य में वह सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली को भी पीछे छोड़ देंगे। एक कार्यक्रम में जब स्टेन से वैभव को लेकर पूछा गया, तो उन्होंने कहा, 'वैभव एक असाधारण प्रतिभा है। वह इस समय दुनिया के अधिकांश अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों से बेहतर खेल रहा है। वह भारतीय क्रिकेट का 'बॉय वंडर' और एक अनमोल खजाना है।' स्टेन की ये बातें वैभव की अविश्वसनीय प्रतिभा और उनके खेल पर उनके गहरे भरोसे को दिखाती हैं। वैभव ने आईपीएल के 19 वें सत्र में कुल 16 मैचों में 776 रन बनाए थे। उन्होंने लगभग 48.50 के औसत और 237.30 के अविश्वसनीय स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की थी। ऐसा करना टी20 क्रिकेट में बेहद कठिन है। वैभव ने आईपीएल में 72 छक्के लगाकर सर्वाधिक छक्कों के क्रिस गेल के रिकॉर्ड को भी तोड़ा था। स्टेन ने यहां तक कहा , 'जब आप सचिन या विराट जैसे महान खिलाड़ियों के बारे में सोचते हैं, तो आपको लगता है कि इससे बड़ा कोई नहीं हो सकता पर यह बच्चा आने वाले समय में एक ऐसा धमाका करने वाला है कि अपने करियर के अंत तक वह इन दोनों दिग्गजों से भी आगे निकल जाएगा।' इस पूर्व तेज गेंदबाज ने वहीं वैभव को लेकर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) और प्रशंसकों को भी आगाह किय है। उन्होंने कहा कि इतनी कम उम्र में इतनी बड़ी सफलता मिलना एक दोधारी तलवार की तरह है। इसलिए वैभव का ध्यान रखें। स्टेन के अनुसार, जब इतनी बड़ी जिम्मेदारी आती है, तो बड़े इनाम भी मिलते हैं, लेकिन खतरा भी उतना ही बड़ा होता है। अगर वैभव को सही तरीके से संभाला नहीं गया और उनका सही से प्रबंधन नहीं हुआ, तो भारतीय क्रिकेट इस अनमोल हीरे को बीच रास्ते में ही खो सकता है। इसलिए उन्हें बहुत ही सावधानी और देखरेख के साथ आगे बढ़ाना होगा। स्टेन से पहले भी कई दिग्गज खिलाड़ियों ने कहा है कि वैभव पर अभी से बेहतर प्रदर्शन के लिए दबाव नहीं बनाना चाहिये।

स्टेशन पर जमकर बरसाए पत्थर, आईजी समेत कई पुलिसकर्मी घायल

ट्रेन नहीं मिलने से भड़के छात्रों ने की तोड़फोड़, पुलिस ने लाठी भांजी, फायर किए और आंसूगैस के गोले दागे

पटना। एजेंसी।

न तो सरकारें निष्पक्ष परीक्षाएं करा पा रही है और न रोजगार दे पा रही है। परीक्षाएं होती भी है तो चयन के बाद 3-3 साल नियुक्ति नहीं मिलती। इस तरह की अनदेखी से युवाओं में बढ़ता गुस्सा पाटलिपुत्र रेलवे स्टेशन पर फूटा पड़ा। बिहार पुलिस मद्य निषेध विभाग की भर्ती परीक्षा देने जा रहे हजारों अभ्यर्थियों ने ट्रेनों की कमी और ट्रेन लेट पहुंचने से नाराज होकर रविवार को पाटलिपुत्र स्टेशन पर जमकर बवाल काटा। इस दौरान आक्रोशित छात्रों ने रेलवे ट्रैक पर कूदकर ट्रेनों को रोक दिया, पथराव किया और एग्जाम स्पेशल ट्रेन में तोड़फोड़ भी की। बिगड़ते हालातों को देखते हुए पुलिस भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े, फिर फायरिंग कर दी। इस उपद्रव में जमकर पथराव किया गया, जिसमें आईजी सहित करीब आधा दर्जन पुलिसकर्मी घायल हो गए।

6 छात्र गिरफ्तार, 500 के खिलाफ मामला दर्ज

बिहार में सिपाही भर्ती परीक्षा शुरू होने से पहले पाटलिपुत्र रेलवे स्टेशन पर छात्रों ने जमकर हंगामा किया। परीक्षा देने पहुंचे छात्रों ने अव्यवस्थाओं का आरोप लगाया। मामले में 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। छात्रों ने कई ट्रेनों को रोक दिया था। स्टेशन पर दुकानों, एग्जाम स्पेशल ट्रेन में तोड़फोड़ की। इसके चलते स्टेशन पर कांच के टुकड़े और पत्थर बिखरे नजर आए। मौके पर पहुंचे पटना के डीएम डॉ. त्यागराजन ने बताया कि आधी रात के करीब हमें खबर मिली कि कुछ लोग हंगामा कर रहे हैं। हमने उनसे गुजारिश की कि वे हंगामा न करें और परीक्षार्थियों का सहयोग करें। कुछ असामाजिक तत्वों ने बार-बार इमरजेंसी चेन खींची और तरह-तरह की मांगें रखीं, जैसे कि स्पेशल ट्रेनों की मांग, जबकि पहले से ही दो स्पेशल ट्रेनें चलाई गई थीं। त्यागराजन ने यह भी बताया कि प्रदर्शनकारियों ने उन छात्रों को भी रोका, जो जाना चाहते थे। इन वजहों से हमें हल्का बल प्रयोग करना पड़ा। अब स्थिति पूरी तरह सामान्य है और ट्रेनें रवाना हो चुकी हैं। परीक्षा देने वालों के लिए तय ट्रेनें पहले ही निकल चुकी हैं। रेल आईजी अमरेश कुमार ने बताया कि पाटलिपुत्र जंक्शन पर पथराव मामले में पुलिस ने 6 अभ्यर्थियों को गिरफ्तार किया है। 500 अज्ञात पर एफआईआर दर्ज की गई है। आईजी जितेंद्र राणा समेत 6 पुलिसकर्मी घायल हो गई हैं।

मांगी थी ट्रेन पुलिस ने बरसा दीं लाठियां

छात्रा सिर्फ इतना चाहते थे कि समय पर परीक्षा देने पहुंच जाएं। सालों की महनत सरकारी लापरवाही की भेंट चढ़ जाए उन्हे मंजूर नहीं था। लेकिन अधिकारियों ने उनकी एक नहीं सुनी। छात्रों ने ट्रेन की मांग की तो पुलिस ने लाठियां भांजना शुरु कर दिया। वहीं रेल आईजी अमरेश कुमार कहना है कि स्टेशन पर मधुबनी एक्सप्रेस और सीमांचल एक्सप्रेस आकर लगी थी। इसमें कई छात्रों को दरभंगा और मधुबनी साइड जाना था। इसमें तमाम छात्र सवार भी हो गए थे। उसके बाद 200 से 300 की संख्या में छात्र स्टेशन पर आए और उनका मकसद था कि वह ट्रेन में ना जाकर स्टेशन पर हंगामा करें। छात्र ट्रैक पर आकर बैठ गए और वो स्पेशल ट्रेन को डिमांड करने लगे। इसके बाद हमलोगों ने छात्रों की बात सीनियर अधिकारियों को बताई। जिसके बाद यह जानकारी दी गई कि 1 घंटे के बाद एक स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी। रात 2.10 मिनट पर स्पेशल ट्रेन आ कर लग गई थी। डीजीपी से हमारी बात हुई थी। उन्होंने कहा था कि छात्रों को समझाइए कि अगर उनका एग्जाम इस ट्रेन से जाने से छूट जाता है तो हम लोग एग्जाम री शेड्यूल करेंगे। हमलोगों ने प्रदर्शन कर रहे छात्रों से कहा कि 4:30 घंटे में इस ट्रेन को एरिया तक पहुंचा देंगे, आप लोग 2.30 बजे भी निकलेंगे तो भी आराम से सेंटर पर पहुंच जाएंगे, लेकिन छात्र कुछ भी सुनने को तैयार नहीं थे। उसके बाद फोर्स और लाठी चार्ज का इस्तेमाल कर इन सभी को हटाया गया। टियर गैस का इस्तेमाल किया गया जिसके बाद स्थिति नियंत्रण में आई।

परीक्षा छूटने के डर से भड़के छात्र

छात्रों की नाराजगी की वजह थी कि परीक्षा देने जाने वाले छात्रों को सत्तू, शर्बत जैसी जरूरतों को पूरा करने का दावा करने वाली बिहार सरकार आवागमन के साधन तक मुहैया नहीं करा पाई। परीक्षा दो पालियों में होनी थी, जिसके लिए हजारों अभ्यर्थी रात में ही स्टेशन पहुंच गए। स्टेशन पर पर्याप्त ट्रेन व्यवस्था न होने और गाड़ियों के लेट होने से छात्रों में परीक्षा छूटने का डर सताने लगा। स्थिति तब और ज्यादा बिगड़ गई, जब पाटलिपुत्र से कटिहार के लिए चलाई गई एग्जाम स्पेशल ट्रेन स्टेशन पहुंची। इस दौरान अभ्यर्थियों में अफरा-तफरी मच गई। इसके बाद नाराज छात्र पाटलिपुत्र-कटिहार एग्जाम स्पेशल ट्रेन के आगे पटरी पर बैठ गए और रेल प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी शुरू कर दी।

अमेरिका से नहीं डरा भारत, रूस से खरीदा 56 हजार करोड़ का ईंधन

नई दिल्ली। पश्चिमी देशों और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रतिबंधों की धमकियों को पूरी तरह दरकिनार करते हुए भारत ने रूस से कच्चे तेल और गैस की खरीद में रिकॉर्ड बढ़ोतरी की है। हाल ही में जारी आंकड़ों के अनुसार, भारत मई 2026 में रूसी जीवाश्म ईंधन (फॉसिल फ्यूल) का दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार बना रहा। भारतीय रिफाइनरियों द्वारा लगातार बढ़ाई गई खरीद के कारण रूस से कुल कच्चे तेल और अन्य ईंधन का आयात बढ़कर 5.8 अरब यूरो यानी लगभग 56,000 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। वैश्विक स्तर पर मई महीने में रूस के कच्चे तेल के कुल निर्यात में चीन की हिस्सेदारी 50 फीसदी रही, जबकि भारत 36 फीसदी हिस्सेदारी के साथ दूसरे स्थान पर मजबूती से टिका रहा।

आंकड़ों के अनुसार, मई के महीने में रूस से भारत के कुल आयात में अकेले कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) की हिस्सेदारी लगभग 83 फीसदी रही। कच्चे तेल के अलावा भारतीय रिफाइनरियों ने रूस से बड़े पैमाने पर तेल उत्पादों और कोयले का आयात भी जारी रखा है। इस अवधि में ऑयल प्रोडक्ट्स का आयात 55 करोड़ यूरो और कोयले के आयात का कुल मूल्य 42.9 करोड़ यूरो दर्ज किया गया। मई महीने के दौरान भारत के कुल कच्चे तेल आयात में मासिक आधार पर आठ फीसदी का जोरदार उछाल आया है। इस भारी वृद्धि का सबसे बड़ा कारण मई में रूस से होने वाले कच्चे तेल के आयात में हुआ 21 फीसदी का इजाफा रहा। भारत में रूसी कच्चे तेल की सबसे ज्यादा आमद गुजरात स्थित देश के प्रमुख रिफाइनिंग और औद्योगिक केंद्रों में देखी गई। आंकड़ों के मुताबिक, वाडिनार रिफाइनरी में अप्रैल की तुलना में मई में 36 प्रतिशत अधिक रूसी तेल जहाजों से उतारा गया। वहीं, दुनिया के सबसे बड़े जामनगर रिफाइनिंग परिसर में भी रूसी कच्चे तेल की आवक में मासिक आधार पर 14 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है।

अभिषेक मेरे बेटे जैसा, पिता का काम होता है गलतियों को माफ करना- कल्याण बनर्जी

कोलकाता। टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा है कि अभिषेक बनर्जी मेरे बेटे जैसा है और बेटे की सभी गलतियों को माफ करना पिता का काम होता है। इससे पहले उन्होंने 11 जून को कहा था कि ममता बनर्जी को मुझे या अभिषेक में से किसी एक को चुनना होगा। बता दें गुरुवार को अभिषेक ने फर्जी साइन मामले में अपना वकील बदल लिया था। पहले कल्याण इस मामले में अभिषेक के वकील थे। इसके बाद कल्याण ने कहा था कि अभिषेक को सीनियर नेताओं का सम्मान करना नहीं आता। वे बहुत अहंकारी हैं। इसी वजह से पार्टी बर्बाद हुई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शुक्रवार को अभिषेक बनर्जी ने कहा कि कल्याण बनर्जी मुझसे बड़े हैं। उन्हें अपने विचार व्यक्त करने का पूरा अधिकार है। उन्होंने मुझे बचपन से देखा है, इसलिए मैं उनके खिलाफ कुछ नहीं बोलूंगा। कल्याण ने टीएमसी में हो रही टूट पर कहा कि बागियों बीजेपी की शरण में ही जाना होगा। उन्होंने कहा कि यह सब एक चाल है। ये लोग अपने क्षेत्रों के विकास का बहाना बनाते हैं, लेकिन जो लोग अपने क्षेत्र में जा तक नहीं सकते, वे क्या काम करेंगे। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र खत्म हो चुका है। सीएम शुभेंदु अधिकारी से बातचीत के बाद भी पिछले एक महीने में क्या विकास हुआ है? बीजेपी और पुलिस हमें परेशान कर रही है। पश्चिम बंगाल में किसी भी विपक्ष ने कभी ऐसी स्थिति का सामना नहीं किया है, जैसी हम कर रहे हैं। कल्याण बनर्जी ने टीएमसी और कांग्रेस के आपस में विलय की खबरों को भी खारिज कर दिया। उन्होंने साफ कहा कि हम कांग्रेस के साथ कोई विलय नहीं कर रहे हैं।

छत्तीसगढ़ के बाद अब जल्द मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश पहुंचेगा मानसून

नई दिल्ली। झारखंड और ओडिशा के कुछ हिस्सों में मानसून प्रवेश कर गया है। फिलहाल यह छत्तीसगढ़ की सीमा पर है। अगले तीन दिन में इसके मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश पहुंचने की संभावना है। 4 जून को केरलम में दस्तक देने के बाद मानसून 9 दिन में 19 राज्यों तक पहुंच चुका है। देश के कई राज्यों में प्री मानसून सक्रिय है। राजस्थान समेत 9 राज्यों में तेज आंधी के साथ बारिश हो रही है। मध्य प्रदेश में शनिवार शाम राजधानी भोपाल समेत 4 जिलों में तेज बारिश हुई। कई जगहों पर बिजली के तार और पेड़ टूट गए। यूपी में आंधी-बारिश में हादसों में 5 लोगों की जान चली गई। वहीं, झारखंड में बिजली गिरने से 3 महिलाओं समेत 7 की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, ओडिशा, झारखंड, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के कई शहरों में शुक्रवार को पारा 40 डिग्री से ज्यादा रहा। देश में सबसे ज्यादा पारा महाराष्ट्र के यवतमाल में दर्ज किया गया। यहां पारा 42.4 डिग्री रहा। वहीं छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में 42, गुजरात के भावनगर में 41.9, राजस्थान के जैसलमेर में 40.8 डिग्री दर्ज किया गया। मध्य महाराष्ट्र, विदर्भ और मराठवाड़ा के 26 जिलों में हीटवेव का अलर्ट है। ओडिशा, कोस्टल आंध्र प्रदेश और कोंकण गोवा में मौसम उमस भरा रहेगा। मौसम विभाग के मुताबिक वेस्टर्न डिस्टर्बेंस सक्रिय होने से 19 जून तक उत्तर-पश्चिम भारत के कई हिस्सों में बारिश होगी। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और उत्तराखंड में 14 से 19 जून तक बारिश की संभावना है। हिमाचल प्रदेश में 14 से 19 जून के बीच बारिश का दौर जारी रहेगा। हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, पंजाब और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 19 जून तक रुक-रुक कर बारिश होगी।

हम हिटलर जैसे नहीं, बातचीत के रास्ते खुले रहने चाहिए

दत्तात्रेय होसबाले के पाकिस्तान से संवाद बयान पर बोले मोहन भागवत

नई दिल्ली। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने पाकिस्तान के साथ संवाद बनाए रखने को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के महासचिव दत्तात्रेय होसबाले के बयान का बचाव किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि होसबाले की टिप्पणी पाकिस्तान सरकार नहीं, बल्कि वहां के लोगों के संदर्भ में थी। साथ ही उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के संबंध में संघ केंद्र सरकार की विदेश नीति का ही अनुसरण करता है।

आरएसएस के शताब्दी वर्ष समारोह के तहत आयोजित एक संवाद कार्यक्रम में भागवत ने कहा कि पाकिस्तान में आज भी ऐसे अनेक लोग हैं जो मानते हैं कि भारत का विभाजन एक ऐतिहासिक भूल थी। उन्होंने दावा किया कि वहां कुछ पत्रकार और बुद्धिजीवी भी हैं जो आरएसएस के कार्यों की सराहना करते हैं तथा दो-राष्ट्र सिद्धांत का विरोध करते हैं। भागवत ने कहा कि पाकिस्तान में ऐसे लोगों की संख्या कम नहीं है जो मानते हैं कि दोनों देशों का साथ रहना अधिक बेहतर होता। ऐसे लोगों के साथ संवाद और संपर्क के रास्ते पूरी तरह बंद नहीं किए जाने चाहिए।

युद्ध के बाद भी समाधान के लिए संवाद जरूरी

संघ प्रमुख ने कहा कि यदि भविष्य में किसी युद्ध की स्थिति में भारत पाकिस्तान पर निर्णायक बढ़त हासिल करता है, तब भी वहां के लोगों के भविष्य को लेकर कोई न कोई समाधान तलाशना होगा। उन्होंने कहा कि ऐसे में या तो उन्हें भारत के साथ जोड़ना होगा अथवा उन्हें शांतिपूर्ण जीवन जीने योग्य परिस्थितियां उपलब्ध करानी होंगी। इसी संदर्भ में उन्होंने कहा, ¸हम हिटलर जैसे नहीं हैं। यह हमारा स्वभाव नहीं है। इसलिए बातचीत और समाधान का कोई रास्ता खुला रहना चाहिए। अन्याय और अत्याचार का अंत होना चाहिए, लेकिन जो सकारात्मक है, उसे भी संरक्षित रखना आवश्यक है।

होसबाले के बयान पर हुआ था विवाद

दरअसल, हाल ही में दत्तात्रेय होसबाले ने एक साक्षात्कार में कहा था कि भारत को पाकिस्तान के साथ बातचीत के सभी विकल्प पूरी तरह बंद नहीं करने चाहिए। उनके इस बयान को लेकर राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर बहस छिड़ गई थी। अब मोहन भागवत ने इस विवाद पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि होसबाले के बयान को गलत संदर्भ में देखा गया। उनके अनुसार, टिप्पणी का आशय पाकिस्तान की जनता और वहां मौजूद सकारात्मक सोच रखने वाले लोगों से था, न कि पाकिस्तान की राज्य व्यवस्था या सरकार से।

आरएसएस की अलग विदेश नीति नहीं

भागवत ने यह भी स्पष्ट किया कि आरएसएस की किसी भी देश के संबंध में स्वतंत्र विदेश नीति नहीं है। उन्होंने कहा कि विदेश नीति तय करना सरकार का अधिकार और दायित्व है तथा संघ पड़ोसी देशों के मामलों में केंद्र सरकार के दृष्टिकोण का सम्मान करता है और उसी का पालन करता है।

कन्नूर एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी निकली अफवाह

कन्नूर। केरल के कन्नू इंटरनेशनल एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां और पुलिस अलर्ट मोड पर आ गईं। हालांकि, हवाई अड्डे और संबंधित विमानों की व्यापक जांच के बाद यह धमकी पूरी तरह झूठी साबित हुई। मामले में मट्टनूर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार शनिवार दोपहर एयरपोर्ट प्रशासन और दो विमानन कंपनियों की कई आधिकारिक ईमेल आईडी पर एक धमकी भरा ईमेल प्राप्त हुआ। ईमेल में दावा किया गया था कि हवाई अड्डे पर विस्फोटक लगाए गए हैं और जल्द ही बम विस्फोट किया जाएगा। धमकी मिलने के बाद एयरपोर्ट सुरक्षा एजेंसियों, बम निरोधक दस्ते और पुलिस ने तत्काल सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू किया। पूरे हवाई अड्डे परिसर, टर्मिनल भवनों और संबंधित विमानों की गहन तलाशी ली गई। कई घंटों तक चली जांच के दौरान कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली, जिसके बाद अधिकारियों ने धमकी को फर्जी घोषित कर दिया। एयरपोर्ट के सहायक प्रबंधक की शिकायत पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम और केरला पुलिस एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि धमकी भरा ईमेल एक जीमेल अकाउंट से भेजा गया था।

12 करोड़ के गहने लेकर नेपाल भाग रहे नौकर दंपती और साली गिरफ्तार

रामपुर। उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले में पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है, जहां हैदराबाद के एक बड़े कारोबारी के घर से करोड़ों रुपये के जेवरात चोरी कर नेपाल भाग रहे एक शातिर गिरोह को दबोच लिया गया है। जिस पति-पत्नी पर कारोबारी ने भरोसा करके अपने घर की पूरी जिम्मेदारी सौंपी थी, वही चंद दिनों में करोड़ों रुपये के सोने-चांदी पर हाथ साफ कर रफूचक्कर हो गए। आरोपियों के पास से करीब 12 करोड़ रुपये की कीमत का 7 किलोग्राम सोना और एक किलोग्राम चांदी बरामद की गई है। बिलासपुर पुलिस ने इस मामले में तत्परता दिखाते हुए तीन लोगों को धर दबोचा है।

पुलिस की कड़ी पूछताछ में यह बात सामने आई कि इस पूरी वारदात में जीजा और दीदी के साथ उनकी साली भी बराबर की हिस्सेदार थी। पुलिस के मुताबिक, आरोपी घर में घरेलू कामकाज करते थे और उन्होंने मालिक के घर से बाहर होने का फायदा उठाकर इस बड़ी वारदात को अंजाम दिया।

यह पूरा मामला हैदराबाद का है, जहां बीते 7 जून को एक प्रतिष्ठित कारोबारी के घर से भारी मात्रा में सोने-चांदी के जेवर अचानक गायब होने की शिकायत दर्ज कराई गई थी। शुरुआती जांच में यह पूरी तरह से एक ब्लाइंड केस था, क्योंकि पुलिस के पास न तो कोई प्रत्यक्ष गवाह था और न ही कोई स्पष्ट सुराग। इसके बावजूद तेलंगाना पुलिस अपनी तरफ से वैज्ञानिक और तकनीकी स्तर पर जांच में जुटी रही। इसी दौरान जांच टीम को कुछ बेहद अहम सुराग मिले, जिन्हें तुरंत रामपुर पुलिस के साथ साझा किया गया।

रामपुर के पुलिस अधीक्षक के मुताबिक, सूचना मिलते ही तेलंगाना पुलिस और स्थानीय पुलिस ने संयुक्त रूप से एक विशेष अभियान शुरू किया। तकनीकी सर्विलांस और लोकेशन के आधार पर पुलिस को पता चला कि आरोपी बस के जरिए नेपाल सीमा पार करने की फिराक में हैं। इसके बाद बिलासपुर थाना क्षेत्र में नाकाबंदी कर संदिग्ध बसों की सघन चेकिंग शुरू की गई। इसी दौरान एक बस को रोककर जब जांच की गई, तो उसमें सवार दो महिलाओं और एक पुरुष को हिरासत में लिया गया। तलाशी के दौरान उनके पास से मिले भारी मात्रा में सोने और चांदी को देखकर पुलिस अधिकारी भी दंग रह गए। गिरफ्तार किए गए सभी आरोपी मूल रूप से नेपाल के रहने वाले हैं। इनमें मुख्य आरोपी कमल और उसकी पत्नी पूनम हैदराबाद में पीड़ित कारोबारी के यहां घरेलू कर्मचारी के रूप में काम करते थे। जांच में यह भी सामने आया है कि इस बड़ी वारदात में एक अन्य व्यक्ति भी शामिल था जो फिलहाल फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है।

नीट-यूजी पेपर लीक को लेकर कांग्रेस 17 जून से करेगी छात्र सम्मेलन

कोटा से होगी शुरुआत, प्रयागराज, पटना और दिल्ली में राहुल करेंगे संवाद

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी नीट-यूजी और कई अन्य परीक्षाओं में पेपर लीक मामले को लेकर छात्र सम्मेलन करेंगे। इसकी शुरुआत 17 जून को राजस्थान के कोटा से होगी। इसके बाद प्रयागराज, पटना और दिल्ली में भी वह इस तरह के सम्मेलनों के जरिए राहुल गांधी छात्रों से संवाद करेंगे।

कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बताया कि इन छात्र सम्मेलनों के जरिए नीट के विकेंद्रीकरण, परीक्षा शुल्क खत्म करने, पेपर लीक रैकेट में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग उठाई जाएगी। कांग्रेस ने 8 जून को अपने महासचिवों, प्रभारियों और प्रदेश अध्यक्षों के साथ बैठक में फैसला किया था कि नीट मामले, चुनावों से पहले सीट चोरी किए जाने, बेरोजगारी और महंगाई के खिलाफ राष्ट्रव्यापी अभियान चलाया जाएगा।

वेणुगोपाल ने शनिवार को इस संबंध में जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे के मार्गदर्शन और राहुल गांधी के सशक्त नेतृत्व में कांग्रेस ने खास अभियान छेड़ने की तैयारी की है। उन्होंने पेपर लीक, परीक्षा में गड़बड़ी, बेरोजगारी और मोदी सरकार की ओर से भारत के युवाओं के साथ किए जा रहे सुनियोजित विश्वासघात के खिलाफ एक राष्ट्रव्यापी अभियान के पहले फेज का ऐलान भी किया है।

वेणुगोपाल ने कहा कि राहुल गांधी छात्रों के बड़े सम्मेलन करेंगे, जिसकी शुरुआत 17 जून को राजस्थान के कोटा से होगी। फिर 10 जुलाई को प्रयागराज, 11 जुलाई को पटना और 14 जुलाई को दिल्ली में भी सम्मेलन आयोजित होंगे उनके मुताबिक इन सम्मेलनों में छात्र, परीक्षा की तैयारी करने वाले युवा, युवा संगठन, शिक्षक और परीक्षा घोटालों से सीधे प्रभावित, सभी लोग शामिल होंगे। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि इस सम्मेलन में उन लाखों युवा भारतीयों की मुश्किलों को सामने लाया जाएगा जिनका भविष्य पेपर लीक, परीक्षा की बढ़ती लागत और निष्पक्ष, पारदर्शी भर्ती और शिक्षा प्रणाली सुनिश्चित करने में सरकार की विफलता के कारण बार-बार खतरे में पड़ रहा है।

वेणुगोपाल ने कहा कि इस राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत, पार्टी देशभर में एनएसयूआई, युवा कांग्रेस, प्रदेश कांग्रेस कमेटी, जिला कांग्रेस कमेटी और स्थानीय यूनिट के जरिए बड़े पैमाने पर छात्रों तक पहुंचने और उन्हें एकजुट करने के राहुल गांधी के आह्वान को आगे बढ़ाएगी। उन्होंने आगे कहा कि लोगों के बीच मौजूदगी और डिजिटल माध्यम, कैंपस में संपर्क, कोचिंग सेंटरों, विश्वविद्यालयों, स्कूलों और युवा केंद्रों पर बातचीत, सोशल मीडिया अभियान, लाइव स्क्रीनिंग और छात्रों के साथ सीधे संवाद जैसे कार्यक्रम बड़े पैमाने पर किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का मानना है युवा भारतीयों की उम्मीदों की बलि भ्रष्टाचार, अक्षमता या राजनीतिक उदासीनता की भेंट नहीं चढ़नी चाहिए।

कांग्रेस नेता ने कहा कि इसी सोच के साथ, यह आंदोलन छात्रों को राजनीतिक जुड़ाव से ऊपर उठकर एकजुट करेगा और प्रभावित युवाओं को अपने अनुभव साझा करने तथा बार-बार परीक्षा में विफलता और पेपर लीक घोटालों के लिए जवाबदेही की मांग करने का मंच प्रदान करेगा। वेणुगोपाल ने कहा कि यह आंदोलन विपक्ष के नेता राहुल गांधी की ओर से पहले उठाई गई मांगों को सड़कों पर ले जाएगा। इन मांगों में नीट का विकेंद्रीकरण, परीक्षा फीस खत्म करना, पेपर लीक रैकेट में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई और सरकार के उच्चतम स्तर पर जवाबदेही की मांगें शामिल हैं।

मिजोरम बन रहा नशे का गढ़, म्यांमार से हो रही सिंथेटिक ड्रग्स 'आइस' की होम डिलीवरी

पिछले साल 118 तो इस साल 21 लोगों की जा चुकी है जान, हजारों किलो ड्रग्स जब्त

आइजोल। मिजोरम की राजधानी आइजोल में रात के अंधेरे और सन्नाटे में युवक हाथों में टॉर्च और डंडे लिए घूम रहे हैं। ये पुलिस नहीं, बल्कि 'यंग मिजो एसोसिएशन' (वाईएमए) के वॉलेंटियर्स हैं, जो सूबे की रगों में घोले जा रहे म्यांमार के सिंथेटिक ड्रग्स 'आइस' से अगली पीढ़ी को बचाने पहरा दे रहे हैं। मिजोरम इस समय नशा संकट से जूझ रहा है। म्यांमार की 500 किमी लंबी खुली सीमा से आने वाले खतरनाक सिंथेटिक ड्रग्स ने राज्य के सामाजिक ताने-बाने को बिखेर दिया है। पिछले साल इस ड्रग्स ने 118 तो इस साल अब तक 21 लोगों की जानें ली हैं। म्यांमार सीमा से सटा चंफाई जिला इसका मुख्य कॉरिडोर है। बीते तीन साल में यहां से करीब चार हजार किलो ड्रग्स जब्त हुई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चौंकाने वाली बात यह है कि पूरा कारोबार डिजिटली हो रहा है। ड्रग्स सप्लायर वॉट्सएप, टेलीग्राम, फेसबुक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर सीक्रेट ग्रुप्स बनाकर नेटवर्क चला रहे हैं। सिर्फ चैट ग्रुप का स्क्रीन शॉट दिखाकर आसानी से ड्रग्स मिल जाती है। जब वाईएमए के मेंबर से कुछ स्क्रीन शॉट मांगे तो उन्होंने सुरक्षा की दृष्टि से इन्हें देने से मना कर दिया। मिजोरम एक्साइज एंड नारकोटिक्स विभाग के संयुक्त आयुक्त ने बताया कि स्थानीय नेटवर्क में 'आइस' और 'कैंडी' जैसे कोड वर्ड्स से ड्रग्स बेची जा रही है।

रिपोर्ट के मुताबिक पिछले महीनों में ड्रग्स की होम डिलीवरी भी हो रही है। आइजोल स्थित सामाजिक कार्यकर्ता ने बताया कि वह इस साल 10 अप्रैल से 28 मई के बीच केवल आइजोल में 239 मरीज मिले हैं। इतने कम समय में इतने मरीज मिलना स्थिति की भयावहता को दिखाता है। इनमें से ज्यादातर लोग पहले शराब और गांजा पीते थे, लेकिन अब ड्रग्स ले रहे हैं। वाईएमए की सेंट्रल कमेटी के महासचिव ने बताया कि सीमा के पार म्यांमार का रिहखावदार इलाका है, जहां दोनों ओर के लोगों के पारिवारिक संबंध हैं। इसी आवाजाही की आड़ में रात के अंधेरे में छोटे पेडलर्स घने जंगलों और पहाड़ी पगडंडियों से ड्रग्स की खेप भारत लाते हैं। यहां से ड्रग्स देश के अन्य हिस्सों के साथ-साथ बांग्लादेश और अरब देशों तक भेजी जा रही है।

दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in
E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

वनरक्षक भर्ती के चलते 21 से 23 जून तक रेंजर कालेज परिसर बालाघाट में आमजन का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्य प्रदेश शासन द्वारा विशेष आदिम जनजाति प्रवर्ग के अभ्यर्थियों के लिए आयोजित वनरक्षक भर्ती-2026 के अंतर्गत भर्ती संबंधी गतिविधियों का आयोजन वनक्षेत्रपाल महाविद्यालय (रेंजर कालेज) बालाघाट परिसर में 21 जून से 23 जून 2026 तक किया जाएगा। भर्ती प्रक्रिया के सुचारू संचालन एवं सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए इस अवधि में महाविद्यालय परिसर तथा परिसर से होकर गुजरने वाले मार्ग पर आमजन का प्रवेश एवं आवागमन प्रतिबंधित रहेगा।

रेंजर कालेज के अनुदेशक द्वारा जारी सूचना के अनुसार भर्ती प्रक्रिया के दौरान अभ्यर्थियों की सुविधा, सुरक्षा व्यवस्था तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। इसी के तहत महाविद्यालय परिसर में केवल भर्ती प्रक्रिया से संबंधित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं अभ्यर्थियों को ही प्रवेश की अनुमति होगी।

सर्वसाधारण नागरिकों से अपील की गई है कि 21 से 23 जून के दौरान बजरंगघाट जाने के लिए महाविद्यालय परिसर से होकर गुजरने वाले मार्ग का उपयोग न करें तथा वैकल्पिक मार्गों का प्रयोग करें। साथ ही किसी भी प्रकार के अनाधिकृत प्रवेश अथवा प्रतिबंधित मार्ग का उपयोग करने से बचें।

विशेष आदिम जनजाति प्रवर्ग हेतु आयोजित वनरक्षक भर्ती-2026 शासन की एक महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील जनकल्याणकारी पहल है। भर्ती प्रक्रिया के निर्बाध संचालन तथा अभ्यर्थियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए आमजन का सहयोग आवश्यक है।

रेंजर कालेज के प्राचार्य ने नागरिकों से भर्ती प्रक्रिया के सफल आयोजन में सहयोग करने एवं जारी निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने की अपील की है, ताकि पूरी प्रक्रिया शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न हो सके।

मामूली विवाद पर पिता पुत्र ने की सैलून संचालक की हत्या

आरोपी पिता पुत्र को पुलिस ने किया गिरफ्तार,हत्या का मामला दर्ज कर जांच में जुटी पुलिस, थाना परसवाड़ा के पुराने अस्पताल के सामने का मामला

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

परसवाड़ा थाना अंतर्गत आने वाले पुराने अस्पताल के सामने रविवार को उस वक्त सनसनी फैल गई, जब मामूली विवाद में दो दुकानदार आपस में भिड़ गए और उस विवाद के चलते पशु आहार दुकान संचालक पिता-पुत्र ने अपने पड़ोसी सैलून दुकान संचालक पर ईट से हमला कर उसकी हत्या कर दी।मृतक का नाम ग्राम मोहगांव परसवाड़ा निवासी 53 वर्षीय अनिल पिता भोलाराम गोले बताया गया है।जिसके शव का अस्पताल में पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है, तो वही इस मामले में परसवाड़ा पुलिस ने पशुआहार दुकान संचालक फगलाल और उसके पुत्र पंकज ठाकरे के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया है। जिनसे मामले को लेकर पूछताछ की जा रही है।

पुत्र के सामने की गई पिता की हत्या,थाने से महज 100 मीटर दूर हुई वारदात

बताया गया कि हत्या की यह वारदात परसवाड़ा थाना से करीब 100 मीटर दूर हुई है।जहां सैलून दुकानदार अनिल गोले की हत्या कर दी गई। जिस वक्त, ईट से अनिल गोले पर हमला किया गया। उस वक्त, उसका बेटा अनिल भी खड़ा था। इस घटना में लोगों ने आरोपियो के अवैध निर्माण पर एसडीएम और एसडीओपी के सामने बुलडोजर चलाने की मांग की है। एसडीएम ने आश्वस्त किया है कि मामले में जांच जारी है और यदि निर्माण अवैध पाया जाता है तो निश्चित ही हटाने की कार्यवाही की जाएगी।

दुकान के समीप ईट रखने को लेकर हुआ था विवाद

प्राप्त जानकारी के अनुसार मोहगाव निवासी अनिल गोले, परसवाड़ा के पुराने अस्पताल के सामने पिछले 20-25 वर्षों से मन्नू जेंड्स पालर नामक सैलून दुकान का संचालन कर रहा था,जबकि फगलाल और उसके पुत्र पंकज ठाकरे की उसी सैलून के बाजू में पशु आहार की दुकान है। जहां बाप बेटे दोनों पशु आहार दुकान का संचालन करते हैं। बताया जा रहा है की दुकान की जगह को लेकर दोनों दुकानदारों के बीच पूर्व से विवाद चल रहा था और अक्सर किसी न किसी बात को लेकर दोनों दुकानदारों के बीच विवाद होता ही रहता था। जानकारी के मुताबिक फगलाल और उसके पुत्र पंकज ने कुछ निर्माण कार्यों के लिए दुकान के सामने ईट मंगवाई थी, जहां कुछ ईट, दुकान के सामने रखवाई थी,तो कुछ ईट सैलून दुकान संचालक अनिल की दुकान के साइड में रखवाई थी।इसी बात को लेकर रविवार को उनके बीच विवाद हो गया।जहां तू-तू,मैं-मैं से शुरू हुआ यह विवाद जल्द ही गाली गलौज से होता हुआ हाथापाई में बदल गया और उनके बीच मारपीट शुरू हो गई।इस दौरान पिता- पुत्र ने आवेश में आकर दुकान के बाहर रखी ईट से सैलून संचालक अनिल की नाक पर हमला कर दिया, जिससे अनिल गंभीर रूप से घायल हो गया जिसकी उपचार के दौरान मौत हो गई।

आरोपी पिता पुत्र को पुलिस ने किया गिरफ्तार पूछताछ जारी

बताया गया कि घटना के तुरंत बाद परिसर में सनसनी फैल गई ,मामले की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने 103(1), 251(3),115(2)और 315 सहित अन्य सम्बधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आरोपी पिता पुत्र(फगलाल और पंकज) ठाकरे को गिरफ्तार कर लिया है जिनसे मामले को लेकर पूछताछ की जा रही है।

पंकज ने शुरू की मारपीट- अनिल

मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान मृतक अनिल गोले के पुत्र एवं प्रत्यक्षदर्शी मनीष गोले ने बताया कि रोजाना की तरह उन्होंने और उनके पिता ने दुकान खोली थी, वह दुकान में काम कर रहा था तभी दुकान के परिसर में रखी ईटों को अलग करने के लिए कहा तो फगलाल ठाकरे ईट अलग कर रहे थे,उसी दरमियान उसका पुत्र पंकज ठाकरे आया और गली गलौच करता हुआ मुझे कुर्सी फेंककर मारा, विवाद करने लगा और मेरे साथ मारपीट की,इसकी शिकायत लेकर मैं थाने गया था,उधर पंकज और फगलाल मिलकर मेरे पिता अनिल गोले के साथ विवाद करने लगे इस दरमियान उन्होंने ईट मारकर मेरे पिता को घायल कर दिया। घटना के बाद हम पुन: शिकायत करने के लिए थाने पहुंचे थे, लेकिन मेरे पिता चक्कर खाकर गेट पर ही गिर गए, उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां उनकी मौत हो गई।

मामले की जांच जारी है-अरविंद शाह

इस पूरे मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान परसवाड़ा एसडीओपी अरविंद शाह ने बताया कि यह घटना सुबह 10 बजे के आसपास की है अनिल कुमार गोले और उनके पुत्र मनीष कुमार ने रोजाना की तरह अपनी सैलून की दुकान खोली हुई थी, बाजू में एक पशु आहार की दुकान है फगलाल ठाकरे और उनका पुत्र पंकज ठाकरे वह दुकान चलाते हैं, इनके बीच ईट रखने को लेकर विवाद हो गया। इसी दरमियान इनके बीच में हुई मारपीट में आरोपियों ने अनिल कुमार की नाक में ईट मार दी, जिससे अनिल कुमार घायल हो गए, उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया जहां उनकी मौत हो गई।मृतक के पुत्र मनीष की रिपोर्ट के आधार पर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है इनके बीच में पूर्व में विवाद था या नहीं इस बात का पता लगाया जा रहा है मामले की जांच जारी है।

तेज रफ्तार छोटा हाथी ने मोटरसाइकिल को मारी टक्कर-दो युवक गंभीर रूप से घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के मलाजखंड थाना क्षेत्र अंतर्गत मोहगांव रोड पर स्थित ग्राम पौनी में रविवार दोपहर एक तेज रफ्तार छोटा हाथी वाहन ने मोटरसाइकिल सवार दो युवकों को अपनी चपेट में ले लिया। हादसा इतना भीषण था कि दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनो घायल अमन डहाटे पिता छतर सिंह डहाटे 22

वर्ष एवं मोनू खैरवार पिता पतिराम खैरवार 28 वर्ष बंजर टोला थाना मलाजखंड निवासी बताएं गए है। जिन्हें पहले बिरसा अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल बालाघाट रेफर कर दिया गया है।

सामान लेने जा रहे थे दोनों युवक

प्राप्त जानकारी के अनुसार मोनू खैरवार मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता है। उसके परिवार में पत्नी और दो छोटे बच्चे हैं। वहीं अमन डहाटे मलाजखंड माइंस में कार्यरत है।जानकारी के मुताबिक 14 जून को दोपहर करीब 1 बजे दोनों युवक मोटरसाइकिल से मलाजखंड से मोहगांव घरेलू सामान खरीदने जा रहे थे। इसी दौरान ग्राम पौनी के पास पीछे से तेज गति से आ रहे एक छोटा हाथी वाहन ने उनकी मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। जिससे दोनों युवक मोटरसाइकिल समेत सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को तत्काल उपचार के लिए बिरसा अस्पताल पहुंचाया गया।बिरसा अस्पताल में चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों युवक को उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल बालाघाट रेफर कर दिया। फिलहाल दोनों का उपचार जिला अस्पताल में जारी हैघटना की सूचना मिलने के बाद मलाजखंड पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि छोटा हाथी वाहन तेज रफ्तार में था। जिसके कारण चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और मोटरसाइकिल को पीछे से टक्कर मार दी।

परिजनों में चिंता का माहौल

हादसे की खबर मिलते ही दोनों घायलों के परिजन जिला अस्पताल पहुंच गए। विशेष रूप से मजदूरी कर परिवार चलाने वाले मोनू खैरवार की गंभीर स्थिति को लेकर परिवार में चिंता का माहौल बना हुआ है। वहीं अमन डहाटे के परिजन भी उसके जल्द स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं।यह सड़क दुर्घटना एक बार फिर तेज रफ्तार वाहनों के कारण होने वाले हादसों की गंभीरता को उजागर करती है। स्थानीय लोगों ने क्षेत्र में यातायात नियमों के सख्ती से पालन और तेज गति से वाहन चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, नि:संतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

आवश्यकता है
फिल्ड कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है
संपर्क करें-पद्मेश सिटी केबल काली पुतली चौक, बालाघाट

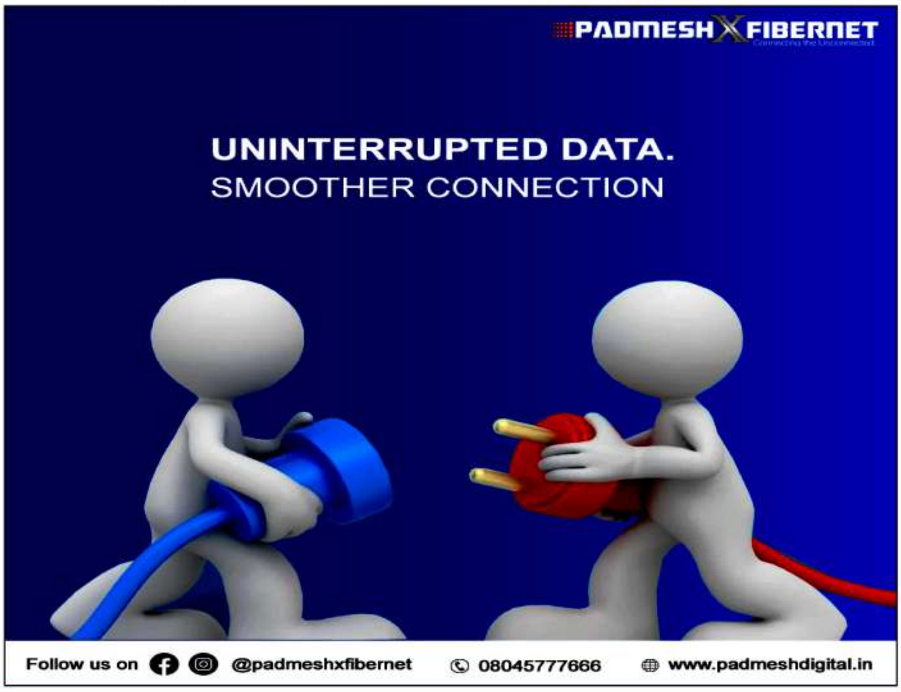

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट